Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 25 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 304 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जो बदला जा सके उसे बदलो, जो बदला न जा सके उसे स्वीकारो और जो स्वीकारा न जा सके उससे दूर हो जाओ, लेकिन स्वयं को खुश रखो।

नरगिस फाखरी ने रणबीर और शाहीद...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,970.04
निफ्टी	:	19,794.70

SARAFA

सोना	:	5,845
चांदी	:	79.20

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दिनदहाड़े सड़क पर युवक को चाकू से रेत दिया गर्दन

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के उत्तर कोलकाता के चितपुर इलाके में दिनदहाड़े सरेआम एक युवक को पकड़कर धारदार चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गयी। घटना केएल दास रोड में शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे की है। मृत युवक का नाम शेख दुलारा (उम्र 29 वर्ष) बताया गया है। वह काशीपुर रोड इलाके का निवासी था। इधर, खबर पाकर चितपुर थाने की पुलिस के अलावा लालबाजार के होमीशाइड शाखा की टीम मामले की जांच में जुट गयी है। इस घटना के बाद से हमलावर बदमाश इलाके से फरार है, उन्हें दबोचने के लिए पुलिस ने छापामारी शुरू कर दी है। इधर, दिनदहाड़े भीड़भाड़ वाले इलाके में एक युवक की इस तरह से निर्मम हत्या करने की घटना के बाद से इलाके में लोगों में डर घर कर गया है। इस घटना के बाद से इलाके में अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गयी है।

अंतिम चरण में रेस्क्यू ऑपरेशन, सीएम धामी ने लिया जायजा

UTTRAKHAND : उत्तराखंड के सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। टनल हादसे को आज 13 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक टनल में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर नहीं निकाला जा सका है। तमाम अड़चनों और मुश्किलों के बाद कई युक्ति लगातर सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने की कवायद जारी है। गौरतलब है कि सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों को छह इंच चौड़े पाइप के जरिये फल, खाद्य पदार्थ, इलेक्ट्रॉल समेत अन्य दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। इसी कड़ी में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग बचाव अभियान का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि बचाव अभियान का अंतिम चरण तेज गति और पूरी सावधानी के साथ चलाया जाना चाहिए।

चीन के बच्चों में फिर सांस संबंधी बीमारियों में तेजी, भारत अलर्ट

NEW DELHI : उत्तरी चीन में बच्चों में एच9एन2 मामलों के साथ श्वसन संबंधी बीमारियों के मामलों में बढ़ोतरी से भारत में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय चीन में फैली श्वसन संबंधी बीमारियों पर बारीकी से निगरानी कर रहा है। शुक्रवार को मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि चीन से रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी से भारत को कम खतरा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए तैयार है। इसके साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के लिए एक समग्र और एकीकृत रोडमैप अपनाने के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में भी महत्वपूर्ण मजबूती आई है। इसके अलावा, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के पास कोरोना महामारी के दौरान चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने का समृद्ध अनुभव है।

साहिबगंज से आपकी योजना, आपकी सरकार अभियान का सीएम ने किया शुभारंभ

जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ देने उनके द्वार पहुंची हेमंत सरकार

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : झारखंड सरकार आज अपने कार्यकाल के चौथे साल में एक बार फिर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान का शुभारंभ किया। साहिबगंज के बरहेट विधानसभा के गोपलाडीह मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने करोड़ों की योजनाओ का सौगद भी दिया। इस कार्यक्रम में श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य के सभी लोगों की समस्या का समाधान सिर्फ हेमंत कर सकते है। कई सरकार आई पर गरीबों का विकास नहीं हुआ। मुख्य मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का संकल्प लिया। रोटी कपड़ा और मकान गरीबों को दिया जा रहा है। हेमंत की सरकार में बिना मांगे मिल रहा है। गांव की आवश्यकता को लेकर योजना बनाई जा रही है। गरीबों का आशीर्वाद सरकार को मिलता रहे।

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि कई चीजों पर हमारी चिंता है पर विपक्ष रोड़ा लगाते है। ईडी सीबीआई के पीछे छिपकर परेशान कर रही है ताकि सरकार दर जाए पर यह सरकार लड़ने वाली और भगाने वाली है। कुछ पार्टी के ही लोग है जो सीबू सोरेन बनना चाहते थे। राजनैतिक ताकत खत्म होने के कारण उल जलूल आरोप लगाते है। चीजों किंकिमत आसमान छू रहा है। गैस सिलेंडर 400 की जगह 1 हजार हो गया। आज लोग सिलेंडर पर कचरा रखते है। राजस्थान की सरकार लोगों को सस्ते में सिलेंडर दे रहे है। देश के सरकार है तो पूरे देश में एक कीमत क्यों नहीं। कैसे लोग पेट भरे इसका अलग कानून और कैसे गरीबों का शोषण करें इसका अलग कानून है। राज्य के आदिवासियों को धर्म कोड देने के लिए कानून बनाया पर कुंडली मारकर बैठी है। आरक्षण पर कानून बनाया पर गवर्नर कुंडली मारकर बैठे है। कई सरकार को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ रहा है। आदिवासी भाइयों के आरक्षण की व्यवस्था नहीं करने दे रही केंद्र सरकार।

अब राशन कार्ड में एक किलो दाल भी मिलेगा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम अनाज के साथ 1 किलो दाल भी दे रहे हैं। सावित्रीबाई फुले का लाभ घर के 4 बेटियों तक को लाभ मिल रहा है। कानून बनाए पर सरकार का पॉकेट भी देखना पड़ता है। फूलो झानो रांगा से सिमलधाब रोड, है गांव में तालाब, छात्रावास, हाई स्कूल। 20 साल में क्यों नहीं सभी बुजुर्गों को पेंशन दिया। क्यों नहीं बच्चियों को छात्रवृति दिया। स्वरोजगार दे रही सरकार। महिला दीदी को कैंप में 2, 3, 6 करोड़ का वितरण करते है। इस बार कैंप में बदलाव है। हर आवेदन का रजिस्ट्रेशन होगा। कार्रवाई का मोबाइल पर संदेश आएगा। आवेदन कोई फाड़ कर नही फेक सकता, लगातार मॉनिटरिंग होगा। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड 10 वीं पास बच्चों के लिए होगा जो आगे पढ़ने के लिए इंजीनियर, डॉक्टर वकील के 4 साल का खर्च सरकार देगी। इसके अतिरिक्त 1 साल तक पैसा वापस नहीं करना है नौकरी लगने पर थोड़ा थोड़ा सरकार को वापस करें है। कोई गारंटी नहीं चाहिए क्योंकि सरकार गारंटी लेगी। अब गरीब बच्चे भी डॉक्टर इंजीनियर बनेगा। आज आदिवासियों के 50 60 बच्चे विदेशों में पढ़ रहा है। जब महामारी नही था तक कितने ही लोग भूखे मरे, लोग पलायन किया। बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से कृषि के नए तरीके से जोड़ा जा रहा है। अब एक फसल के अलावा नए तरीके के और भी फलक। 90 प्रतिशत के अनुदान में लोगों को पशुधन मिल रहा है। जानवर बीमा करके मिलेगा ताकि पशु के मरने पर लाभुक को पूरा पैसा मिले।

जनता से किया गया वादा शत प्रतिशत जमीन पर उतारा : आलमगीर आलम

ग्रामीण विकास, पंचायती राज, संसदीय कार्य विभाग एवं एनआरईपी विशेष प्रमंडल मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि सरकार बनने के बाद कोरोना के कारण परेशान थे। जनता से किया वादा को शत प्रतिशत जमीन पर सीएम ने उतारा। कई नई योजना को लाया। समीक्षा में लगता है कि सीएम गरीबों का कल्याण और परिवर्तन लाना चाहते है। जानते है यहां की समस्या, जरूरत जानते है। 21 में 84710 मिला था 57273 निष्पादन हुआ। उस समय ज्यादा आवेदनों की समीक्षा की गई। सर्वजन पेंशन लाया। दूसरा बार 22 में देखा कि आवेदन में 159507 आवेदन आया था। आवास के सबसे ज्यादा आवेदन आया था क्योंकि केंद्र सरकार ने बंद किया था। समीक्षा में निर्णय लिया कि हर आवास में 50 हजार अतिरिक्त राशि देने का निर्णय लिया। 500 करोड़ पीएम आवास के लिए आया जो खर्च नही हुआ। 8।5 लाख लोगों के लिए अबुअ आवास योजना। अगले साल 2 लाख अतिरिक्त लोगों को मिलेगा। जिसे कभी आवास नही मिला, जो बेघर या खोपड़ी में रहते है उसे आवास मिले। डीसी, डीडीसी, एसडीओ, बीडीओ को देखना है कि गरीब परिवार को घर मिले। हमारी सरकार इनपर रोशनी दिया जिससे आम लोग ज्यादा लाबान्वित हो। सरकार राज्य के लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए काम करती है इसलिए हम अपने काम पर लोगों से वोट मांगते है।

धनबाद : डूबने से इंजीनियरिंग के छात्र की मौत, एक की हालत गंभीर

DHANBAD : जिले के मुनीडीह थाना क्षेत्र के जतूडीह बिंदुगड़िया तालाब में नहाने के दौरान डूबने से इंजीनियरिंग के एक छात्र की मौत हो गई जबकि एक अन्य युवक की जान किसी तरह बच गई, जो गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। मृत छात्र की पहचान रितेश सिंह (21) के रूप में की गई है जबकि हादसे में बचा युवक बोकारो के रानी पोखर का इलाके का निवासी नवीन सिंह है। बताया जाता है कि दोनों युवक जतूडीह स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुरुवार की रात पहुंचे थे। शुक्रवार की सुबह दोनों युवक तालाब में नहाने के लिए गए थे। इस क्रम में दोनों युवक तालाब में डूबने लगे, जिसपर तालाब के पास खड़े अन्य लड़कों ने शोर मचाना शुरू कर दिया।हालांकि, डूब रहे दोनों युवकों में एक युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर तालाब से बाहर निकल आया जबकि दूसरा युवक करीब आधे घंटे तक तालाब में डूबा रह गया। अधिक देर तक पानी में डूबे रहने के कारण उसकी मौत हो गई। मृत युवक रितेश सिंह दिल्ली में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। वह धनबाद के कोलाकुसमा का रहनेवाला था। छात्र रितेश के पिता का नाम समुन्द्र सिंह है। गुरुवार को वह जतूडीह अपने माता-पिता के साथ आया था। शुक्रवार को वह तालाब में स्नान करने निकला था। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव : पुलिस ने दो सूटकेसों से जब्त किये पांच करोड़

पांच राज्यों से 1,760 करोड़ रुपये हुए बरामद

AGENCY NEW DELHI : तेलंगाना विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को पुलिस द्वारा रंगारेड्डी के गच्चीबाउली से एक कार से पांच करोड़ रुपये कैश बरामद किये जाने की खबर है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से दो सूटकेस बरामद किये गये। इन सूटकेसों में पांच करोड़ रुपये थे। खबरों के अनुसार पुलिस ने कैश जब्त कर तीनों लोगों को हिरासत में लिया है। पूरी रकम आयकर विभाग के हवाले कर दी गयी है।

2018 में इन्हीं राज्यों से 239.15 करोड़ की जब्ती हुई थी : कार चालकों से इस रकम के बारे में बारे में पूछे जाने पर वे कोई जवाब नहीं दे पाये। इस बरामदगी से पूर्व चुनाव आयोग ने

जब्त किये गये रुपयों से भरे बैग। ● एजेंसी

जानकारी दी थी कि 5 राज्यों में चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक लगभग 1760 करोड़ रुपये जब्त किये जा चुके है। यह राशि 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का सात गुना ज्यादा बताई गयी है।

चुनाव आयोग के अनुसार चुनाव की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना और राजस्थान से 1760 करोड़ रुपये से ज्यादा की जब्ती की जा चुकी है। 2018 की बात करें तो इन्हीं राज्यों से मात्र 239.15 करोड़ रुपये की जब्ती हुई थी। बता दें कि इससे पूर्व चुनाव आयोग ने गुजरात, हिमाचल, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक चुनाव के दौरान 1400 करोड़ रुपये की बेहिसाब राशि जब्त की थी।

बिल्डर के बाउंसरों और किसानों के बीच खूनी संघर्ष, 22 पर मामला दर्ज

AGENCY NEW DELHI : उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के दादरी इलाके में अंसल-सर्वोत्तम बिल्डर के बाउंसरो और किसानों के बीच जमीन पर कब्जा करने को लेकर विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। खबरों के अनुसार यहां गोलीबारी भी की गयी। पुलिस ने आज शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना दादरी के रामगढ़-कैमराला गांव में बीती रात की है। पुलिस को मौके से खाली कारतूस भी मिले हैं।

सर्वोत्तम बिल्डर ने किसानों से जमीन खरीदी हुई है : दोनों पक्षों के लगभग 22 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने जानकारी दी कि सर्वोत्तम बिल्डर ने किसानों से जमीन खरीदी हुई है। कुछ किसान गुरुवार

विवादित स्थल पर मौजूद लोग। ● एजेंसी

को उस पर बुआई कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इसे रोकने पहुंचे बिल्डर के बाउंसरों ने बुआई का विरोध किया। मौके पर मौजूद किसान संजय और वीर सिंह से उनका (बाउंसर) विवाद हुआ और कुछ देर बाद मारपीट शुरू हो गयी। सिंह ने बताया कि किसानों ने बिल्डर के लोगों द्वारा गोलीबारी किये जाने का आरोप लगाया है। मौके से पांच-छह खाली कारतूस बरामद किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि इस मामले में चौकी प्रभारी यशपाल शर्मा की शिकायत पर अशोक, सत्येंद्र, विजेंद्र, संजय, वीर सिंह, राजू तथा 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की 147, 148, 149, 307, 323, 504, 34 तथा आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम (1932) की धारा सात के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है तथा अन्य की तलाश की जा रही है। किसान नेता सुनील फौजी ने आरोप लगाया कि बाउंसरों के पास लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और अन्य हथियार थे, जिनसे उन्होंने किसानों पर हमला किया।

फौजी ने कई किसानों के घायल होने का दावा किया : फौजी ने कई किसानों के घायल होने का दावा किया है, लेकिन घायलों की संख्या को लेकर पुलिस की ओर पुष्टि नहीं की गयी है। ग्रामीण विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से अंसल-सर्वोत्तम बिल्डर के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों की सेक्टर की तर्ज पर गांवों का विकास, अधिग्रहण से प्रभावित लोगों को नौकरी, भूमिहीन लोगों को भूखंड आवंटित करना और नये अधिग्रहण के तहत मुआवजा देने सहित विभिन्न मांग कर रहे हैं।

आतंकवादियों का सफाया करने के लिए राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में अभियान तेज

AGENCY JAMMU : उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी रैंकों में अपने देश के सेवानिवृत्त सैनिकों को धकेलने का प्रयास कर रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि एक साल के भीतर दो दर्जन से अधिक विदेशी आतंकवादियों का सफाया करने के लिए राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में अभियान तेज कर दिया गया है।

सेना कमांडर ने बुधवार और गुरुवार को राजौरी जिले के धर्मसाल बेल्ट के बाजीमल इलाके में मुठभेड़ के दौरान बलिदान हुए दो कैप्टन सहित पांच सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों के सामने कहा कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने अफगानिस्तान में प्रशिक्षित पाकिस्तान स्थित शीर्ष लश्कर कमांडर कारी सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों का मारा जाना क्षेत्र को अस्थिर करने की पाकिस्तान की योजना के लिए एक बड़ा झटका है।

अमित शाह की रैली की अनुमति के खिलाफ भाजपा ने दाखिल की कैविएट

AGENCY KOLKATA : कलकत्ता हाई कोर्ट ने धर्मतल्ला में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली को अनुमति दी है। इसके खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगा सकती है। इसलिए भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस आदेश को चुनौती देने के लिए ममता सरकार के संभावित कदम की आशंका जताते हुए शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर की है।

भाजपा खेमे को अपना मेगा कार्यक्रम 29 नवंबर को शहर में उसी स्थान पर आयोजित करने की अनुमति दी गई, जहां 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस वार्षिक "शहीद दिवस" रैली आयोजित करती है। भाजपा की रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री गिरिराज सिंह और राज्य मंत्री निरंजन ज्योति के शामिल होने की संभावना है।

टनल में फंसे मजदूरों के इलाज के लिए एम्स तैयार, 41 बेड रिजर्व

AGENCY NEW DELHI : उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों के लिए शुक्रवार का दिन स्पेशल साबित हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, 13 दिन से सुरंग में फंसे मजदूरों को आज बाहर निकाला जा सकता है। ऐसे में बाहर निकाले जाने के बाद इन मजदूरों के इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अक्क्टर) पूरी तरह से तैयार है। खास बात यह है कि अक्क्टर में मजदूरों के लिए 41 बेड रिजर्व कर दिए गए हैं।

उत्तराखंड में उत्तरकाशी जनपद के सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को यदि ऋषिकेश स्थित एम्स लाया जाता है, तो उनके इलाज के लिए वह पूरी तरह तैयार है। चिकित्सकों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और अस्पताल प्रशासन ने श्रमिकों के बेहतर उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की चार टीमें गठित की हैं।

उत्तरकाशी से एम्स पहुंचाए जाने की स्थिति में श्रमिकों को एम्स के हेलीपैड से सीधे अस्पताल की ट्रॉमा इमरजेंसी में ले जाया जाएगा। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए एम्स के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर नरेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को बताया कि ट्रामा सेन्टर के डिजास्टर वार्ड सहित अस्पताल के अन्य एरिया में सभी श्रमिकों के लिए 41 बेडों की पर्याप्त व्यवस्था रखी गई है। उन्होंने बताया कि आपात स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की चार टीमें गठित कर उन्हें अलर्ट मोड पर रखा गया है। इन टीमों में ट्रामा सर्जन, एनेस्थीसिया, मनोरोग और जनरल मेडिसिन विभाग के चिकित्सक शामिल हैं।

डॉक्टर नरेन्द्र कुमार के अनुसार, संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर मीनू सिंह राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो उत्तरकाशी भेजे जाने के लिए भी डॉक्टर्स और नर्सिंग अधिकारियों की एक टीम तैयार रखी गई है। उल्लेखनीय है कि एम्स के पास अपना हेलीपैड है, जहां एक बार में तीन हेलीकॉप्टर एक साथ उतारे जा सकते हैं। गौरतलब है कि सिलक्यारा सुरंग के मलबे में 41 मजदूर फंसे हुए हैं जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं।

फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास और इजराइल के बीच चार दिवसीय संघर्ष विराम शुरू

युद्ध विराम से पहले तक गरजते रहे इजराइली टैंक

AGENCY HAMAS : गाजा पट्टी पर फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास और इजराइल के बीच स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे से चार दिवसीय संघर्ष विराम शुरू हो गया। मगर इससे कुछ समय पहले तक इजराइल के सुरक्षाबल हमास के ठिकानों को ध्वस्त करने में लगे रहे। द टाइम्स ऑफ इजराइल और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

द यरुशलम पोस्ट के अनुसार आज (शुक्रवार) सुबह से गाजा पट्टी में प्रभावी चार दिवसीय संघर्ष विराम की तैयारी से पहले इजराइल ने अल शिफा अस्पताल में हमास की एक सुरंग और और उसके प्रवेश बिंदुओं को नष्ट कर दिया।

गाजा पट्टी में खड़े टैंक। ● एजेंसी

द टाइम्स ऑफ इजराइल का कहना है कि अल शिफा अस्पताल के नीचे मिली हमास की सुरंग को ध्वस्त कर दिया। इजराइल के सुरक्षाबलों ने सुबह सात बजे से कुछ पहले तक गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। इस दौरान कई जगह झड़प भी हुई। साथ ही सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी पर विमान से पर्चे गिराकर लोगों को चेतावनी दी है कि वे पट्टी के उत्तर में अपने घरों को न लौटें, क्योंकि चार दिवसीय संघर्ष विराम शुरू होने के बावजूद यह क्षेत्र अभी भी युद्ध क्षेत्र है।

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंद्धक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर

घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

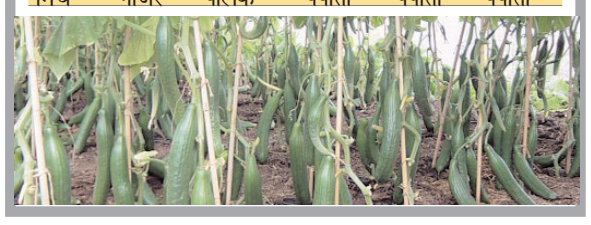

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50व्र + थायरम 50व्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसेः- पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50व्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे :- पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

Daily THE PHOTON NEWS सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Saturday, 25 November 2023

BRIEF NEWS

सड़क दुर्घटना में घायल अधिवक्ता की रिम्स में मौत

RANCHI : दुर्घटना के बाद रिम्स में भर्ती रातू थाना क्षेत्र के कमड़े निवासी अंकित तिवारी की मौत हो गई। अंकित कुमार तिवारी (32) झारखंड हाई कोर्ट में वकालत कर रहे थे। आठ नवम्बर को वह हाई कोर्ट से रातू के कमड़े स्थित अपने आवास वापस लौट रहे थे। इस दौरान नयासराय के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वह घायल हो गये थे। घायलावस्था में उन्हें रिम्स में इलाज के लिए भर्ती किया गया था, जहां इलाज के क्रम में शुक्रवार को उनका निधन हो गया। उनके असमय निधन पर हाइकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने शोक प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

आज आधी रांची में 3 घंटे नहीं रहेगी बिजली

RANCHI : नामकुम 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन में 132 केवी मेन बेस का कंडक्टर बदलने सहित अन्य मरम्मत कार्य शनिवार को किया जाएगा। इस कारण 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन से निकलने वाली सभी 132 केवी फीडरों सहित सभी 33 केवी फीडर जैसे 33 केवी चुटिया, 33 केवी कुसई, 33 केवी कोकर शहरी, 33 केवी कोकर ग्रामीण, 33 केवी टाटीसिलवे, 33 केवी विकास, 33 केवी मेन रोड, 33 केवी खेलगांव, 33 केवी नामकुम और 33 केवी आरएमसीएच फीडर सुबह 11.15 से दोपहर 2.15 बजे तक बंद रहेगा। इस कारण चुटिया, केतारी बगान, कुसई, डोरंडा पूर्वी भाग, कोकर ग्रामीण और शहरी, टाटीसिलवे, नामकुम, विकास, नेवरी, मेन रोड, खेलगांव, नामकुम ग्रामीण, आरएमसीएच, बरियातू रोड, रिम्स, गाड़ी, दीपा टोली, कांटा टोली, बहूबाजार, लोवाडीह, नेताजी नगर, आजाद बस्ती व आसपास के क्षेत्रों में तीन घंटे बिजली नहीं रहेगी।

गुरुनानक जयंती के अवसर पर ट्रैफिक में रहेगा बदलाव

RANCHI : रांची में गुरूनानक जयंती के अवसर पर 25 नवंबर को ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। 25 नवंबर को समय लगभग एक बजे अपराह्न से आठ बजे अपराह्न तक भव्य नगर कीर्तन जुलूस का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर जुलूस निकलने वाले मार्ग पिस्का मोड़-दुगार्मंदिर चौक-न्यूमार्केट चौक-किशोरी यादव चौक-महावीर मंदिर चौक (अपर बाजार) शहीद चौक-फिरायालाल चौक-सुजाता चौक तक की यातायात व्यवस्था में फेरबदल किया गया है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना, बोले-

जनजाति समाज को मंजूर नहीं होगा सीएनटी एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अरुण उरांव ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। डॉ उरांव ने प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि हेमंत सरकार सोची समझी रणनीति के तहत सीएनटी में संशोधन का प्रस्ताव ला रही है। इनकी मंशा आदिवासी समाज के कल्याण की नहीं है। आदिवासी समाज के किसी सामाजिक धार्मिक संगठन ने सीएनटी एक्ट में संशोधन की बात नहीं उठाई है। आनन-फानन में लाया गया प्रस्ताव जनजाति समाज को मंजूर नहीं होगा।

मीडिया को संबोधित करते डॉ अरुण उरांव व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने लगातार अपने पद और पावर का दुरुपयोग करते हुए गरीब आदिवासियों की जमीन को अपने और अपने परिवार के नाम करवाया है। रांची, रामगढ़, बोकारो से लेकर दुमका तक शिबू सोरेन परिवार ने जमीन लिए हैं, जो सीएनटी एसपीटी का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने इस अवैध जमीन के नियमितीकरण के लिए टीएसी को हथियार बनाया है।

उन्होंने कहा कि टीएसी को हेमंत सरकार ने राज्यपाल की भूमिका हटाकर पहले ही अपने अधिकार में कर लिया है ताकि अपने हिसाब से निर्णय कराया जा सके। उन्होंने कहा कि चार वर्षों के बाद आज सीएनटी में संशोधन की याद आ रही जबकि पूर्ववर्ती रघुवर सरकार के संशोधन पर जमीन आसमान एक करने वाले यही झामुमो कांग्रेस और राजद के लोग शामिल थे। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार यदि परिवर्तन चाहती है तो पहले इस संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच व्यापक विमर्श कराए। सीएनटी मामलों से जुड़े विधि विशेषज्ञों से सलाह ले तभी संशोधन का प्रस्ताव लाए।

उन्होंने कहा कि सीएनटी एक्ट में संशोधन केवल आवास निर्माण के लिए ही दिए जाने तक विचारणीय हो तथा व्यावसायिक उपयोग की छूट नहीं दी जाए। पांच से दस किलोमीटर की सीमा तथा पांच से दस डिसमिल जमीन खरीद का प्रस्ताव ही किया जाना चाहिए।

पत्रकार वार्ता में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के बिंदेश्वर उरांव एवं रोशनी खलखो भी मौजूद रहे।

HC ने जसीडीह रेलवे स्टेशन पर जमीन देने के मामले में सरकार को तीन सप्ताह का दिया समय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में देवघर स्थित जसीडीह रेलवे स्टेशन के दक्षिणी इलाके में एंट्री पॉइंट नंबर दो के लिए जमीन देने का आग्रह करने वाली सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से जवाब दायर नहीं होने पर अतिरिक्त समय देने की मांग की गई, जिस पर कोर्ट ने तीन सप्ताह का समय प्रदान किया। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई।

पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि राज्य सरकार ने पहले जसीडीह स्टेशन के दक्षिणी एंट्री पॉइंट नंबर दो के लिए जमीन देने की बात स्वीकारी थी। अब सरकार की ओर से इस जमीन के लिए 57 करोड़ रुपये की मांग की जा रही है।

याचिकाकर्ता का कहना था कि जसीडीह रेलवे स्टेशन के दक्षिणी इलाके में एंट्री पॉइंट नंबर दो बनने से देवघर में बाबा बैजनाथ धाम में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शिवानी जालूका ने पैरवी की। मामले में अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी।

राजभवन के समक्ष कई संगठनों का तीन दिवसीय महापड़ाव कल से

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ राजभवन के समक्ष 26 से 28 नवंबर तक महापड़ाव रहेगा। यह कार्यक्रम इंटक, एटक, सीटू, ऐक्टू, एचएमएस, यूटक, अखिल भारतीय किसान महासभा, अखिल भारतीय किसान सभा ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है।

मजदूर संगठनों के नेताओं ने शुक्रवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजभवन के समक्ष महापड़ाव के तीनों दिन पूरे राज्य से इन संगठनों के करीब पांच-पांच हजार कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम को कई राष्ट्रीय नेता भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देशव्यापी है। कार्यक्रम को लेकर झारखंड में भी प्रचार कार्यक्रम जोरों से चल रहे हैं। राज्य, प्रमंडल एवं जिला स्तर पर भी मजदूर किसान संगठनों की समन्वय समिति की ओर से कार्यकताओं की बैठक, पर्चा वितरण, पोस्टरिंग, नुक्कड़ सभा, जत्था और पदयात्रा आदि का आयोजन कर सघन जनसंपर्क कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

संवाददाता सम्मेलन में अशोक यादव, संजीव सिन्हा, शुभेंदु सेन, अनिर्बान बोस, प्रतीक मिश्रा, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, बिरेंद्र कुमार, एमएल सिंह मौजूद थे।

सर्जना से शहीद चौक तक हटाया गया अतिक्रमण

PHOTON NEWS RANCHI : नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने शुक्रवार को शाहीद चौक से लेकर सर्जना चौक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान 20 से अधिक दुकानों को सड़क से हटाया गया। वहीं 29 दुकानों को समान अंदर रखने को कहा गया। मौके पर मौजूद निगम कर्मियों ने बताया कि कुछ फुटपाथ और स्थानीय दुकानदारों द्वारा सड़क पर अतिक्रमण कर अपनी दुकान सजायी जा रही है। जिसकी वजह से इस सड़क पर दिनभर ट्रैफिक की समस्या रहती है। लोगों की समस्याओं को देखते हुए हमने ये ड्राइव चलाया है।

अभियान के दौरान निगम कर्मी।

अधिकारियों के जाते ही सज जाता है बाजार

शाहीद चौक से सर्जना चौक तक ट्रैफिक की समस्या सालों से चली आ रही है। पिछले कई सालों से नगर निगम के अधिकारी इस तरह की ड्राइव चलाते आ रहे हैं, लेकिन किसी भी समस्या का समधान नहीं हो पाया है। एक तरफ अधिकारी सड़क से दुकानों को हटवाते हैं, वही उनके जाते ही फिर बाजार सज जाता है। इस समस्या से सभी संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई है। लेकिन स्थानीय नेताओं की वजह से कोई भी अधिकारी ठोस कार्रवाई करने से बचते हैं।

पेड़ से लटका मिला आर्मी जवान का शव हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस ने डोरंडा थाना क्षेत्र के होटल युवराज पैलेस के समीप शुक्रवार को एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटकता बरामद किया है। शव की शिनाख़्त आर्मी के जवान मनोज कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह दीपाटोली कैंट से गुरुवार को छुट्टी लेकर अपने घर उत्तराखंड के लिए निकले थे।

स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि हत्या कर युवक को पेड़ से लटका दिया गया है। शव पर चोट के निशान भी मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद मौके पर पहुंचे और जांच कर पेड़ से शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

बताया गया कि मनोज कुमार सिंह की तैनाती जमशेदपुर के सोनारी में थी। वह डेढ़ महीना पूर्व रांची आए थे और दीपाटोली कैंट में ड्यूटी कर रहे थे। मृतक के पॉकेट की तलाशी लेने पर आर्मी का आई कार्ड बरामद हुआ, आईकार्ड से ही यह पहचान हुई कि मृतक मनोज कुमार सिंह है और वे आर्मी के जवान हैं। पुलिस ने मामले की जानकारी दीपा टोली कैंट स्थित आर्मी कार्यालय को दी।

घटनास्थल पर जांच पड़ताल करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PLFI के एरिया कमांडर ने मांगी दस लाख की लेवी

RANCHI : झारखंड में सक्रिय उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर अमृत होरो ने एसएनजी बिल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एक अधिकारी को फोनकर 10 लाख रुपये की लेवी (रंगदारी) मांगी है। होरो ने रकम न देने पर कार्रवाई करने की धमकी दी है। इस कंपनी का कार्यक्षेत्र रांची का लापुंग थाना क्षेत्र है। कंपनी के साइट मैनेजर अक्षय कुमार ने इस संबंध में थाने में पीएलएफआई के एरिया कमांडर अमृत होरो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस कॉल डिटेल

रांची में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

24 साल सजा काट जेल से बाहर आये व्यक्ति को ऑन द स्पॉट पेंशन योजना का मिला लाभ

PHOTON NEWS RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुक्रवार को शुरूआत हो गयी। पहले दिन रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा जिला के सुदूर लापुंग प्रखंड के डांडी पंचायत में आयोजित शिविर में पहुंचे। लोगों को कार्यक्रम और योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रखंड विकास विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, संबंधित प्रखण्ड कर्मी और ग्रामीण मौजूद थे।

डाड़ी पंचायत में आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधि, उपायुक्त एवं बीडीओ की ओर से लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। कल्याण मंच से सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सोना सोबरन धोती-लुंगी साड़ी योजना,

परिसंपत्तियों का वितरण करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

साइकिल वितरण, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड आदि का वितरण किया गया। उपायुक्त ने लाभुकों से बारी-बारी से बातचीत की।

डाड़ी पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में 24 साल सजा काट जेल से बाहर आये व्यक्ति को ऑन द स्पॉट पेंशन योजना का लाभ मिला। सेमर टोली के रहने वाले झुकी पाहन को उपायुक्त ने मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति पत्र प्रदान किया। उन्होंने लाभुक से बात करते हुए कहा कि अब आप सम्मानजनक जीवन व्यतीत करें।

शिविर में उपायुक्त ने उपस्थित ग्रामीणों को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी और लाभ मिलता है। उपायुक्त ने ग्रामीणों से कहा कि आपकी अपनी मेहनत आपकी सबसे बड़ी पूंजी है, सरकार की ओर से अवसर का पूरा लाभ उठायें। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, अबुआ आवास योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना आदि के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से बताया।

उपायुक्त ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी कैंप में आये सभी लोगों को विभाग से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि लोगों को उनकी भाषा में योजनाओं की बारे में जानकारी दें ताकि योग्य व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए समक्ष हो।

इस दौरान उपायुक्त ने शिविर में लगे स्टॉल का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ने विशेषकर अबुआ आवास योजना के स्टॉल पर आवेदन की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। एक व्यक्ति जमीन का लगान रसीद नहीं कटने की शिकायत लेकर उपायुक्त के पास पहुंचा। ग्रामीण की शिकायत सुनने के बाद उपायुक्त ने भू-राजस्व के स्टॉल पर उपस्थित अंचलकर्मी को फौरन शिकायत का निष्पादन करने को कहा। इस दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त से सीधी बात की।

कई राज्यों में नक्सली गतिविधियों को विस्तार देने की साजिश का खुलासा

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तरप्रदेश एटीएस ने बीते दिनों बलिया में गोपनीय बैठक कर रहे पांच नक्सलियों तारा देवी, लल्लू राम, सत्य प्रकाश, राममूरत और विनोद साहनी को गिरफ्तार किया था। इनके पास बरामद दस्तावेजों से नक्सलियों के बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। बरामद दस्तावेज से यह खुलासा हुआ है कि ये सभी नक्सली केंद्रीय कमेटी के नेताओं के इशारे पर बलिया, आजमगढ़, वाराणसी और चंदौली को केंद्र बना कर यूपी में नक्सली गतिविधियां बढ़ा रहे थे। इसके अलावा यूपी के बलिया, मिजार्पुर, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, चंदौली के अलावा बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के तमाम जिलों में नक्सली गतिविधियों को विस्तार देते हुए भाकपा माओवादी का शासन स्थापित करने की साजिश रची जा रही थी। उनके पास से बरामद डायरी में बीते दिनों एनकाउंटर में मारे गए नक्सलियों के नाम और संगठन को होने वाली फंडिंग का ब्योरा भी मिला था। इस केस को अब एनआईए ने टेकओवर कर जांच शुरू कर दी है।

सांकेतिक तस्वीर

जांच में सामने आया है कि सीपीआई माओवादी नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी के सदस्य प्रमोद मिश्रा (गिरफ्तार) एडहॉक कमेटी बनाई थी। संगठन के सचिव बलिया निवासी संतोष वर्मा उर्फ मंतोष के जरिए लगातार पूर्वांचल के कई जिलों में महिलाओं और पुरुषों की भर्ती की जा रही थी। साथ ही, पूर्वांचल में किसी सरकार विरोधी आंदोलन को चुन कर उसको सशस्त्र आंदोलन में बदलने की साजिश रची जा रही थी। इसके लिए जंगल में हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा था।

गिरफ्तार नक्सली तारा देवी उर्फ मंजू उर्फ मनीषा 18 साल से नक्सली घटनाओं में शामिल रही है। वह नए सक्रिय सदस्यों की भर्ती के लिए नक्सल के एमओ (मास आर्गनाइजेशन) और मुखौटा संगठनों के साथियों के साथ मिल कर काम कर रही थी।

खबरें राउरकेला की

वन संरक्षण के लिए बनी योजना

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ में शुक्रवार को जिला राजस्व बैठक आयोजित की गई। बैठक में करीब 50 जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। प्रतिपूरक वनरोपण के लिए निम्नीकृत वनों की पहचान, उत्परिवर्तन मामलों का निपटान, हाई-टेक सर्वेक्षण आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

नगर निगम ने खाद्य सुरक्षा नियम के तहत किया सात हजार जुमार्ना

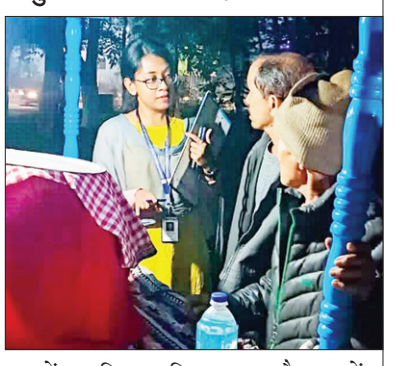

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम द्वारा सेक्टर 6, 7, 8 और 9 में खुदरा, खाद्य वेंडिंग प्रतिष्ठानों और फास्ट फूड इकाइयों पर प्रवर्तन अभियान चलाया गया। ऑपरेशन के दौरान लगभग 10 किलोग्राम बासी और समाप्त हो चुकी खाद्य वस्तुओं का निपटान किया गया। गैर-लाइसेंस प्राप्त इकाइयों को नोटिस दिए गए, और आगे के विश्लेषण के लिए नमूने एकत्र किए गए। कुल मिलाकर धारा 69 के तहत 7000/- का जुमार्ना लगाया गया।

बच्चों को बेहतर शिक्षण सुविधाएं देने की कवायद शुरू

ROURKELA : राउरकेला स्मार्ट सिटी लिमिटेड और राउरकेला

मेट्रोपॉलिटन कॉर्पोरेशन 'नर्चरिंग नेबरहुड चैलेंज' अभियान के तहत राउरकेला शहर में बच्चों के अनुकूल माहौल बना रहे हैं। इस संबंध में आज एक कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बच्चों के अनुकूल सड़कों, सार्वजनिक स्थानों, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों को विकसित करके राउरकेला को बच्चों के लिए एक खुशहाल और उपयोगी शहर बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

संबलपुर से उत्तरकाशी भेजी गई ड्रिलिंग मशीन

SAMBALPUR : उत्तरकाशी सुरंग ढहने की घटना में बचाव कार्यों में सहायता के लिए ओडिशा के सम्बलपुर जिला के हीराकुंड से ऑगर ड्रिलिंग मशीन भेजी गई। ध्वस्त सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान 13वें दिन में प्रवेश कर गया है। बचाव अभियान में मलबे और चट्टानों से चुनौती आ रही है, जिन्हें भेदना बचाव टीमों के लिए मुश्किल हो रहा है। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए, बचाव अभियान को मजबूत करने के लिए संबलपुर के हीराकुंड बांध से एक विशेष ऑगर मशीन को ढहने वाली जगह पर ड्रिलिंग के लिए भेजा गया है।

सुंदरगढ़ में जिला स्तरीय मतस्य एवं प्राणिसंपद मेला-2023 का समापन

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय जिला व्यापी मछली एवं पशु मेले का समापन हुआ। मेले में मत्स्य एवं प्राणिसंपद मेला विकास विभाग, कृषि एवं उद्यान विभाग तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा 45 से अधिक स्टालों पर विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया था। मेले के दूसरे दिन जिलापाल डॉ. पराग गाभली, सुंदरगढ़ बनखंड अधिकारी प्रदीप मिरासे, अतिरिक्त जिलापाल रवि नारायण साहू, जिला मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. बसंत कुमार धल, जिला मत्स्य पदाधिकारी अरुण साहू और विभिन्न विभागीय अधिकारी मेले में शामिल हुए और स्टालों का दौरा किया और किसानों और उद्यमियों से बातचीत की। उन्होंने चर्चा के दौरान विभिन्न बिजनेस मॉडल, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उत्पादों के लिए ऋण सुविधाओं और उपलब्ध बाजारों आदि के बारे में जानकारी ली। आज के समापन समारोह में जिला कलक्टर गाभली जनता को संबोधित करते हुए कृषि और संबद्ध गतिविधियों को व्यवसाय के रूप में करने पर जोर दिया। किसान अक्सर लाभ कमाने के प्रति अनिच्छुक होते हैं और लाभदायक मानसिकता अपनाकर इसमें सुधार किया जा सकता है। यह तभी संभव है जब कृषि और उससे जुड़ी अन्य गतिविधियों को सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि एक व्यवसाय माना जाए। उन्होंने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उनके उचित उपयोग पर जोर दिया। लहुणीपाड़ा ब्लॉक के सांखपोस के सफल उद्यमी भरत चंद्र महंत, जिन्होंने मछली पालन नेटवर्क स्थापित किया है, टांगेरपाली ब्लॉक के उजलपुर की संज्ञासिनी पटेल, जिन्होंने मछली तालाब योजना के तहत मछली पालन किया है, लेफ्रीपाड़ा ब्लॉक के संतोष बोहिधर, जो सुअर और उसे बडगांव में स्नेहा पोल्ट्री फार्म को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे विभिन्न फसलों के लिए किसानों एवं विशेषज्ञों के बीच चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न किसानों, उद्यमियों, स्वयं सहायता महिला समूहों आदि ने भाग लिया।

बिहार के इस प्राइमरी स्कूल में 11 बच्चों पर 4 शिक्षक

500 ग्राम चावल से बन जाता है मिड डे मील, क्या केके पाठक लेंगे एक्शन?

पटना : पहली कक्षा में मात्र तीन बच्चे हैं नामांकित छह कमरों का बना है स्कूल दो मंजिला भवन दो रसोई भी है तैनात । कहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षकों स्कूल भवन व अन्य संसाधनों की आज भी घोर कमी है, वही बछवाड़ा प्रखंड में एक ऐसा स्कूल जहां पहली से पांचवी कक्षा में नामांकित बच्चों की संख्या मात्र 11 है और संसाधनों की भरमार। बिशनपुर पंचायत के प्राइमरी स्कूल रानी टोल दियारा कि हम बात कर रहे हैं। इस विद्यालय में 11 बच्चों को पढ़ाने के लिए चार

शिक्षक तैनात किए गए हैं, वहीं इन बच्चों के लिए छह कमरों का दो मंजिला स्कूल भवन भी बना है। यहां पहली कक्षा में तीन, दूसरी कक्षा में तीन, तीसरी कक्षा में दो, चौथी कक्षा में दो व पांचवी कक्षा में एक बच्चे नामांकित हैं।

बच्चों को मिड डे मील खिलाने के लिए यहां दो - दो रसोईया भी तैनात बच्चों को मिड डे मील खिलाने के लिए यहां दो - दो रसोईया भी तैनात किए गए हैं। नामांकित बच्चों में से प्रतिदिन विद्यालय आने वाले बच्चों की संख्या औसतन पांच रहती है। लिहाजा इस विद्यालय में महज 500 ग्राम चावल से ही छात्रों का मिड डे मील बन जाता है। सूबे में शायद ही ऐसा कोई विद्यालय होगा जहां एक शिक्षक के हिस्से में तीन से भी कम बच्चे हों। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक दशरथ चौधरी ने बताया कि बिशनपुर पंचायत में इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 2006 में की गई थी। उस समय यहां बरौनी टोल दियारे नाम की बस्ती थी। कालांतर में गंगा की कटाव के कारण धीरे-धीरे इस जगह से पूरे गांव के लोग लगभग पलायन कर चुके हैं। वर्तमान में विद्यालय के इर्द-गिर्द मात्र पांच - छह डेरे रह गए हैं। स्कूल से आस-पास की बस्तियों की दूरी 2 से 3 किलोमीटर दूर है। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस विद्यालय को अन्य विद्यालयों में मर्ज करने के संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया है किंतु हाल में इस विद्यालय में बीपीएससी से चयनित दो और शिक्षकों की तैनाती कर दी गई है। जिससे उपस्थित बच्चों से अधिक स्कूल में शिक्षक व रसोइयों की संख्या हो गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने बच्चों को पास के विद्यालय में ही नामांकन करवा कर पढ़ा रहे हैं। इधर बीईओ निर्मला कुमारी ने बताया कि इस विद्यालय में बच्चों के कम संख्या को देखते हुए पास के विद्यालय में मर्ज करवाने की अनुशंसा वरीय अधिकारी के यहां की गई है।

संक्षिप्त डायरी

शिक्षक भर्ती परीक्षा का शिड्यूल जारी, सात से 16 दिसंबर तक होगा एग्जाम

भागलपुर। शिक्षक भर्ती परीक्षा में सभी विषयों के लिए 150 अंको की परीक्षा होगी. जिसमें 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती के दूसरे चरण में ली जाने वाली परीक्षा का शिड्यूल जारी कर दिया गया है। आयोग इस बार 7 दिसंबर से 16 दिसंबर तक परीक्षा लेगी। इस बार परीक्षा एक ही शिफ्ट में ली जाएगी। दोपहर 12 बजे से ढाई बजे तक परीक्षा होगी। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी बीपीएससी के सचिव रविभूषण के अनुसार शिक्षक भर्ती के दूसरे फेज की परीक्षा परीक्षा 7, 8, 9, 10, 14, 15 एवं 16 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। सभी विषयों के लिए 150 अंको की परीक्षा होगी. जिसमें 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। इसमें भाषा, सामान्य ज्ञान और संबंधित विषय से प्रश्न शामिल होंगे। ओएमआर शीट में बदलाव किए गए आयोग के अनुसार शिक्षक भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण में ओएमआर शीट में बदलाव किए गए हैं। इस बार रौल नंबर अंक में लिखने का ऑप्शन हटा दिया गया है। इसके साथ ही विषय लिखने के लिए अलग से कॉलम नहीं दिया जाएगा। रौल नंबर और विषय के लिए सिर्फ गोला भरना होगा। बीपीएससी का तर्क है कि पहले चरण में अभ्यर्थियों ने रौल नंबर और विषय का चयन करने में काफी गलती की थी। इसलिए इस बार ऐसी व्यवस्था की गई है।

पुलिस ईमानदारी से करें अपने कर्तव्यों का निर्वहन

पटना : डीजीपी ने कहा कि आपको तीन बातों पर विशेष ध्यान देना है न्याय, लोगों में सुरक्षा की भावना और हमेशा जनसेवा के भाव से काम करना। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस पदाधिकारी की कमी को आज कुछ हद तक कम किया गया है।बिहार पुलिस अकादमी में शुक्रवार को प्रशिक्षु डीएसपी के 65वीं बैच के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के डीजीपी आईएस भट्टी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा पुलिस की बुनियाद है। अगर ये नहीं है तो बाकी सारी चीजे बेमानी है। बिहार के डीजीपी ने कहा कि आप कानून के रखवाले हैं और आम नागरिक के लिए अप्रक्षक है उसके लिए सबसे पहले जो आपकी सत्य निष्ठा है। वह उच्चतम स्तर की होनी चाहिए। इसके बाद अनुशासन जैसे आपने परेड के माध्यम से या प्रशिक्षण में सीखा होगा। उसके बाद मेहनत आती है। पुलिस की लगातार 24 घंटे की नौकरी है। आप में वह क्षमता होनी चाहिए कि आप कठिन परिश्रम कर सके। इसके साथ-साथ यह सब करने के लिए बुनियाद है कि आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना है।उन्होंने कहा कि आपको तीन बातों पर विशेष ध्यान देना है न्याय, आप न्याय के प्रतीक है। दूसरा लोगों में सुरक्षा की भावना और उसको मजबूत करना यह हमारी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही तीसरी जिम्मेदारी हमेशा जनसेवा के भाव से काम करना है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में पुलिस पदाधिकारी की कमी को आज कुछ हद तक कम किया गया है। गौरतलब है, पासिंग आउट परेड में कुल 57 ट्रेनी डीएसपी पास आउट हुए इनमें 22 महिला पुलिस उपाधीक्षक भी शामिल है। ट्रेनिंग के दौरान प्रशिक्षु डीएसपी को घुड़सवारी, आईपीसी एक्ट, तैराकी समेत अन्य कर्तव्यों के निर्वहन को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है।

सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली जाने पर भाजपा के सांसद बोले- मैं भी डॉक्टर हूं

बिहार : लालू जी और नीतीश जी यह मानकर चल रहे थे कि डिफेंस कॉलोनी में कोई यह नहीं मान रहा था कि डेढ़ सौ करोड़ का मकान साढ़े चार लाख में कैसे मिल गया। आज जब अमित जेल में है तो लालू और नीतीश जी तबीयत खराब हो गई है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने एक बार फिर से महागठबंधन सरकार पर निशाना साधा है। सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे पर उन्होंने कहा जिस तरह से हालात बने हैं। साढ़े चार लाख रुपये में डिफेंस कॉलोनी में मकान दिया, वह जेल हैं। लालू जी और नीतीश जी यह मानकर चल रहे थे कि डिफेंस कॉलोनी में कोई यह नहीं मान रहा था कि डेढ़ सौ करोड़ का मकान साढ़े चार लाख में कैसे मिल गया। आज जब अमित जेल में है तो लालू जी और नीतीश जी तबीयत खराब हो गई है। नीतीश कुमार जी इलाज से बाहर जा चुके हैं।

सपने को दिन में कहने की बीमारी हो गई संजय जायसवाल ने कहा कि मैं भी पेशे से डॉक्टर ही हूं, जिस तरह उनके बोलने की बीमारी और रात में देखे हुए सपने को दिन में कहने की बीमारी हो गई, उसका कोई इलाज नहीं है। विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर कहा कि एनके सिंह ने जदयू के सांसद थे और 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन थे। क्यों नहीं उन्होंने 14वें आयोग की रिपोर्ट को बदला। एनके सिंह चाहते तो विशेष राज्य का दर्जा मिल सकता था। नीतीश कुमार के हाथी के दांत हैं। एनके सिंह नीतीश कुमार की पैरवी के कारण ही 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन बने थे। इसके बावजूद भी नीतीश कुमार ने विशेष राज्य का दर्जा नहीं लिया तो यह उनका चुनावी शगूफा है।

दिल्ली और कोलकाता से पटना आ रही फ्लाइट नहीं हो पाई लैंड

पटना: एयरपोर्ट पर आ रहे दिल्ली और कोलकाता की फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया है। कोहने के कारण पायलट को रनवे नहीं दिखा। इस कारण इसे डायवर्ट कर दिया गया। पहली जो फ्लाइट डायवर्ट की गई है, वह दिल्ली से आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ए2103) है। वहीं दूसरी फ्लाइट 6ए713 कोलकाता से आ रही थी, इसे रायपुर के लिए डायवर्ट कर दिया गया। एक्सपर्ट का कहना है कि पटना एयरपोर्ट और इसके आसपास इलाकों में कोहरे की घनी चादर बिछी हुई थी। इस कारण विजिबिलिटी कम थी। एक दिन पहले भी पटना एयरपोर्ट पर आने वाली फ्लाइट कोहरे की वजह से प्रभावित हुई। इतना ही नहीं गुरुवार को तीन विमानों को अचानक डायवर्ट करना पड़ा था। दृश्यता एक हजार मीटर के नीचे आने से विमानों को रनवे पर उतरने में परेशानी हुई। इसके बाद एटीसी से संकेत पाकर चंडीगढ़ी और दिल्ली से सुबह में आने वाले दो फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया।

लखीसराय ट्रिपल मर्डर केस में राजनीति की इंट्री

लखीसराय : विजय सिन्हा कहा नरसंहार में एक गरीब परिवार को अब तक न मुआवजा मिला और न ही नौकरी का आश्वासन। पीड़ित परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। अगर मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा। एक सप्ताह के अंदर मुआवजा नहीं मिला तो एक नया जन आंदोलन शुरू होगा। लखीसराय में ट्रिपल मर्डर केस में अब राजनीति की इंट्री हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने जदयू और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह पर निशाना साधा है। विजय सिन्हा ने महागठबंधन के नेताओं के साथ अपराधी की तस्वीर शेयर की। एक भी बालू के कारोबार से मेरा या मेरे परिवार का संबंध बताएं नहीं तो माफी मांगे। यह फोटो स्पष्ट बताता है कि अपराधी को बचाने के लिए जदयू के नेता खेल खेल रहे हैं। अब फोटो जो वायरल हो रहा है कि उसमें जदयू के नेता साफ दिख रहा है। फोटो की कहानी से आपलोग लोगों को मत भटकाइए। उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू के आका आरोपी को बचा रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि मुझपर बालू के साइट चलाने का आरोप लगा है। सांसद ललन बाबू आपके जदयू के जो नेता हैं, वह मेरे और मेरे परिवार के बालू कारोबार से जुड़े होने का प्रमाण दे देंगे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। लखीसराय में ऐसा नरसंहार पहली बार नहीं हुआ है। ऐसा पहले भी हुआ है, वह भी बालू कारोबार के कारण। आप उच्चस्तरीय जांच करवाइए। आप भयभीत क्यों हो रहे हैं। आप सीबीआई से जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं। पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही। जो आका कहेगा वही गुलाम करेगा वाली स्थिति है। इतने दिन बाद भी अब तक मास्टरमाइंड नहीं पकड़ाया है। लखीसराय में बालू के कारण नरसंहार हुआ था। उस समय लालू जी की सरकार थी। उस सरकार ने पीड़ित परिवार को मुआवजा ही नहीं नौकरी भी दिया था। लेकिन, इस नरसंहार में एक गरीब परिवार को अब तक न मुआवजा मिला और न ही नौकरी का आश्वासन। पीड़ित परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। अगर मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा। एक सप्ताह के अंदर मुआवजा नहीं मिला तो एक नया जनआंदोलन शुरू होगा। विजय सिन्हा कहा कि इस दिलदहला देने वाले हत्याकांड में तीन लोगों की मौत हुई है और तीन PMCH में भर्ती हैं। दो लोगों के शरीर से गोली नहीं निकाली जा सकी है। इस मामले में पहले भी पीड़ित परिवार ने छेड़खानी, मारपीट की शिकायत की थी।लेकिन, पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अगर, पुलिस ने करवाई की होती तो घटना नहीं होती। पुलिस ने घटना को प्रेम प्रसंग से जोड़ दिया। जबकि मामला जमीनी विवाद का है।

मास्टर साहब... बिहार में जरा बचकर; शिक्षक नियुक्ति के साथ अब वर्तनी-अशुद्धि के फेर में भी निलंबन

बिहार : ब्लैक बोर्ड पर स्कूल व समिति शब्द गलत लिखा देख कर नाराजगी व्यक्त कर डीईओ से तत्काल शिक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया। दरभंगा जिले के सिंहवारा थाना क्षेत्र में माध्यमिक शिक्षा बिहार के निदेशक डॉ कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने सिंहवारा प्रखंड के पांच विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक ने प्लस टू कन्या उच्च विद्यालय रामपुरा में वर्ग कक्ष के गेट पर व्यायाम अशुद्ध लिखा देख निदेशक ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान में इस तरह गलत लिखावट क्या दशार्ता है। प्रधानाध्यापक देवनाथ प्रसाद से अविलंब ठीक करवाने का निर्देश दिया। उसी स्कूल में एक शिक्षक पवन कुमार चौधरी उर्फ श्रीजी द्वारा ब्लैक बोर्ड पर (स्कूल,परिसर और समिती) शब्द गलत लिखा हुआ देखकर उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को तत्काल उक्त शिक्षक को निलंबित करने का आदेश दिया है। स्कूल की प्रिंसिपल रेखा कुमारी भारतीं पर भी नाराजगी जताई है। **शिक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया**

कन्या मध्य विद्यालय रामपुरा में प्रिंसपल से उपस्थित शिक्षकों की जानकारी ली। एचएम ने 11 शिक्षक में चार के उपस्थित रहने की बात बताई जबकि सात शिक्षक अनुपस्थित थे। इस दौरान लंबे समय से अन्य जगह प्रतिनियोजित एक शिक्षक पर कार्रवाई को लेकर एचएम को फटकार लगाते हुए डीईओ समर बहादुर सिंह से कहा कि ऐसी परिस्थिति में सुधार लावें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक वातावरण में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निदेशक ने वर्ग छठा में ब्लैक बोर्ड पर बच्चों को पढा रहे शिक्षक पवन कुमार चौधरी उर्फ श्रीजी ब्लैक बोर्ड पर छात्र को पढा रहे थे। इसमें बोर्ड पर स्कूल व समिति शब्द गलत लिखा देख कर नाराजगी व्यक्त कर डीईओ से तत्काल शिक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा अगर शिक्षक ही अशुद्ध लिखेगा तो छात्र पर इसका क्या प्रभाव पडेगा। अधिकारी की टीम सिमरी उच्च विद्यालय पहुंचकर स्मार्ट क्लास में पढ़ाई नहीं होता देखकर एचएम तौहीद अहमद से सवाल किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के कारण स्मार्ट क्लास में पढ़ाई नहीं हो रही है। निदेशक ने एचएम को फटकार लगाई। कहा परीक्षा में पठन-पाठन बाधित करना व्यवस्था पर सवालिया निशान है। विद्यालय के प्रांगण मे यत्र-तत्र कचरा फेंके रहने के कारण एचएम पर नाराजगी व्यक्त कर कि साफ सफाई पर ध्यान नही दिया जाना। आपके लापरवाही को दशार्ता है। कार्यालय कक्ष में लिपिक राम पवित्र सिंह से अभिलेख व संचिका का गहन अवलोकन की मांग पर लिपिक ने कहा सब कुछ एचएम अपने पास रखते हैं। कई प्रकार की विसंगतियां देखकर लिपिक को कड़ी फटकार लगाकर कहा हम सब समझते हैं। 13 वर्षो से एक ही जगह पर ड्यूटि के बाद अभिलेख व संचिका अपडेट नहीं रहना विफलता को दशार्ता है। निदेशक ने डीईओ से कहा कि एक ही जगह पर लंबे समय से पदस्थापित रहने वाले शिक्षकों अविलंब दुसरे स्थान पर स्थानांतरण करें।कम्प्यूटर क्लास मे एचएम से कहा की वर्तमान समय मे आधुनिक व तकनिकी ज्ञान काफी आवश्यक है। कम्प्यूटर शिक्षक अपने दायित्व के छात्रों को दक्ष बनावें।

जबरन मांग में सिंदूर भरना. हिंदू शादी पर पटना HC की अहम टिप्पणी

पटना: पटना हाई कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि किसी महिला के माथे पर जबरदस्ती सिंदूर लगाना हिंदू कानून के तहत विवाह नहीं है। एक हिंदू विवाह तब तक वैध नहीं है जब तक वह स्वैच्छिक न हो और 'सप्तपदी' (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर फेरे लेने) की रस्म के साथ न हो। न्यायाधीश पीबी बजंथ्री ऐवं न्यायाधीश अरुण कुमार झा ने अपीलकर्ता रविकांत की याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त फैसला सुनाया। खंडपीठ ने पाया कि अपीलकर्ता रविकांत जो उस समय सेना में एक सिग्नलमैन था, उसे बंदूक की नोक पर 10 साल पहले बिहार के लखीसराय जिले में अपहरण कर लिया गया था और प्रतिवादी दुल्हन के माथे पर सिंदूर लगाने के लिए मजबूर किया गया था। खंडपीठ ने कहा कि प्रतिवादी दुल्हन यह साबित करने में विफल रही कि सप्तपदी का मौलिक अनुष्ठान ₹कभी पूरा हुआ था और इस तरह, कथित विवाह कानून की नजर में अमान्य है₹। कोर्ट ने ₹जबरन₹ विवाह को यह देखते हुए रद्द कर दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम के प्रविधानों के अवलोकन से, यह स्पष्ट है कि विवाह तब पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है जब पवित्र अग्नि के चारों ओर दूल्हा और दुल्हन फेरा लेते हैं।

इसके विपरीत, यदि "सप्तपदी" नहीं है तो शादी पूरी नहीं मानी जाएगी। अपीलकर्ता को उसके चाचा के साथ 30 जून 2013 को बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था, जब वे लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में प्रार्थना करने गए थे। इसके बाद उसे उसी दिन प्रतिवादी लड़की को सिन्दूर लगाने के लिए मजबूर किया गया। रवि के चाचा ने जिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, जिन्होंने कथित तौर पर उनकी सुनवाई नहीं की। इसके बाद, अपीलकर्ता द्वारा लखीसराय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष एक आपराधिक शिकायत दायर की गई। रवि ने अपनी जबरन शादी को रद्द करने के लिए फैमिली कोर्ट में मामला भी दायर किया, जिसने 27 जनवरी, 2020 को उसकी याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश बजनथ्री ने कहा कि पारिवारिक अदालत के निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण थे और उन्होंने इस तथ्य पर आश्चर्य व्यक्त किया कि न तो प्रतिवादी दुल्हन की ओर से मौखिक साक्ष्य देने वाले पुजारी को ₹सप्तपदी₹ के बारे में कोई जानकारी थी और न ही वह उस स्थान के बारे में बताने में सक्षम थे जहां दुल्हन के संस्कार किए गए थे और कथित विवाह संपन्न कराया गया।

कार्तिक पूर्णिमा को पंचनद में एक लाख श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने की संभावना

26 नवंबर की शाम महाआरती के बाद 27 को बृह्ममुहूर्त से स्नान प्रारंभ

औरैया, । बुंदेलखंड के विख्यात जनपद जालौन, औरैया और इटावा की सीमा पर स्थित पांच नदियों यमुना-चंबल, सिंध, पहूज और क्वांरी के पवित्र महा संगम पंचनद धाम संगम पर स्नान पर्व एवं मेला 27 नवंबर से शुभारंभ होगा। इससे पूर्व 26 नवंबर की शाम यमुना महाआरती का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पंचनद संगम तट पर वैदिक कालीन आश्रम एवं श्री मुकुंदबन बाबा साहब मंदिर के महंत सुमेरबन ने मंगलवार को बताया कि पंचनद संगम में कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। इस तिथि पर वैदिक काल से ही ऋषि, राजा, महाराजा एवं लाखों श्रद्धालु पंचनद के पवित्र जल में स्नान करके अपने जीवन को धन्य करते रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि पंचनद पर कार्तिक पूर्णिमा को स्नान करने से मनुष्य को जरा अवस्था (वृद्धावस्था) से होने वाले कष्टों से मुक्ति मिलती है एवं प्राणी मात्र को जन्म मृत्यु के चक्कर से भी मुक्ति मिल जाती है। इस वर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा का शुभारंभ 26 नवंबर की शाम 06.15 बजे से हो रहा है, जो दूसरे दिन 27 नवंबर सोमवार को अपराह्न 2:17 बजे तक रहेगी। अतः पंचनद पर पूर्णिमा को होने वाली यमुना महाआरती 26 नवंबर शाम 6:00 बजे होगी तदोपरांत 27 नवंबर सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः

3:00 बजे से स्नान प्रारंभ हो जाएगा। सोमवार पूर्णिमा को होने वाला स्नान दोपहर के उपरांत अपराह्न 2:17 बजे तक चलता रहेगा। इसके बाद होने वाला स्नान सामान्य पंचनद स्नान संगम होता रहेगा।

गोलोकवासी जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी के कृपा पात्र एवं दंडी आश्रम कानपुर के महंत/प्रबंधक स्वामी उदितानंद जी महाराज ने बताया कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को पूरे भारत में सनातन धर्मावलम्बी दिन में व्रत रखकर पूजा पाठ करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का विधान है।

उसमें पंचनद संगम में स्नान करने से समूल पापों का क्षय होता है एवं अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान और दान करने से पुण्य मिलता है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर पंचनद संगम में यमुना जी के जल में स्नान का बहुत अधिक महत्व है। उदितानंद जी के अनुसार इस बार कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि 26 नवंबर रविवार को दोपहर 03 बजकर 53 मिनट से प्रारंभ हो जाएगी। इस तिथि का समापन 27 नवंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 02 बजकर 45 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर सोमवार को होगी। इस दिन कार्तिक पूर्णिमा का व्रत और स्नान होगा तथा 27 नवंबर को ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 03 बजे से ही कार्तिक पूर्णिमा का स्नान और दान प्रारंभ हो जाएगा। उस दिन ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 3.05 बजे से सुबह 05 बजकर 59 मिनट तक है। ब्रह्म मुहूर्त से दिन भर कार्तिक पूर्णिमा का स्नान-दान चलेगा। कार्तिक पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त या अभिजित मुहूर्त सुबह 11:47 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक है।

संक्षिप्त डायरी

एसपी,एएसपी ने बेरिया घाट का किया निरीक्षण

संवाददाता

हरदोई। पुलिस अधीक्षक के सी गोस्वामी व अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र सिंह द्वारा कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के चलते थाना मल्लावां क्षेत्रांतर्गत बेरिया घाट का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक के सी गोस्वामी व अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र सिंह द्वारा कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के चलते थाना मल्लावां क्षेत्रांतर्गत बेरिया घाट का निरीक्षण किया और सुरक्षा के सभी मापदंडों का जायजा लिया गया व संबंधित को उचित व्यवस्था बनाए रखने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

नायब तहसीलदार से रेप और जान से मारने के प्रयास में नायब तहसीलदार सस्पेंड, गिरफ़्तारी वारंट भी हुआ जारी

संवाददाता

बस्ती, । जनपद के सदर तहसील में तैनात महिला नायब तहसीलदार से हुई रेप और जान से मारने की कोशिश मामले को लेकर शासन ने आरोपी नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला को सस्पेंड करते हुए मंडलायुक्त कानपुर कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। घटना की जांच आयुक्त लखनऊ मंडल को दी गई है। साथ ही आज कोर्ट ने नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ला के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया। इस घटना को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर 6 टीम गठित कर किया गया है।घटना में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, सोमवार को डीएम ने शासन को एक रिपोर्ट भेजी है। इसमें कहा गया है कि नायब तहसीलदार और राजस्व अधिकारी की फ्रेंडशिप थी। यही नहीं, दोनों की वॉट्सऐप पर चैटिंग भी होती थी। घटना वाली रात को एक अनजान व्यक्ति तहसीलदार के घर पर मौजूद था। इसी दौरान पीछे के दरवाजे से आरोपी अफसर उनके घर में घुसा था। पूछताछ में राजस्व अधिकारी ने बताया कि महिला अफसर के घर में झगड़ा हो रहा था। मैं उनकी मदद करने के लिए गया था। उधर, मंगलवार को शासन को आरोपी राजस्व अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। वहीं आरोपी नायब तहसीलदार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया है। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया है कि इन्हें गिरफ्तार करके कोर्ट के समक्ष पेश करें। महिला अफसर सदर तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हैं। 25 साल की अनमैरिड महिला अफसर ने 17 नवंबर को आरोप लगाया था कि राजस्व अधिकारी ने उनके सरकारी आवास में घुसकर उनका रेप करने की कोशिश की। नाकाम होने पर उन्हें जमीन पर गिराकर पीटा गया। विरोध करने पर उनके कपड़े फाड़े गए। महिला अफसर किसी तरह भागकर तख्त के नीचे छिपीं, तो उन्हें वहां से भी घसीट लिया। इसके बाद उनकी गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की गई। किसी तरह जान बचाकर महिला अफसर बाहर भागीं। इसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया। पुलिस ने महिला नायब तहसीलदार का मेडिकल कराने के बाद आरोपी अधिकारी पर केस दर्ज कर लिया था।

सपा नेता के बेटे समेत दो गिरफ्तार

लखनऊ, । पुलिस मुख्यालय में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव के इकलौते बेटे की मंगलवार की सुबह मार्ग दुर्घटना में मौत हो गई थी। घटना के बाद चार पहिया वाहन चालक फरार हो गए थे। कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने वाहन चालक और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की जाएगी। डीसीपी पूर्वी ने जानकारी देते हुए बताया कि एडिशनल एसपी श्वेता श्रीवास्तव के बेटे नैमिश श्रीवास्तव (12) को कुचलने वाले कार चालक सार्थक सिंह और उसके साथी देवश्री वर्मा को कुछ ही घंटे के भीतर हमारी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इंदिरानगर का रहने वाले सार्थक के पिता रविन्द्र सिंह उर्फ पप्पू बाराबंकी रामनगर से सपा से पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहे हैं। सार्थक एमिटी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रहा है। पुलिस ने कार को बरामद कर लिया है। पुलिस मामले को लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

शामली कलेक्ट्रेट में विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी डंडी दिखाकर सांसद ने किया रवाना

शामली। जनपद की कलेक्ट्रेट में आज जिलाधिकारी और कैराना सांसद ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। जहां उन्होंने कहा कि यह यात्रा जन-जन तक भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का है। और यह आने वाली 26 जनवरी तक यात्रा जारी रहेगी। आपको बता दें कि मामला जनपद की कलेक्ट्रेट का है जहां पर आज जिलाधिकारी रविंद्र सिंह और करना सांसद प्रदीप चौधरी के नेतृत्व में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पर सांसद प्रदीप चौधरी ने अपने कर्तव्य का निर्वाह करने के हेतु सभी को शपथ दिलाई। उसके बाद से जिलाधिकारी और प्रदीप चौधरी सांसद द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा में अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया। इस मामले में बीजेपी कैराना लोक सभा सांसद प्रदीप चौधरी का कहना है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का आज शुभारंभ किया गया। जिसको हरी झंडी दिखाकर जनपद शामली और सहारनपुर की कैराना लोकसभा सीट के प्रत्येक गांव तक संकल्प यात्रा की रैली जायेगी। केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जन जन तक उसे पहुंचने का काम करेगी। और कल्याणकारी योजनाओं को विकसित करने और देश को अग्रसर करने के लिए आम जनमानस का कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी होना जरूरी है।

560 ग्राम पंचायतों में स्थापित होगी कचरा निस्तारण इकाई

सुल्तानपुर, । जिले की 560 ग्राम पंचायतों में कचरा निस्तारण इकाई की स्थापना होगी। कचरा निस्तारण इकाई की स्थापना कराकर गांवों को स्वच्छ बनाया जाएगा। शासन ने निर्माण के लिए धनराशि जारी कर दी है। धनराशि मिलने के बाद विभाग ने ग्राम पंचायतों को कार्य पूरा कराने का निर्देश दे दिया है। ग्राम पंचायतों को सूखा व गीला कचरा से मुक्त करके स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता मिशन के तहत करीब दो साल पहले से काम शुरू कराया गया है। इसके लिए शासन ने चरणवार प्रस्ताव मांगा था। पहले चरण में करीब दो साल पहले शासन ने 45 ग्राम पंचायतों में कचरा निस्तारण इकाई की स्थापना के लिए धनराशि जारी की थी।

इसके बाद दूसरे चरण के लिए फिर प्रस्ताव मांगा था।

जिले से दूसरे चरण में 560 ग्राम पंचायतों का प्रस्ताव पंचायतराज विभाग की ओर से भेजा गया था। प्रस्ताव पर शासन ने 560 ग्राम पंचायतों में सूखा व गीला कचरा निस्तारण इकाई की स्थापना के लिए धनराशि जारी कर दी है।

शासन ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को पांच से सात लाख रुपये की राशि जारी करते हुए कुछ कार्य केंद्रीय व राज्य वित्त की धनराशि से कराने का निर्देश दिया है। शासन से धनराशि जारी होने के बाद पंचायतराज विभाग ने ग्राम पंचायतों को कार्य शुरू करवाते हुए जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है।स्वच्छता मिशन के जिला समन्वयक अभिषेक सिंह के मुताबिक कुछ ग्राम पंचायतों में धनराशि पहले आ गई थी। ऐसी ग्राम पंचायतों में काम शुरू करा दिया गया है। शेष ग्राम पंचायतों को जल्द कार्य शुरू कराने का निर्देश डीपीआरओ की ओर से दिया गया है।

जिला पंचायतराज अधिकारी अभिषेक शुक्ल ने बताया कि दूसरे चरण में भेजे गए प्रस्ताव पर शासन से 560 ग्राम पंचायतों को धनराशि मिल चुकी है। कचरा निस्तारण इकाई की स्थापना करवाकर ग्राम पंचायतों को स्वच्छ बनाया जाएगा। कचरे को एकत्र करने के लिए ग्राम पंचायतों में ठेला व ई-रिक्शा का प्रबंध कराया जा रहा है।

राखी सावंत की बढ़ी मुश्किलें, पीएम मोदी पर किए आपत्तिजनक कमेंट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

मेरठ। फिल्म अभिनेत्री राखी सावंत आए दिन अपनी अजीब हरकतों और अपने दिए बयानों के चलते चर्चा में बनी रहती हैं। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में फिल्म अभिनेत्री राखी सावंत बुरी तरह से फंस गई है। जहा एक व्यक्ति द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस के खिलाफ शिकायत करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है। आपको बता दें कि बुधवार को जनपद मेरठ के खरखौदा थाना क्षेत्र गोविंदपुर शकरपुर महल वाला गांव के रहने वाले हरेंद्र पुत्र मानसिंह ने बॉलीवुड

एक्ट्रेस राखी सावंत का एक वीडियो पुलिस को देकर आरोप लगाया है कि वीडियो के माध्यम से बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आबाद टिप्पणी करते हुए उनका अपमान किया गया है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर मेरठ पुलिस द्वारा सौपी गई वीडियो की साइबर टीम से जांच कराई गई है, जिसमें वीडियो सही होना पाया गया है। वायरल हो रहे तकरीबन 20 सेकंड की इस वीडियो में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस राखी सावंत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अपनी टिप्पणी कर रही है। राखी सावंत ने वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को इंगित करते हुए कहा है कि मोदी जी आप मुझे अपनी योगा टीचर रख लो। मैं आपको अच्छे से योग सिखाऊंगी। पेट कैसे अंदर करना है? यह बात कहते हुए राखी सावंत वायरल हो रहे वीडियो में शारीरिक व्यायाम करते हुए दिखाई दे रही है।

मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत के डीएम समेत यूपी के 10 कमिश्नर-7 डीएम पर योगी सख्त, डेढ़ दर्जन अफसर निकले फिसड्डी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर राजस्व वादों के निस्तारण में लेटलतीफी, लापरवाही, अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। अक्टूबर माह में राजस्व वादों के खराब निस्तारण पर प्रदेश के दस मंडलायुक्त और सात जिलाधिकारियों से मुख्यमंत्री योगी ने जवाब तलब किया है। माना जा रहा है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। इन जिलों के मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों से जवाब तलब अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लम्बित राजस्व वादों के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण के लिए 60 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये थे। साथ ही विशेष अभियान की हर मंगलवार को शासन स्तर पर समीक्षा करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में अक्टूबर माह की समीक्षा बैठक में पाया गया कि प्रदेश के दस मंडलायुक्त-वाराणसी, सहारनपुर, आजमगढ़, अलीगढ़,

बस्ती, चित्रकूट धाम,अयोध्या और सात जिलाधिकारी-बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर, हापुड़, चित्रकूट, ललितपुर, अमरोहा द्वारा राजस्व के लंबित और नये वादों के निस्तारण में लापरवाही बरती जा रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने लापरवाह अधिकारियों से जवाब तलब किया है। साथ ही लम्बित राजस्व वादों का मानक एवं निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिये हैं। वहीं माना जा रहा है कि जवाब संतोषजनक न मिलने पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। वाराणसी मंडल में 440 लंबित वादों के सापेक्ष 82 मामलों का ही हुआ निस्तारण अपर मुख्य सचिव राजस्व ने बताया कि प्रदेश के पांच मंडलों में लंबित मामलों के निस्तारण में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि वाराणसी मंडल में चार राजस्व न्यायालय हैं, जहां पर 440 लंबित राजस्व वादों के सापेक्ष 82 वादों का ही निस्तारण किया गया। लापरवाही पर सात जिलाधिकारियों को नोटिस थमायी गयी है।

निमार्णाधीन चहारदीवारी को अराजक तत्वों ने तोड़ा

संवाददाता

कुशीनगर, । जनपद के सेवरही विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुमही संग्राम में निमार्णाधीन चहारदीवारी के कुछ हिस्से को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया है। प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ने सेवरही पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम प्रधान जैतुननिशा एवं प्रधानाध्यापक सुमंत मिश्र ने सेवरही पुलिस को दिये तहरीर में कहा है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुमही संग्राम में चहारदीवारी का निर्माण हो रहा है। निमार्णाधीन चहारदीवारी के कुछ हिस्से को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया है। प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बसपा के पूर्व सांसद शाहिद अखलाक की फैक्टरी को सील करने के आदेश

मेरठ। मेरठ में (मेडा) मेरठ विकास प्राधिकरण ने पूर्व सांसद शाहिद अखलाक की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी को सील करने के आदेश आज बुधवार को जारी कर दिए हैं। मीट प्लांट का नक्शा पावरलूम के नाम पर है। ऐसे में शमन करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि मैसर्स अल साकिब एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भूखंड संख्या ई हापुड़ रोड कोऑपरेटिव हैंडलूम एस्टेट मेरठ पर इंटीग्रेटेड मीट प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन किया जा रहा है। फैक्टरी का जो नक्शा दाखिल किया गया है वह प्रपोज्ड फैक्टरी शेड पर मदन मोहन टेक्सटाइल लिमिटेड एट हापुड़ रोड ऑन प्लॉट नंबर ए एट कोऑपरेटिव हैंडलूम इंडस्ट्री एस्टेट मेरठ के नाम से है। जो कि वर्तमान में क्रियाशील मीट प्रोसेसिंग प्लांट के सापेक्ष प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं। ऐसे में प्राधिकरण उपाध्यक्ष द्वारा प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन को नियम विरुद्ध संचालित मीट फैक्टरी के संपूर्ण परिसर को सील करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि 15 दिन के भीतर नक्शा सबमिट किया जाए। ऐसा न करने पर सीलिंग की कार्रवाई कर सुनिश्चित किया जाए।

बीएचयू महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने योग कार्यशाला में लिया भाग

वाराणसी, । काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय (एमएमवी) की छात्राओं ने मंगलवार को मालवीय भवन स्थित योग साधना केन्द्र में आयोजित दस दिवसीय योग कार्यशाला में पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। एमएमवी की प्राचार्य प्रो. रीता सिंह ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने छात्राओं से योग को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या ने कहा कि योग छात्रों को आधुनिक दुनिया के तनाव और चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है। इसके पहले मालवीय भवन के निदेशक प्रो. राजा राम शुक्ल ने प्रतिभागियों का अभिनंदन किया और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति महामना के दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बीएचयू के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण समग्र और एकीकृत था। उनका मानना था कि स्वास्थ्य केवल बीमारी की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य है। उन्होंने इस संतुलन को हासिल करने के लिए योग और आयुर्वेद के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की वकालत की। महामना ने भी

छात्रों की भलाई के लिए शारीरिक शिक्षा, स्वच्छता, पोषण और नैतिक मूल्यों के महत्व पर भी जोर दिया था। वे शिक्षा एवं संस्कृति के माध्यम से एक स्वस्थ एवं समरस समाज का निर्माण करना चाहते थे। स्टूडेंट वेल-बीइंग इनिशिएटिव की समन्वयक ने बताया कि कार्यशाला 30 नवंबर तक सुबह 7 बजे से 8 बजे तक एमएमवी लॉन में जारी रहेगी। कार्यशाला के लिए 70 छात्राओं ने नामांकन कराया है, जिसका नेतृत्व योग साधना केंद्र के विशेषज्ञ करेंगे। वे विभिन्न योग आसन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीक सीखेंगे। समन्वयक ने कहा कि कार्यशाला छात्राओं के जीवन की गुणवत्ता और सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण में सुधार के लिए एमएमवी के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला छात्राओं को आत्म-जागरूकता, आत्मविश्वास, आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण विकसित करने में मदद करेगी। समन्वयक ने बताया कि कार्यशाला 30 नवंबर को समाप्त होगी। कार्यशाला का मूल्यांकन छात्राओं और प्रशिक्षकों के फीडबैक और सुझावों से भी किया जाएगा। कार्यशाला से छात्राओं को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या के हिस्से के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है।

चार दिनों की शांति

पिछले डेढ़ महीने से जारी हमास-इस्त्राइल जंग में आखिर एक विराम आया, जब इस्त्राइली संसद ने बुधवार को युद्धविराम के समझौते को मंजूरी दे दी। हालांकि इस बीच इस युद्ध के कारण गाजा में 14,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं और 2,700 अन्य लोग लापता हैं। इन लापता लोगों में अधिकांश के मलबों के नीचे आने की बात कही जा रही है, जिसका मतलब यह है कि लाशें भले न मिली हों, लेकिन उनके जिंदा बचे होने की कोई संभावना नहीं रह गई है। इतने बड़े नुकसान की कीमत पर हासिल यह युद्धविराम भी अस्थायी है। इसकी मियाद महज चार दिनों की है। इस दौरान हमास 50 बंधकों को रिहा करेगा जिनमें महिलाएं और बच्चे होंगे। बदले में इस्त्राइल की जेलों में बंद 150 फलस्तीनी छोड़े जाने हैं। जाहिर है, इस युद्धविराम को संभव बनाने वाला सबसे बड़ा कारक वे 240 लोग हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर के आंतकवादी हमले में हमास के हमलावर बंधक बना ले गए थे। इनमें इस्त्राइल के साथ 40 देशों के नागरिक शामिल हैं। इनकी सुरक्षित रिहाई का दबाव अलग-अलग देशों की सरकारों पर है। खुद इस्त्राइल में भी नेतन्याहू पर इसका दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। अगर इस समझौते से जुड़े तमाम पहलुओं पर सही ढंग से अमल हुआ तो न केवल दोनों तरफ से 200 लोग कैद से मुक्त होंगे बल्कि गाजा में चौबीसो घंटे बमों की बारिश झेल रहे लोग भी चार दिनों के लिए ही सही, पर राहत महसूस करेंगे। इस बीच उनके लिए मानवीय सहायता भी पहुंचेगी और ईंधन की कमी के चलते बंद पड़े अस्पताल दोबारा शुरू हो पाएंगे। अफसोस और चिंता की बात यह होगी इन सबके पीछे यह भाव लगातार काम करता रहेगा कि यह राहत सिर्फ चार दिनों के लिए है। इसके ठीक बाद फिर वही हालात बन जाने हैं। क्या इसका मतलब यह है कि हमास और इस्त्राइल दोनों पक्ष इस अवधि का इस्तेमाल अपनी तैयारियों को मजबूती देने के लिए करेंगे ताकि चार दिन के बाद और विनाशकारी युद्ध को अंजाम दे सकें? सारी संभावनाएं इसी ओर इशारा कर रही हैं। हालांकि ध्यान रहे, 50 बंधकों की रिहाई के बाद भी करीब 190 बंधक हमास के कब्जे में होंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस्त्राइल ने कहा है कि वह इस अवधि के समाप्त होने के बाद भी हर दस बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम को एक-एक दिन बढ़ाता रह सकता है। किसी भी उपाय से अगर युद्धविराम लंबा खिंचता है तो यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन इसे काफी नहीं माना जा सकता। सवाल है कि 19 दिनों में सभी बंधकों के रिहा होने के बाद क्या होगा? जरूरत सिर्फ अपने लोगों को सुरक्षित निकालने की नहीं, यह समझने की है कि किसी भी तरफ के बेकसूर लोगों की जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए हमास के खात्मे के नाम पर गाजा में हो रहे जान-माल के नुकसान पर स्थायी रोक लगनी चाहिए।

अपनी जिम्मेदारी समझें

अमेरिका में खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश नाकाम किए जाने की खबर और इसमें कथित तौर पर भारत का हाथ होने का संदेह निश्चित रूप से एक बेहद गंभीर मामला है। लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण है यह देखना कि ऐसे गंभीर मामलों से कैसे निपटते हैं। चूंकि यह मामला कनाडा के निज्जर हत्या प्रकरण के कुछ ही समय बाद आया है, इसलिए दोनों की तुलना स्वाभाविक है। निज्जर हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश की संसद में घोषणा कर दी कि इसमें भारत सरकार का हाथ होने के विश्वसनीय आरोप हैं। हालांकि अपने उस विश्वसनीय आरोप के पक्ष में कोई सबूत उनकी सरकार अभी तक पेश नहीं कर पाई है। इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों को गंभीर नुकसान पहुंचाया बल्कि दुनिया भर में फैले भारतीयों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई। इसके विपरीत अमेरिका ने ऐसी सूचनाएं मिलने पर हाय-तौबा मचाने के बजाय सर्वोच्च स्तर पर भारत के साथ यह मसला उठाया। स्वाभाविक ही भारत सरकार ने इस पर हैरत और चिंता जताई और यह स्पष्ट किया कि इस तरह की गतिविधियां उसकी पॉलिसी नहीं है। लेकिन भारत सरकार के लिए यह पता करना जरूरी है कि ऐसी पॉलिसी न होने के बावजूद अगर विदेशी भूमि पर हत्या की साजिश में किसी तरह से उसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका की बात आ रही है तो फिर उसका कारण क्या है। अगर इसके पीछे किसी तरह की देशी-विदेशी साजिश है तो उसे भी जल्द से जल्द बेनकाब करना हमारे राष्ट्रीय हित में है। आखिर भारत को बदनाम करने, उसकी अंतरराष्ट्रीय साख को खतरे में डालने के पीछे कौन लोग हैं, वे किन देशों और एजेंसियों से जुड़े हैं इसका खुलासा तो होना ही चाहिए। अमेरिकी सरकार के संयत और जिम्मेदार रवैये का ही परिणाम है कि दोनों देशों की एजेंसियां इस मामले की जांच में जुटी हुई हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही इस मामले की सचाई सामने आएगी। लेकिन इस मामले के दूसरे अहम पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वह है विदेशी जमीन पर भारत की क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देने और उसके खिलाफ हिंसा भड़काने की बातें करने वाले तत्वों को मिली खुली छूट। कनाडा और अमेरिका की दोहरी नागरिकता रखने वाला गुरपतवंत सिंह पन्नू ऐसा ही एक शख्स है जिसे भारत सरकार बाकायदा आतंकवादी घोषित कर चुकी है। इसी महीने उसने सोशल मीडिया पर विडियो जारी कर धमकी दी थी कि 19 नवंबर के बाद एयर इंडिया में यात्रा करना खतरनाक होगा।

काश, 'हलाल' पर सभी मुख्यमंत्री 'योगी

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यहां मांसाहार में 'हलाल' का होना उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुसार समझ में आता है किंतु किसी भी कंपनी, संस्था या छोटे दुकानदार, वस्तु निमार्ता को इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि यदि उसने 'हलाल' सर्टिफिकेट नहीं लिया है तो उसके सामान को बाजार के चलन में नहीं आने दिया जाएगा। भला, यह कैसी मनमर्जी है? वास्तव में 'हलाल' प्रमाणपत्र के नाम पर ऐसा करनेवालों ने उन तमाम नियमों को भी एक झटके में ताक में रख दिया है, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने फूड प्रोसेसिंग, नागरिक खाद् सुरक्षा के लिए अनिवार्य किए हैं। इसलिए ही आज इस गोरख धंधे को तुरन्त बंद कर देने की अवाज उठाई जा रही है। यह पूरा खेल हर कंपनी में 'हलाल' सर्टिफिकेट की आड़ में जबरन मुसलमानों को रोजगार दिलाने और एक अवैध समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी कर लेने का है। जिससे कि आतंकवाद को पोषित करने का संदेह भी सामने आता रहा है। यह बेवजह नहीं है, इसके पीछे भी ठोस प्रमाण मौजूद हैं। मुंबई में हुए 26/11 के हमले के लिए अमेरिका के 'हलाल' प्रमाणित एक बूचड़ खाने से पैदा इकट्ठा किया गया था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस आतंकी हमले की जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकयों डेविड हेडली (दाऊद गिलानी) और तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर प्रदेश के अभी हाल ही में एक खबर आई और देखते ही देखते देश के 80 प्रतिशत लोगों के चेहरे खिल उठे। भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज लम्बे समय से यह मांग प्रशासन से कर रहा है कि आखिर देश में मुसलमानों की संख्या सिर्फ 15 प्रतिशत है तो बाकी की 85 फीसदी जनसंख्या को 'हलाल' के नाम पर सामान खरीदने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? यहां मांसाहार में 'हलाल' का होना उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुसार समझ में आता है किंतु किसी भी कंपनी, संस्था या छोटे दुकानदार, वस्तु निमार्ता को इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि यदि उसने 'हलाल' सर्टिफिकेट नहीं लिया है तो उसके सामान को बाजार के चलन में नहीं आने दिया जाएगा। भला, यह कैसी मनमर्जी है? वास्तव में 'हलाल' प्रमाणपत्र के नाम पर ऐसा करनेवालों ने उन तमाम नियमों को भी एक झटके में ताक में रख दिया है, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने फूड प्रोसेसिंग, नागरिक खाद् सुरक्षा के लिए अनिवार्य किए हैं। इसलिए ही आज इस गोरख धंधे को तुरन्त बंद कर देने की अवाज उठाई जा रही है। यह पूरा खेल हर कंपनी में 'हलाल' सर्टिफिकेट की आड़ में जबरन मुसलमानों को रोजगार दिलाने और एक अवैध समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी कर लेने का है। जिससे कि आतंकवाद को पोषित करने का संदेह भी सामने आता रहा है। यह बेवजह नहीं है, इसके पीछे भी ठोस प्रमाण मौजूद हैं। मुंबई में हुए 26/11 के हमले के लिए अमेरिका के 'हलाल' प्रमाणित एक बूचड़ खाने से पैदा इकट्ठा किया गया था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस आतंकी हमले की जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकयों डेविड हेडली (दाऊद गिलानी) और तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया गया। भारत में आतंकवादियों को कानूनी सहायता मुहैया कराने में 'हलाल' सर्टिफिकेट से होनेवाली आय का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसका यह प्रमाण देखिए, जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली कई केसों में आतंकवादियों को जेल से छुड़ाने के लिए काम कर रहा है। जर्मन बेकरी ब्लास्ट केस (मिर्जा हिमायत बेग बनाम महाराष्ट्र सरकार) - फरवरी 2010 में पुणे के जर्मन बेकरी ब्लास्ट में 17 लोगों की हत्या और 64 लोग घायल हुए थे। इस आतंकी हमले का दोषी इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी मिर्जा हिमायत बेग था। पुणे की सेशन कोर्ट के स्पेशल जज एन. पी. धोते ने 18 अप्रैल, 2013 को बेग को फांसी की सजा सुनाई थी। इसे कानूनी सपोर्ट यही जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट मुहैया कराती रही है। यह एक दूसरा केस है, (अब्दुल रहमान बनाम कर्नाटक सरकार), अब्दुल रहमान ने रावलपिंडी में लश्कर-ए-तोइबा के आतंकी कैंप में प्रशिक्षण लिया था। साल 2004 में वह अवैध तरीके से मुंबई आया और मस्जिदों में मुसलमानों को जिहाद के नाम पर भारत के खिलाफ लड़ने के लिए उकसाता था। इसी तरह से पलारीवत्तम आईएसआईएस केस (अर्शी कुरेशी एवं अन्य बनाम केरल सरकार) यह केस फिलहाल एनआईए के अधीन है। इसके अंतर्गत केरल के रहने वाले बेस्टिन विन्सेंट ने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नया नाम याह्या रख लिया था। याह्या साल 2017 में आईएसआईएस में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भाग गया था। या फिर यह जयपुर का आईएसआई केस (सिराजुद्दीन बनाम राजस्थान सरकार) देख लीजिए, जिसमें कि मूलतः गुलबर्ग, कर्नाटक का रहने वाला मोहम्मद सिराजुद्दीन जयपुर में आईएसआईएस के लिए भर्ती का काम देखता था। वहीं, 26/11 मुंबई ब्लास्ट (सईद जबूद्दीन बनाम महाराष्ट्र सरकार) - सईद जबूद्दीन का सम्बन्ध इंडियन मुजाहिद्दीन और लश्कर ए-तोइबा से है। वस्तुतः जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली द्वारा आतंकियों को महंगे वकील एवं अन्य कानूनी सहायता के मामले यहीं नहीं रुकते दिखते, 2011 पुणे ब्लास्ट (असद खान और अन्य बनाम महाराष्ट्र एटीएस)- पुणे की जेएम रोड आतंकी हमले में इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी असद खान मुख्य आरोपी है। इंडियन मुजाहिद्दीन केस (अफजल उस्मानी बनाम महाराष्ट्र एटीएस) - अफजल उस्मानी अहमदाबाद के 2008 आतंकी हमलें का आरोपी था। साल 2013 में वह नेपाल भागने की कोशिश में था लेकिन उससे पहले ही महाराष्ट्र एटीएस ने उसे उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया था। 2010 बेंगलुरु ब्लास्ट (कतील सिद्दीकी बनाम कर्नाटक सरकार) - बैंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम पर हुए आतंकी हमले के मुख्य आरोपी यासीन भटकल के साथ जिसमें इंडियन मुजाहिद्दीन का ओपरेटिव कतील सिद्दीकी भी शामिल था। यासीन भटकल यह इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी है जोकि एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल था। यासीन को 2013 में बिहार के मोतिहारी से गिरफ्तार किया गया था। यह 2008 अहमदाबाद ब्लास्ट, 2010 बेंगलुरु ब्लास्ट, और 2012 पुणे ब्लास्ट का मुख्य आरोपी है। जब आप खोजने जाते हैं तो इस प्रकार के अनेक प्रकरण सामने आते हैं, जिनमें कि जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली जैसी हलाल प्रमाणपत्र देनेवाली संस्थाएं इन आतंकियों को तमाम कानूनी सहायता उलब्ध कराने के साथ ही किसी न किसी रूप में आर्थिक सहायता मुहैया कराती हुई दिखाई पड़ती हैं। भारत के अलावा दूसरे गैर-मुस्लिम देशों में भी 'हलाल प्रमाणन' और आतंकवादियों के आपसी संबंधों का खुलासा बहुत बड़े स्तर पर हो ही चुका है। इसमें पश्चिम और यूरोप के कई देश शामिल हैं, जैसे फ्रांस में 'हलाल' खाद्य सामग्री का 60 प्रतिशत कारोबार उन संस्थाओं द्वारा किया किया है जिनका कि मुस्लिम ब्रदरहुड से संबंध है। इसी तरह से कनाडा की 'हलाल' प्रमाण संस्था मुस्लिम एसोसिएशन पर आतंकी संगठन 'हमास' को वित्तिय सहायता उपलब्ध कराने के आरोप जगजाहिर हैं। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद का मुख्य आतंकी समी-अल-एरियन इस्लामिक सोसायटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका का संस्थापक सदस्य था, जिसने 'हमास' को कई मिलियन अमेरिकन डॉलर भेजे थे। ऐसे ही अनेक साक्ष्य आज आपको मौजूद मिल जाते हैं, जो यह पुख्ता करने के लिए पर्याप्त हैं कि कैसे 'हलाल' सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठी की गई राशि का उपयोग आतंकवाद और गैर इस्लामिक लोगों को मारने, उनको धमकाने और इस्लाम के कन्वर्जन में किया जाता है। इसके अन्य आर्थिक पक्ष को देखें तो हलाल प्रमाणपत्र को लेकर जो गहरे से समझनेवाली बात है वह यह कि सिर्फ मीट प्रॉडक्ट तक सीमित नहीं, बल्कि स्नेक्स, मिठाइयों, अनाज, तेल, कॉस्मेटिक्स, साबून, शैम्पू, टूथपेस्ट, नेल पॉलिश, लिपस्टिक, चश्मा, जैसे तमाम उत्पादों के लिए भी अनिवार्य किया गया जबकि एक भारतीय नागरिक के तौर पर कोई भी व्यक्ति उद्योग-व्यापार उसी तरह कर सकता है, जैसे देश के अन्य आम नागरिक करते हैं, नियमों के स्तर पर इस्लाम को माननेवालों को अलग से कोई छूट नहीं है, फिर इस हलाल सर्टिफिकेट की मजहबी आड़ में एक वर्ग विशेष में अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि ऐसे उत्पाद का प्रयोग न करें, जिसे इनकी कंपनी द्वारा हलाल प्रमाणपत्र न दिया गया हो। परिणामस्वरूप दूसरे समुदाय विशेष के व्यावसायिक हितों का नुकसान भी हो रहा है । आश्चर्य होता है यह इनकी हिम्मत देखकर, देश में संवैधानिक नियम-कानूनों की खुलेआम ये धज्जियां उड़ा रहे हैं और अभी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को छोड़कर कोई अन्य मुख्यमंत्री या राज्य शासन यह साहस नहीं दिखा सका है कि गलत को गलत ही कह पाए! वस्तुतः जो कानून को न माने, उसे कानून के नियमों का भी ज्ञान हर तरीके से कराया जाना चाहिए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

पुराने पैतरों पर फिर क्यों लौट रहा पाकिस्तान

संघर्ष विराम के आए दिन उल्लंघन के बीच पाकिस्तान फिर पुराने पैतरों पर आ गया है। 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में बढ़ी आतंकियों की सक्रियता इसका स्पष्ट संकेत है। इस साल भी सर्दी शुरू होते ही आतंकियों के हमले तेज हो गए हैं। बीते पांच दिन में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की तीन बड़ी मुठभेड़ जाहिर करती हैं कि सीमा पार से घुसपैठ कराने की साजिश बड़े स्तर पर की जा रही है। साथ ही पाकिस्तान अपनी आर्थिक बदहाली से ध्यान हटाने के लिए भी परिवर्तन के दौर से गुजर रहे केंद्रशासित प्रदेश में माहौल सामान्य न होने का संदेश भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देना चाहता है। राजोरी में 28 घंटे से अधिक चली मुठभेड़ में सेना के दो कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान बताता है कि तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के पिछले महीने पाकिस्तान लौटने के बाद वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई अपने प्यादे को गद्दीनशीं करने के लिए आतंकियों को नए सिरे से खाद-पानी देने लगी है। फरवरी 2024 में वहां संसदीय आम चुनाव होना है और नवाज को चौथी बार प्रधानमंत्री बनाने की योजना है। अपने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पस्त पाकिस्तान का अपने आंतरिक हालात से ध्यान हटाना पहली प्राथमिकता है। पड़ोस में घुसपैठ और जनहानि के बूते अपने अवाम को प्रलोभन देना भी इसी का हिस्सा है। हालांकि राजोरी की मुठभेड़ में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकीकारी समेत दो आतंकियों को मार कर सेना ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पराक्रम का परिचय दिया है। कारी ने पहली जनवरी को जिले के ढांगरी गांव में बच्चों समेत सात हिंदुओं की हत्या कर समूचे तंत्र को दहला दिया था। राजोरी में जिस तरह सेना पर हमला किया गया है, 13 सितंबर को अनंतनाग में भी यही तरीका अपनाया गया था। गौरतलब है कि राजोरी में अक्तूबर 2021 में भी नौ सैन्यकर्मियों ने आतंकियों से जूझते हुए शहादत दी थी। अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में सेना ने कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश करते लश्कर-ए-ताइबा के पांच आतंकी मार गिराए थे। 16 नवंबर को कुलगाम की मुठभेड़ में भी लश्कर के ही पांच स्थानीय दहशतगर्द ढेर कर दिए गए थे। इसके अगले ही दिन राजोरी के बुद्धल इलाके में संदिग्ध आतंकियों से मुठभेड़ हो गई थी। हर मुठभेड़ में प्रशिक्षित आतंकियों की पराजय, स्थानीय लोगों की उनके प्रति बेरुखी और सुरक्षा बलों का पराक्रम पाकिस्तान को परास्त कर देता है। पाकिस्तान की बौखलाहट यूं ही नहीं है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद 31 अक्टूबर को पुनर्गठन के चार साल हो चुके हैं। पाकिस्तान के सीमावर्ती राजस्थान के विधानसभा चुनाव की सभाओं में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गर्व और आत्मविश्वास से बताते हैं कि 370 हटाए जाने पर जम्मू-कश्मीर में खूनखराबे की आशंका जताने वाल देश के राजनीतिक दलों और विदेश के नेताओं को देख लेना चाहिए कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां कितनी तेजी से तरक्की हो रही है। चार साल में नए जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन को ऐसे समझा जा सकता है कि यहां आजादी के बाद पहली बार विदेशी पूंजी का निवेश हुआ है। खाड़ी देशों समेत कुल 80 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव आए हैं। करीब दो हजार करोड़ का निवेश हो भी चुका है। दुबई का इमर समूह तो श्रीनगर में 500 करोड़ खर्च कर विशाल मॉल बना रहा है। यही नहीं, श्रीनगर में नाइट लाइफ शुरू हो गई है। स्थानीय लोग और सैलानी इसका लुत्फ उठा रहे हैं। जी20 के सफल आयोजन ने अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। जल शक्ति का समुचित उपयोग कर यहां 20 हजार मेगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य 2026 तक हासिल होने की उम्मीद है। फिलहाल यहां अधिकतम 3500 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन हो रहा था। इस साल नियंत्रण रेखा पर टीटवाल में 75 साल में पहली बार दिवाली मनाई गई। सभी धर्मों के लोग इस आयोजन में शामिल हुए। पूजा-अर्चना की गई। दीए जलाए गए। सीमा पर तैनात जवानों ने भी उत्साह से दिवाली मनाई। नियंत्रण रेखा के नजदीक पुंछ में तो भजन-कीर्तन के साथ आतिशबाजी भी की गई। एक तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पहली बार सियाचिन में सेना के जवानों के साथ दिवाली मना कर इसका शुभारंभ किया था। श्रीनगर में 35 साल बाद पहली बार दशहरे पर शोभायात्रा निकाली गई और रावण दहन के कार्यक्रम में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा भी शामिल हुई। आतंकवाद का दौर शुरू होने के बाद के हालात कश्मीरी हिंदुओं और पंडितों के लिए ही दयनीय नहीं थे, मुसलमान भी इसका दंश झेल रहे थे। यह इससे जाहिर है कि शिया समुदाय के 25 हजार लोगों ने भी 33 साल बाद इसी साल मोहर्रम पर जुलूस निकाला। पाकिस्तान की चिढ़ के और भी कारण हैं। तीन साल में देश विरोधी गतिविधियों में शामिल 50 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है। ये कर्मचारी आतंकी संगठनों को गोपनीय सरकारी सूचनाएं ही नहीं, आर्थिक मदद भी मुहैया कराते थे। यहां उल्लेखनीय है कि केंद्र शासित प्रदेश बनने और केंद्रीय कानून लागू होने के बाद सरकारी एजेंसियों ने आतंकवाद और अलगाववाद में इस्तेमाल होने वाली अरबों रुपये की 500 से अधिक संपत्तियां भी जब्त की हैं। इनमें ज्यादातर संपत्तियां नशे और हथियारों की तस्करी कर बनाई गई थीं। आर्थिक तंत्र बिगड़ने से आतंकियों की कमर टूट गई है, वहीं सुरक्षा बल इनके नेटवर्क को आसानी से ध्वस्त कर रहे हैं। सीबीआई और ईडी ने चार साल के दौरान 75 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। इसके पहले अनुच्छेद 370 के कारण पिछले 20 साल में सीबीआई चार मामले ही दर्ज कर पाई थी। उधर, एक साल में भारत में वांछित सात बड़े आतंकी पाकिस्तान में मारे जा चुके हैं। 14 नवंबर को जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी मौलाना रहीमउल्लाह तारिक कराची में मारा गया। तारिक मसूद अजहर का करीबी थी। धार्मिक आयोजन में जाते समय उसे गोली मारी गई। पाकिस्तान इसे टारगेट किलिंग मान रही है। कुछ समय पहले ही लश्कर कमांडर अकरम गाजी की भी हत्या हुई थी। गाजी को 2018 में जम्मू के सुजवां हमले का एक मास्टरमाइंड माना जाता है। 11 अक्टूबर को जैश-ए-मोहम्मद के शाहिद लतीफ को सियालकोट में ढेर कर दिया गया। 2 जनवरी 2016 को पठानकोट एयरबेस पर हमले का मुख्य साजिशकर्ता शाहिद लतीफ भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में शामिल था।

Social Media Corner

सच के हक में...

पीएम आवास योजना मिलने के बावजूद पीड़ित व्यक्ति ने हेमंत सोरेन के अधिकारियों को 10 हजार रुपए घूस नहीं दिया तो, क्षुब्ध अधिकारियों ने आवास किसी अन्य को स्थानांतरित कर दिया। हेमंत पिछले 4 सालों से झारखंड में अबुआ आवास का ढिंढोरा पीट रहे हैं। अब तक एक भी व्यक्ति को अबुआ आवास नहीं मिला...
उपर से केंद्र सरकार के द्वारा जो झारखंड के गरीब, आदिवासियों के लिए जो आवास भेजे जा रहे हैं उसमें भी हेमंत सरकार घपला कर दे रही है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

भुवनेश्वर AIIMS के डायरेक्टर डॉ (प्रोफेसर) आशुतोष बिश्वास जी की सुपुत्री आकृति के विवाह समारोह में शामिल हुआ। नवदंपति (आकृति विश्वास और दिब्यदीप हलदार) को उनके मंगलमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

(पूर्व सीएम रघुबर दास के ट्विटर अकाउंट से)

अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो की वीर भूमि को शत-शत नमन। आज बरहेट से आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की जा रही है। सभी से अपील है आपके क्षेत्र में लगने वाले शिविरों पर पहुंचकर राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अवश्य लें। जोहार!

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

सशक्तिकरण के शोर में आधी आबादी असुरक्षित

दिल्ली का निर्भया कांड जिसने आधी आबादी पर होते जुल्म को देखकर गहरी नींद में सोने वाले संपूर्ण मानव समाज को झटके से जगाया था, वो समाज शायद अब फिर से सोने लगा है। झकझोर देने वाली उस घटना के बाद कुछ वर्षों तक तो लोगों में महिला जागरूकता को लेकर अच्छी खासी चेतनाएं रहीं, लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, लोग सब कुछ भूलते चले गए। देखकर दुख होता है जब भीड़ की मौजूदगी में भी हिंसक प्रवृति के लोग महिलाओं का सरेआम उत्पीड़न करते हैं और लोग तमाशबीन बनकर चुपचाप देखते रहते हैं। उस वक्त थोड़ा सा भी कोई विरोध नहीं करता। विरोध न करना ही, अपराधियों के हौसले बढ़ाना होता है। बीते सात-आठ महीनों में मणिपुर में हुई ऐसी तमाम घटनाएं इस बात का उदाहण हैं। महिलाओं के विरुद्ध बढ़ती हिंसक घटनाओं को रोकने की वकालतें तो पूरा जग-जमाना करता है। पर, ये तभी संभव हो पाएगा, जब जनमानस सामूहिक रूप से एकत्र होकर इस काम में आहुति देगा। कड़ाई से मुकाबला करना होगा। लज्जित होने वाली प्रत्येक महिलाओं को हमें अपनी मां-बहन समझना होगा। ये बातें आज अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन के खास दिवस पर करना इसलिए जरूरी हो जाता है, ताकि हम सभी संकल्पित हो सकें। बहरहाल, खास दिवसों को मनाने के पीछे कोई न कोई वजहें जरूर होती हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के पीछे भी एक वजह है। बात कोई पांच-छह दशक पूर्व की है जब डोमिनिकन शासक ह्यराफेल ट्रूजिलो के आदेशानुसार डोमिनिकन गणराज्य की तीन सगी बहनों, पैट्रिया मर्सिडीज मिराबेल, मारिया अर्जेंटीना मिनर्वा मिराबल व एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबल की एक साथ सामूहिक निर्मम हत्या कर दी गई। तीनों बहनों का गुनाह मात्र इतना था उन्होंने ट्रूजिलो की दमनकारी और तानाशाही हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई थी। उस घटना की समूचे संसार में निंदा हुई, तभी महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने तीनों बहनों की मौत की सालगिरह पर हिंसा के खिलाफ ये खास दिन मनाने की रिवाज शुरू की। इसके बाद इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र से सरकारी मान्यता भी मिली। 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 25 नवंबर को महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में नामित कर लिया। तभी से ये दिवस मनाया जाने लगा। वैसे, हुकूमती व्यवस्था में वूमेन क्राइम पर रोकथाम के लिए कानूनों की कमी नहीं, बहुतेरे कानून हैं और सामाजिक स्तर पर सजगता-जागरूकता की भी कोई कमी नहीं? महिलाओं पर बढ़ती हिंसक घटनाएं किसी भी सूरत में रूके इसके लिए केंद्र व राज्य सरकारें धन खर्च करने में भी पीछे नहीं हटती। बावजूद इसके सभी कोशिशें नाकाफी साबित होती हैं। अगर गौर करे तो ये प्रयास मुकम्मल हो सकते हैं। इसके लिए समाज को गहरी नींद से जागना होगा, चुप्पी तोड़कर दुर्दांत व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठानी होगी। महिलाओं पर जुल्म ढ़हाने वाले भेडिए हमारे इर्द-गिर्द ही मंडराते हैं। उन्हें देखकर कई मर्तबा हम इग्नोर कर देते हैं, जो हमारी सबसे बड़ी भूल होती है। उसी भूल का ही अपराधी फायदा उठाते हैं। ऐसे तत्वों से मुकाबले के लिए अगर समाज एकजुटता हो जाए और उन्हें ललकारना शुरू कर दे, तो किसी की भी हिम्मत महिलाओं पर हिंसा करने की नहीं होगी? अपराधी हिंसा करने से पहले सौ बार सोचेंगे। ऐसा ही एक बेहतरीन उदाहण पंजाब के भठिंड़ा में टांसजेंडर समुदाय ने पेश किया। कॉलेज के बाहर कुछ शरारती तत्व रोजाना कॉलेज की छात्राओं पर गंदे इशारे करते थे, एक दिन उन्हें पकड़कर ट्रंसजेंडरों ने अच्छी सुताई करी और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। ठीक इसी तरह समाज को चेतना होगा। बहरहाल, तेज गति से फैला वूमेन क्राइम सिर्फ हिंदुस्तान तक ही सीमित नहीं, बल्कि समूचे संसार में विकराल समस्या बन चुका है।

महाझूठ के खिलाफ

डीपफेक अर्थात महाझूठ के खिलाफ अगर केंद्र सरकार कानून बनाने जा रही है, तो यह स्वागतयोग्य है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को सोशल मीडिया कंपनियों, एआई कंपनियों और अन्य शोधकर्ताओं के साथ बैठक के बाद यह स्पष्ट कर दिया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अगले 10 दिन में डीपफेक से निपटने के लिए एक स्पष्ट, कार्रवाई योग्य योजना जारी करेगा। साथ ही, केंद्र सरकार नए कानूनी प्रावधानों का एक मसौदा भी तैयार करेगी, ताकि किसी भी तरह की गलत सूचना पर अंकुश लगाया जा सके। वास्तव में, दुनिया में महाझूठ की यह समस्या सोशल मीडिया या इंटरनेट की दुनिया में इतनी ज्यादा हावी हो गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जी-20 जैसे मंच पर चिंता का इजहार कर चुके हैं। डीपफेक की शुरूआत हास्य-विनोद के लिए हुई थी, लेकिन अब इसका उपयोग चरित्र-हनन, शोषण और दुष्प्रचार के लिए ज्यादा होने लगा है। किसी की छवि बिगाड़ने का यह चस्का इसलिए भी चलन में आ गया है कि तकनीकी तौर पर लोग सक्षम हो गए हैं। बहुत से ऐसे सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं, जिनके जरिये किसी की छवि के साथ खिलवाड़ किया जा सकता है। अतः यह अब केवल ग्राफिक्स या कलात्मक कमाल मात्र नहीं है, गंभीर अपराध का भी एक रूप है। मोटे तौर पर जो योजना सामने आ रही है, उसके अनुसार, डीपफेक पर रोक की योजना के चार स्तंभ होंगे। डीपफेक या गहरी गलत सूचना का पता लगाना, इन गहरी गलत सूचनाओं को परिदृश्य से हटाकर या घटाकर खत्म करना, इस अपराध के रिपोर्टिंग-तंत्र को मजबूत करना और जागरूकता फैलाना। यह योजना तारीफ के योग्य है और ये उपाय पहले ही कर लेने चाहिए थे। अगर वर्तमान कानूनों के दायरे में ये अपराध नहीं आ रहे हैं, तो नए कानून की तैयारी प्रशंसनीय है। जब कानून आएगा, तब आएगा, सरकार को अभी स्पष्ट कर देना चाहिए कि डीपफेक के पुराने मामलों की भी पड़ताल होगी और दोषियों को सजा मिलेगी। सरकार की इस घोषणा मात्र से महाझूठ के मामलों में कमी आएगी। दंड की कमी की वजह से ही महाझूठ फैलाने वाले गली-गली में पसरने लगे हैं। खासतौर पर सोशल मीडिया से हो रही कमाई भी इसके लिए जिम्मेदार है। डीपफेक को रोकने के लिए खासतौर पर सोशल मीडिया प्रबंधन करने वाली कंपनियों को भी जवाबदेह बनाना होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

एआई म्यूजिक फेस्टिवल में ईडीएम आइकन एफ्रोजैक वनप्लस फैंस का ध्यान करेगा आकर्षित

बेंगलुरु ।

ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड वनप्लस ने शुक्रवार को अपने बढ़ते भारतीय कम्युनिटी के लिए संगीत समारोह वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल की घोषणा की, जो 17 दिसंबर को बेंगलुरु के मैनफो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। ग्रैमी अवॉर्ड-विनिंग प्रोड्यूसर और मल्टी-प्लैटिनम-सेलिंग इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक (ईडीएम) आइकन एफ्रोजैक, डांस और इलेक्ट्रॉनिक शैलियों के अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ शो का मुख्य आकर्षण होंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फेस्टिवल में अपनी जगह बुक करने के इच्छुक फैंस पेटीएम इनसाइडर पर जा सकते हैं और अपना पसंदीदा जोन चुन सकते हैं। वनप्लस इंडिया की मार्केटिंग प्रमुख इशिता ग्रोवर ने कहा, अपने कम्युनिटी के साथ जुड़ने के प्रति हमारा डेडिकेशन हमें लगातार कुछ नया करने के लिए प्रेरित करता है। वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल वाइब्रेंट कम्युनिटी के लिए व्यापक प्लेटफॉर्म प्रदान करके इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह म्यूजिक से परे यूनिक स्पेस के रूप में कार्य करता है, कोलैबोरेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देता है। यह सीमाओं से परे गतिशील अनुभव प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है, जो वनप्लस की अपने समुदाय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कंपनी के अनुसार, वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल सिर्फ एक गैदरिंग से कहीं अधिक है, यह क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी और वनप्लस कम्युनिटी की जीवंत भावना का उत्सव है। इसके केंद्र में एक अभूतपूर्व पहल है - वनप्लस एआई म्यूजिक स्टूडियो, जो उत्साही लोगों को संगीतकारों के क्षेत्र में कदम रखने के लिए सशक्त बनाता है, अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके शैलियों का सहज मिश्रण करता है। वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल एक प्री-इवेंट लेग प्रदान करता है, जो यूजर्स को ओरिजनल म्यूजिक बनाने के लिए एआई-संचालित टूल का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, बेस्ट कम्पोजीशन का सैंपल प्रसिद्ध वैश्विक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम में लाइव लिया जाएगा। इस अनूठे फेस्टिवल के जरिए, ब्रांड का लक्ष्य अपने कम्युनिटी मेंबर्स की आवाज को बढ़ाना, 2023 के कुछ सबसे प्रभावशाली कलाकारों के लिए डांस करना है, साथ ही वनप्लस के 10 साल पूरे होने का जश्न भी मनाना है।

संतान या आश्रित को सौंपिए अपनी नौकरी, टाटा स्टील ने कर्मचारियों को दिया यह ऑफर

जमशेदपुर।

टाटा स्टील ने एक निश्चित अवधि तक कंपनी में सेवा दे चुके कर्मियों के लिए 'जॉब फॉर जॉब स्कीम' की घोषणा की है। इस स्कीम के लिए कंपनी के कर्मचारी 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। कंपनी ने इस स्कीम का नाम 'सुनहरे भविष्य की योजना' दिया है। इसके लिए टाटा स्टील की वाइस प्रेसिडेंट (एचआरएम) अत्रैयी सान्याल के आदेश से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। 'जॉब फॉर जॉब स्कीम' के तहत कर्मचारी अपने पुत्र, पुत्री, दामाद या किसी अन्य को आश्रित नामित कर अपनी नौकरी हस्तांतरित कर सकेंगे। इस स्कीम में वैसे कर्मचारी आयेंगे, जिनकी सेवानिवृत्ति की उम्र कम से कम साढ़े पांच साल बाकी है। आश्रितों को इसके लिए एक परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा में तीन बार शामिल होने का मौका दिया जायेगा। इसके बाद प्रशिक्षु के तौर पर उनकी सेवा शुरू होगी। इस दौरान उन्हें स्टाइपेंड दिया जायेगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी सेवा स्थायी की जायेगी। परीक्षा में असफल आश्रित को नौकरी से वंचित होना पड़ सकता है। इसके लिए वैसे कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं, जिनकी आयु या तो 40 साल से ज्यादा है या जो कंपनी में दस साल से अधिक समय तक काम कर चुके हैं। इन स्कीमों के लिए कर्मियों के चयन का अधिकार प्रबंधन के पास होगा। 'सुनहरे भविष्य की योजना' के तहत संबंधित कर्मचारी, उसके पति या पत्नी, बेटे को 24 वर्ष की आयु तक और बेटी को उसके विवाह के पूर्व तक कंपनी के हॉस्पिटल में इलाज की सुविधा मिलेगी। कर्मचारी को 58 वर्ष की उम्र तक या योजना का लाभ लेने के बाद अधिकतम छह वर्ष तक क्वार्टर की सुविधा मिलेगी। यदि उनके आश्रित भविष्य में कंपनी के स्थायी कर्मचारी बनते हैं, तो उन्हें क्वार्टर के लिए 10 अतिरिक्त प्वाइंट मिलेंगे। इसके अलावा कर्मियों को पीएफ, ग्रैच्युटी, फेयरवेल गिफ्ट, पेंशन स्कीम का लाभ कंपनी के नियमों के तहत मिलेगा।

डेटा टेक फर्म टीमैक्स एडब्ल्यूएस सम्मेलन में नए प्रोडक्ट्स का अनावरण करेगी

सियोल।

दक्षिण कोरियाई डेटा प्रौद्योगिकी कंपनी टीमैक्स ग्रुप ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले सप्ताह अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) क्लाउड सम्मेलन में अपने नए उत्पादों का अनावरण करेगी।

अधिकारियों के अनुसार, कंपनी की डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली से संबद्ध टीमैक्स टीबेरो कंपनी टीमैक्स डीबीएएस का प्रदर्शन करेगी और कंपनी की क्लाउड सेवा शाखा टीमैक्स क्लाउड टीमैक्स सीएलएएस पेश करेगी। इवेंट लास वेगस में पांच दिनों तक चलेगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डीबीएएस का मतलब डीबी ऑल सर्विसेज है। यह पूरी तरह से प्रबंधित डेटाबेस सेवा प्रदान करेगा, और सीएलएएस का मतलब क्लाउड ऑल सर्विसेज है, जो क्लाउड नेटिव वातावरण के निर्माण और प्रबंधन के लिए क्लाउड सेवा का संदर्भ देता है। अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों उत्पाद भविष्य में जारी होने वाले टीएमएक्स के ऑल-इन-वन सुपर एप्लिकेशन की नींव बनेंगे।इवेंट के दौरान टीमैक्स अपने वैश्विक व्यवसाय के विस्तार के प्रयासों के तहत एडब्ल्यूएस के साथ एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने की भी योजना बना रहा है। टीएमएक्स क्लाउड के सीईओ जिन सेउंग-ईई भी कंपनी के भविष्य की रणनीति पर एक प्रस्तुति देंगे, जिसमें क्लाउड-नेटिव तकनीक का उपयोग भी शामिल है।

न्यू इंडिया एश्योरेंस का स्टॉक 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।

पीएसयू बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस में शुक्रवार को 17 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई।न्यू इंडिया एश्योरेंस 17 प्रतिशत बढ़कर 204 रुपये पर है। जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) बीएसई पर 12 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 297 रुपये पर है। दोनों स्टॉक 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम 7 प्रतिशत बढ़कर 662 रुपये पर है। जीआईसी ने कहा कि रेटिंग एजेंसी ने मौजूदा रेटिंग की फिर से पुष्टि की है और इसके अलावा जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को इंडिया नेशनल स्केल रेटिंग (एनएसआर) दी है। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी की सीएमडी नीरजा कपूर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही कंपनी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण तिमाहियों में से एक थी। तिमाही के दौरान बाढ़ के कारण कंपनी को कुल 301 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। लगभग 50 करोड़ के विमानन पोर्टफोलियो में प्रतिकूल विकास हुआ। कपूर ने कहा कि विदेशी परिचालन भी दबाव में आ गया क्योंकि दुबई परिचालन में जोखिम घाटे और यूके परिचालन में सीएटी घाटे के कारण तिमाही के दौरान उन्हें लगभग 71 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ। कई घटनाओं ने तिमाही के परिणामों को प्रभावित किया, मोटर और स्वास्थ्य पोर्टफोलियो ने वृद्धि दर्ज की। आगे चलकर इन लाइनों की लाभप्रदता में सुधार होना चाहिए। एजेंसी चैनल भी अच्छी गति से बढ़ने लगा है। कपूर ने कहा कि कंपनी को आगामी तिमाहियों में बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण से पूछा, अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को विश्वसनीय कैसे मान लें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वकील प्रशांत भूषण से पूछा कि शीर्ष अदालत अडानी समूह की कंपनियों पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को कैसे विश्वसनीय मान सकती है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि शीर्ष अदालत को हमारी जांच एजेंसियों पर भरोसा करना होगा क्योंकि भूषण ने सेबी द्वारा की गई जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। हमारे पास सेबी की जांच पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है। सेबी एक वैधानिक निकाय है जिसे शेयर बाजार के उल्लंघनों की जांच करने का काम दिया गया है। क्या उच्चतम न्यायालय के लिए यह उचित है - बिना किसी सामग्री के - हमारी खुद की एक एसआईटी का पुनर्गठन करना। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए भूषण ने शीर्ष अदालत से अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच के लिए किसी अन्य एसआईटी या विशेषज्ञों के समूह के गठन का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सेबी द्वारा तैयार जांच रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया गया है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, मिस्टर भूषण, उन्होंने (सेबी) जांच पूरी कर ली है। वे कह रहे हैं कि अब यह उनकी न्यायिक शक्ति में है। क्या सेबी को कारण बताओ नोटिस जारी करने से पहले जांच का खुलासा करना चाहिए? उन्होंने कहा कि जांच के तहत संस्थाओं को सुनवाई का अवसर दिए बिना सेबी अपराध का आरोप नहीं लगा सकती। सुनवाई के दौरान सेबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बाजार नियामक समय विस्तार की मांग नहीं कर रहा है और 24 में से 22 जांच को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है। शेष दो मामलों के संबंध में उन्होंने कहा कि रिपोर्ट अंतरिम प्रकृति की है और सेबी ने विदेशी एजेंसियों से जानकारी मांगी है और उसका समय सीमा पर कोई नियंत्रण नहीं है।सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार और सेबी को भविष्य में निवेशकों के नुकसान को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए।

प्रेस्टीज एस्टेट्स बेंगलुरु में 285 अपार्टमेंट बनाएगी

मुंबई (ईएमएस)। प्रेस्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि परियोजना के तहत सात लाख वर्ग फुट में दो ऊंचे टावर में 285 अपार्टमेंट बनाए जाएंगे हैं। इससे 550 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को बेंगलुरु में अपनी नई आवासीय परियोजना से 550 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। कंपनी ने बेंगलुरु के आईटी हब व्हाइटफील्ड के केंद्र में एक नया हाउसिंग प्रोजेक्ट प्रेस्टीज ग्लेनब्रुक पेश किया है। प्रेस्टीज एस्टेट्स को उम्मीद है कि आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के चलते चालू वित्त वर्ष 2023-24 में उसकी बिक्री बुकिंग 55 फीसदी बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की बिक्री बुकिंग 12,931 करोड़ रुपये रही थी।

चीन में लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का सीईओ गिरफ्तार

बीजिंग । जैक मा और जिम्मी लाई सहित कई बड़े कारोबारियों के बाद अब पुलिस ने एक प्रमुख चीनी वीडियो गेम लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डीओयूवाययू के सीईओ को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चेन शाओजी के रूप में हुई। डीओयूवाययू ने मंगलवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसके प्रमुख चेन शाओजी को दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदू में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने कहा कि उसे गिरफ्तारी की सूचना दी गई। एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार चीनी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में चेंग्दू में पुलिस ने कहा कि चेन नाम के एक 39 वर्षीय व्यक्ति को कैसीनो खोलने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। चीन के साइबरस्पेस प्रशासन द्वारा कथित अश्लील साहित्य और अश्लील सामग्री सहित प्लेटफ़ॉर्म से संबंधित गंभीर समस्याओं की जांच के लिए डीओयूवाययू का ऑनसाइट निरीक्षण शुरू करने के लगभग पांच महीने बाद चेन की गिरफ्तारी हुई।

स्मार्टफोन पर भोजन और किराने की डिलीवरी, डिजिटल भुगतान भारतीयों की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारत में एक औसत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अब सात मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहा है, इसमें डिजिटल भुगतान, भोजन और किराने की डिलीवरी पसंदीदा सेवाओं की सूची में सबसे ऊपर है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, सुविधा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनकर उभरी है, इससे मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग में वृद्धि हुई है। सीएमआर में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, उपभोक्ता हर खरीदारी में तीन चीजों की मांग करते हैं- विश्वसनीयता, भरोसा, सुविधा। अल्फा ब्रांड्स ब्रांड के उपयोगकर्ताओं, प्रमुख निर्णय निर्माताओं, नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) स्कोर, संतुष्टि के स्तर और समग्र ब्रांड ट्रस्ट भागफल सहित प्रमुख घटकों में उनके प्रदर्शन के आधार पर आए हैं। सीएमआर में उद्योग परामर्श समूह की वरिष्ठ प्रबंधक सुगंधा श्रीवास्तव ने कहा, विश्वास के साथ जुड़ी सुविधा सिर्फ एक जीत का फॉर्मूला नहीं है; यह आधुनिक व्यवसायों की जीवन रेखा है। श्रीवास्तव ने कहा, मोबाइल ऐप-आधारित ब्रांडों ने कहानी को फिर से लिखा है, उपभोक्ताओं के उत्पादों और सेवाओं को देखने और उनके साथ बातचीत करने के तरीके को नया आकार दिया है।

आईटी कंपनियों में गिरावट..... लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। जिससे सेंसेक्स 66 हजार अंक के नीचे बंद हुआ। आईटी कंपनियों के शेयरों में हाल में आई तेजी के बाद ताजा गिरावट के कारण बाजार में गिरावट दर्ज हुई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 47.77 अंक गिरकर 65,970.04 पर बंद हुआ। यह शुरूआती कारोबार में मामूली गिरावट के साथ 66,000.29 अंक पर खुला था और कारोबार के दौरान 65,894.05 अंक के निचले स्तर तक चला गया था।

इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 7.30 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट लेकर 19,794.70 पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 17 शेयर ग्रीन जबकि बाकी के लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एचसीएल टेंक के शेयर में सबसे ज्यादा 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई। साथ

ही विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस,इंफोसिस जैसी आईटी कंपनियों और टाटा मोटर्स, रिलायंस, आईटीसी के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। दूसरी तरफ, बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में रौनक देखने को मिली है। एक्सिस बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 0.91 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा सहित स्टेट बैंक और एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर पॉजिटिव नोट में बंद हुए।

डॉलर के मुकाबले रुपया

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को 0.03 फीसदी कमजोर होकर 83.36 प्रति डॉलर पर आ गया। एशिया की अन्य मुद्राओं के बीच कुछ गिरावट और विदेशी बैंकों की डॉलर मांग के चलते रुपये में कमजोरी आई है। बता दें कि टीसीएस,इंफोसिस जैसी आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के कारण बाजार में कमजोरी देखने को मिली है। साथ ही बाजार में खरीदारी के लिए कोई ठोस कारण नहीं होने की वजह से भी मार्केट को गिरावट का मुंह देखना पड़ा।

जल्द ही बाजार में मिलेगी कोका-कोला की आर्ग निक चाय

नई दिल्ली । बेवरेज कंपनी कोका-कोला इंडिया ने रेडी-टू-ड्रिंक टी बेवरेज सेगमेंट में भी प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने ऑनेस्ट टी के नाम से प्रॉडक्ट को लॉन्च कर लिया है। इसके लिए कंपनी ने रेडी-टू-ड्रिंक आइस्ड ग्रीन टी के लिए लक्ष्मी ग्रुप के प्रतिष्ठित दार्जिलिंग चाय एस्टेट, मकईबारी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। ब्रांड ऑनेस्ट टी का स्वामित्व कोका-कोला कंपनी की सब्सिडियरी कंपनी होनेस्ट के पास है। बता दें कि यह दो फ्लेवर में नींबू-तुलसी और आम में मिलेगा। ये एक तरह की ऑर्गेनिक चाय होगी। बोतलबंद आइस्ड ग्रीन टी को औपचारिक रूप से 22 नवंबर को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के दूसरे और समापन पर लॉन्च किया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पाद के लिए ऑर्गेनिक ग्रीन टी कोलकाता स्थित लक्ष्मी टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के मकाईबारी टी एस्टेट से ली जाएगी। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के सातवें एडिशन में दोनों कंपनियों के बीच इस संबंध में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि लॉन्च के पीछे का मकसद उपभोक्ताओं को व्यापक बेवरेज ऑपशन देना था। उन्होंने जानकारी दी कि आइस्ड ग्रीन टी नींबू-तुलसी और आम के वेरिएंट में आएगी।

लखनऊ में मूवी टिकट होंगे महंगे

लखनऊ। लखनऊ में मूवी लवर्स वालों के लिए बुरी खबर है। लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) ने राजस्व बढ़ाने के लिए शहर के सिनेमाघरों पर अधिक कर लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। फिलहाल प्रति शो 25 रुपये नगर निगम टैक्स वसूला जाता है, लेकिन निगम ने इसे बढ़ाकर करीब 100 रुपये करने का प्रस्ताव रखा, जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। मेयर सुषमा खरकवाल ने गुरुवार को कहा, सिनेमा हॉल पर टैक्स की समीक्षा कई सालों से नहीं की गई थी, इसलिए इसकी समीक्षा करना जरूरी है। रोजाना करीब 350 शो चलते हैं। अधिकारियों ने कहा कि अगर कर दरें बढ़ाई गईं तो एलएमसी चार गुना अधिक राजस्व अर्जित करेगी। यूपी सिनेमा फेडरेशन के एक पदाधिकारी ने कहा, फैसला लेने से पहले कम से कम हमसे सलाह ली जानी चाहिए थी। इसका असर निश्चित तौर पर आम आदमी पर पड़ेगा। अगर सिनेमाघरों पर अधिक भुगतान करने के लिए दबाव डाला जाता है, तो उन्हें टिकट की कीमतें बढ़ानी होंगी।

मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ सरकारी डेस्कटॉप टेंडरों के लिए मजबूत कदम उठाएगी लेनोवो इंडिया

पुडुचेरी।

पर्सनल कंप्यूटर (पीसी), लैपटॉप निर्माता 1.9 बिलियन डॉलर के राजस्व वाले लेनोवो इंडिया ने शुक्रवार को स्थानीय रूप से प्राप्त मदरबोर्ड के साथ अपना डेस्कटॉप लॉन्च किया, जो बदले में सरकारी आपूर्ति के लिए बोली लगाने में एक मजबूत पिच देगा।अधिकारियों ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्लास के चलते कोविड-19 अवधि के दौरान उछाल के बाद भारत में लैपटॉप की मांग अब स्थिर हो गई है। लेनोवो इंडिया यहां अपने 14 लाख यूनिट वाले प्लांट में डेस्क टॉप, लैपटॉप बनाती है। मुख्य परिचालन अधिकारी सौरभ अग्रवाल के अनुसार, मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ डेस्कटॉप का उत्पादन मशीन को भारत सरकार की प्रेफेरेंटीएल मार्केट एक्सेस (पीएमए) पॉलिसी के अनुरूप बनाता है। कंपनी ने कहा, हाल ही में आईटी हार्डवेयर योजना के लिए पीएलआई 2.0 (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) के तहत 27 कंपनियों को मंजूरी की घोषणा के साथ, लेनोवो इंडिया को पीसी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिला है और इससे भारत की मेक इन इंडिया पहल में योगदान मिलेगा। लेनोवो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वाणिज्यिक खंड का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा डेस्कटॉप का है, जो एक बड़ी संख्या है और लैपटॉप की बढ़ती बिक्री डेस्कटॉप बाजार पर ज्यादा असर नहीं डालेगी।अग्रवाल के अनुसार, यहां लेनोवो इंडिया के प्लांट में 70 प्रतिशत उत्पादन डेस्कटॉप और शेष लैपटॉप और अन्य द्वारा होता है। अधिकारियों ने कहा कि कंपनी का

पुडुचेरी संयंत्र लगभग 45 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है।पिछले साल प्लांट ने लगभग 7.4 लाख यूनिट का उत्पादन किया था और चालू वर्ष का उत्पादन लक्ष्य दस लाख यूनिट है। हर 24 सेकंड में, एक उत्पाद, डेस्कटॉप या लैपटॉप यहां असेंबली लाइन से बाहर निकलता है। हालांकि, अग्रवाल ने संख्याओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेनोवो इंडिया अपने मोबाइल फोन और टैब का निर्माण दो अनुबंध विनिर्माण स्थानों पर करता है।

लैब में बने हीरों की कीमतें तेजी से कम हुईं

नई दिल्ली । पिछले आठ साल में डायमंड कारोबार में बड़े बदलाव देखे गए हैं। प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे यानी लैब-ग्रोन डायमंड की कीमत में बहुत तेजी से गिरी है। इस गिरावट के कारण इस सेक्टर में हुआ निवेश खतरे में पड़ गया है। पहली बार जब वाणिज्यिक रूप से एलजीडी सामने आए थे, तब इन्हें प्राकृतिक हीरे की तुलना में पर्यावरण की दृष्टि से ज्यादा सुरक्षित विकल्प माना गया था। 2016 में 1-कैरेट कृत्रिम हीरे की कीमत प्राकृतिक हीरे की तुलना में बमुश्किल 10 प्रतिशत कम थी। हालांकि 2022 के अंत तक अलग-अलग मैन्यूफैक्चररों के हिसाब से इनकी कीमतों में अंतर 80 प्रतिशत तक हो गया है। एक अध्ययन में पता चला है कि पिछले छह साल में एलजीडी की लागत 74 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि हल्के उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में प्राकृतिक हीरे की कीमतों में औसतन सालाना 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्राकृतिक हीरे में किए गए निवेश की कीमत और इनकी सस्टेनेबिलिटी को लेकर नैचुरल डायमंड काउंसिल (एनडीसी) की डायमंड फैक्ट्स रिपोर्ट में तस्वीर स्पष्ट की गई है। इस व्यापक रिपोर्ट में डायमंड इंडस्ट्री से जुड़े भ्रमों को दूर किया गया है और यह भी दिखाया गया है कि कैसे सदियों में प्राकृतिक हीरे ने खुद को साबित किया है और ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प साबित हुआ है।

कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

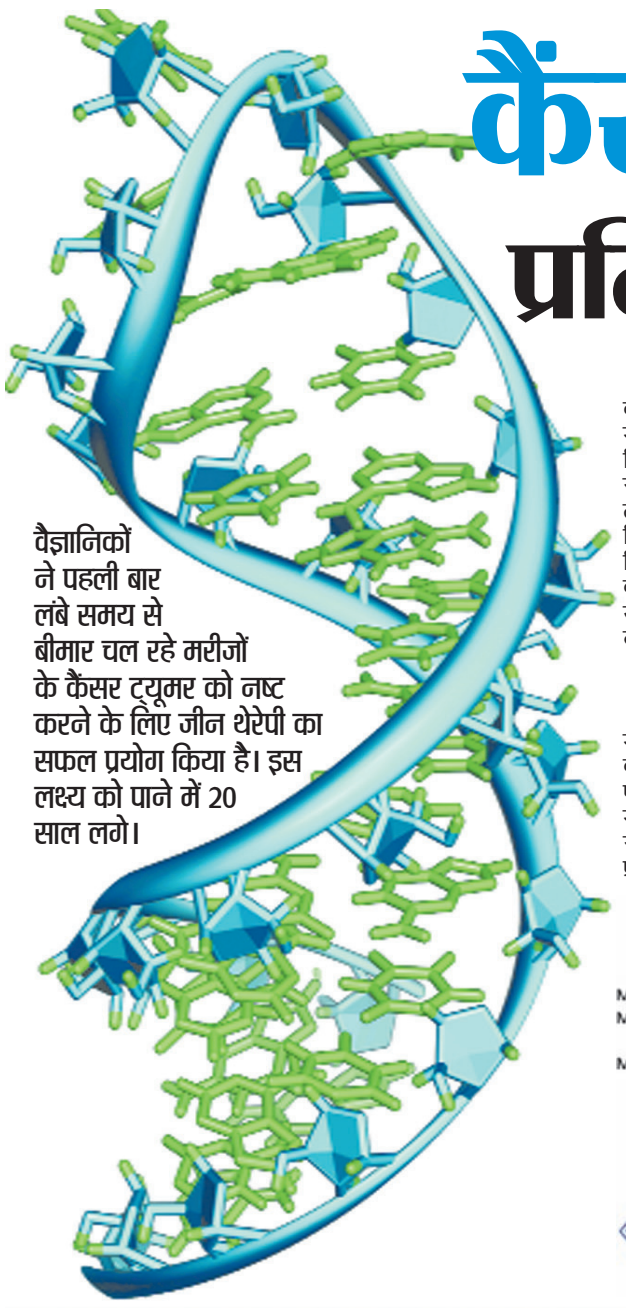

वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

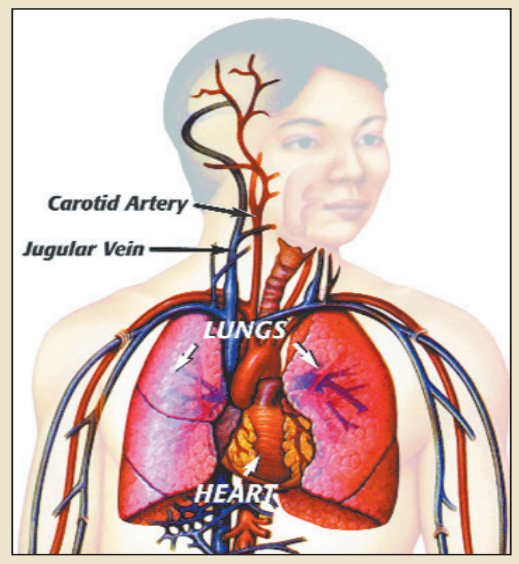

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइए। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3014

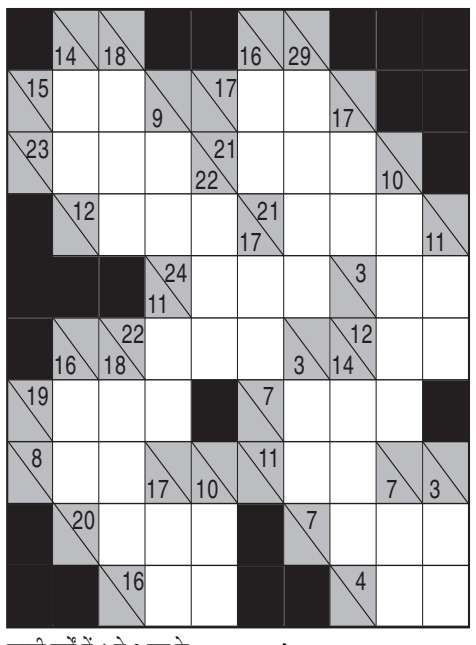

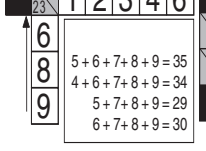

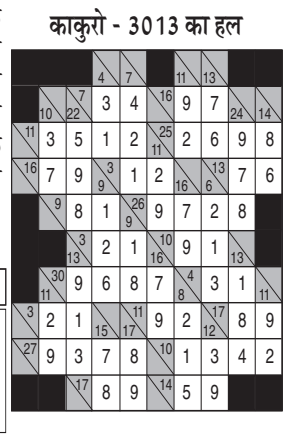

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23 → 1 2 3 4 6; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3013 का हल

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा- 'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली- 'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला- 'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा- 'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा- 'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला, ''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

□ □ □

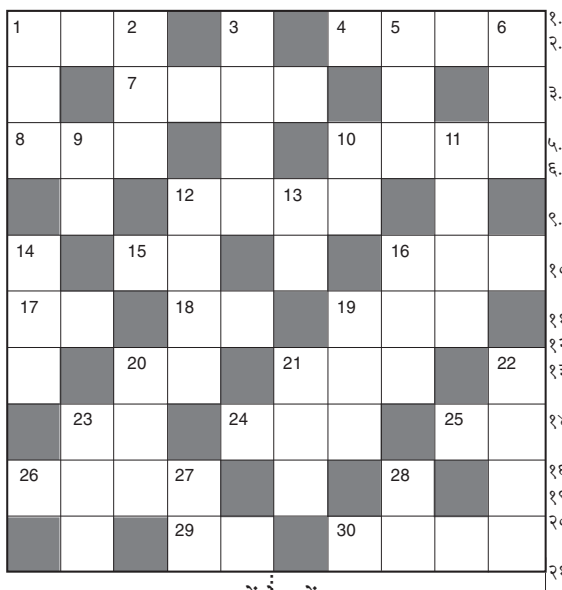

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा- ''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3014

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3013

सूडोकु -3014

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3013 का हल

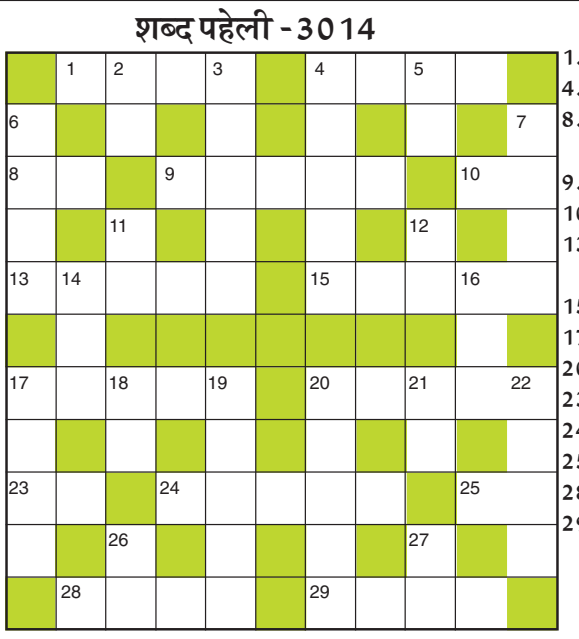

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली -3014

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3013 का हल

सूर्यकुमार ने तोड़ा रोहित का रिकॉर्ड...अब खतरे में आया कोहली का रिकॉर्ड

-मैंच में सूर्यकुमार के नाम दर्ज हुए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 मैच में धमाकेदार पारी खेली। सूर्यकुमार को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सूर्या ने इस दौरान रोहित शर्मा के एक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अब सूर्या के निशाने पर कोहली का 'विराट' रिकॉर्ड है, जो इस सीरीज में सूर्यकुमार ध्वस्त कर सकते हैं। यानी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इस मामले में वह रोहित और विराट को पछाड़कर टॉप पर पहुंच सकते हैं। दरअसल, सूर्यकुमार ने पहले टी20 मैच में 42 गेंदों पर 80 रन की पारी खेली जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 2 विकेट से जीत में अहम रोल अदा किया। सूर्या को टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 13वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने इस दौरान रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ा। रोहित को 148 टी20 मैचों में 12 बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है वहीं सूर्यकुमार ने 54 मैचों में यह मुकाम हासिल किया है। लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जो 115 मैचों में 15 बार इस खिताब को जीत चुके हैं। सूर्यकुमार के पास इस सीरीज में विराट से आगे निकलने और बतौर भारतीय टी20 में टॉप पर पहुंचने का मौका है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी में डेब्यू करते हुए यह अवॉर्ड जीतने वाले सूर्यकुमार दूसरे भारतीय हैं। इसके पहले यह उपलब्धि पेसर जसप्रीत बुमराह हासिल कर चुके हैं। बुमराह को इसी साल आयरलैंड दौरे पर कप्तान बनाया गया था जहां उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। सूर्या बतौर कप्तान डेब्यू मैच में बेस्ट पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम था जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 62 रन की पारी खेली थी। सूर्यकुमार ने नंबर 3 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सिक्स की सेंचुरी भी पूरी की। यह कारनामा करने वाले वह ओवरऑल तीसरे जबकि भारतीयों में दूसरे खिलाड़ी हैं। सूर्यकुमार से पहले यह उपलब्धि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली हासिल कर चुके हैं। इतना ही नहीं टीम इंडिया ने सूर्या की कप्तानी में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी रन चेज की।

राशिद खान की हुई कमर की सर्जरी, अफगान क्रिकेट ने दी जानकारी

लंदन (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान की ब्रिटेन में कमर की छोटी सी सर्जरी हुई हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके जल्द ही ठीक होने की उम्मीद है। यह करिश्माई स्पिनर हालांकि सात दिसंबर से शुरू होने वाली बिग बैश लीग में नहीं खेल पाएगा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी बयान में कहा गया कि राशिद का ब्रिटेन में एक शीर्ष सर्जन ने ऑपरेशन किया। राशिद ने हाल में संपन्न विश्व कप में इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एसीबी ने 'एक्स पर बयान में कहा, 'अफगान क्रिकेट सनसनी राशिद खान की ब्रिटेन में प्रसिद्ध सर्जन डॉ. जेम्स के मार्गदर्शन में कमर की छोटी सर्जरी हुई। उन्हें कुछ समय के लिए आराम दिया गया है और उनके जल्द ही उबरने की उम्मीद है। साथी क्रिकेटर मोहम्मद नबी ने सर्जरी के बाद राशिद की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, जल्द ठीक हो जाओ राजा। गुरुवार को राशिद की बिग बैश लीग टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स ने घोषणा की थी कि राशिद का जल्द ही एक छोटा ऑपरेशन किया जाएगा। वह 2017 से स्ट्राइकर्स के लिए खेल रहे हैं।

युवी-धोनी की जगह लेने को तैयार तिलक और रिंकू सिंह

रायपुर (एजेंसी)। विश्वकप के फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद से सवाल उठे हैं, कि विश्व चैम्पियन बनने के लिए टीम में युवराज सिंह और महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए। दरअसल, भारतीय टीम ने पिछले कुछ सालों में बड़े मैचों में

युवराज और धोनी को काफी मिस किया है, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले करीब 15 वर्षों से टीम के मिडिल और लोअर ऑर्डर की जिम्मेदारी संभाल रखी थी। युवराज जहां नंबर-4 पर आकर टीम को स्थिरता प्रदान करते थे, वहीं धोनी नंबर-6 पर आकर फिनिशर की भूमिका निभाते थे। युवी और धोनी के रिटायर होने के बाद टीम को आजतक इन दोनों खिलाड़ियों का सही विकल्प नहीं मिल सका है।

लेकिन अब टीम ने युवी और धोनी का विकल्प तलाश लिया है। उनकी जगह लेने को तिलक वर्मा और रिंकू सिंह नाम के युवा खिलाड़ी तैयार हैं। तिलक की भूमिका युवराज जैसी और रिंकू का रोल धोनी जैसा हो सकता है। युवी की तरह तिलक भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं। इसके अलावा वह पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाजी करके भी टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। वहीं, धोनी का विकल्प रिंकू हो सकते हैं, जिन्होंने आईपीएल के पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए शानदार पारियां खेलने के अलावा गुजरात टाइटन्स के खिलाफ एक मैच में के आखिरी पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरी थी। अब रिंकू भारतीय टीम के लिए भी वहीं जिम्मेदारी निभाना शुरू कर चुके हैं। रिंकू को भारतीय टीम में नंबर-6 और 7 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है। वह निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। रिंकू की बड़े शॉट्स खेलने की काबिलियत और विपरित परिस्थितियों में हार न मानने का जज्बा भविष्य में उन्हें धोनी जैसा फिनिशर बना सकता है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए विराट और रोहित को चुना जाना चाहिए : पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 इंटरनेशनल भविष्य के बारे में अटकलों के बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम का मानना है कि भारत को आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए दोनों अनुभवी सितारों को अपनी टीम में चुनना चाहिए। भारत के नवंबर 2022 में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद से रोहित और विराट सबसे छोटे प्रारूप से गायब हैं। कप्तान रोहित के ज्यादातर अनुपस्थित रहने पर हार्दिक पांड्या ने 2023 में टी20आई में भारतीय टीम का नेतृत्व किया है।

इससे पहले रोहित शर्मा ने इस साल की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिककिंगडम अकादमी के अगस्त लॉन्च के दौरान टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया था। कई लोगों का मानना है कि यह इस बात का संकेत था कि वह इसमें खेलेंगे या नहीं। वसीम अकरम ने कहा, 'टी20 विश्व

कप कुछ ही महीने दूर है। मैं दोनों (रोहित शर्मा और विराट कोहली) को चुनूंगा। वे भारत के लिए मुख्य खिलाड़ी होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। टी20 में आपको थोड़े अनुभव की जरूरत है। आप केवल युवा खिलाड़ी पर भरोसा नहीं कर सकते।'

रोहित ने 148 मैचों में 3853 रनों का प्रभावशाली टी20आई रिकॉर्ड बनाया है जिसमें लगभग 140 रन हैं, जिसमें चार शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि कोहली 115 मैचों में 4008 रन, एक शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ अग्रणी रन-स्कोरर हैं। भारत के पास शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा सलामी बल्लेबाजों की एक मजबूत श्रृंखला है जो आईपीएल में सिद्ध कलाकार हैं। हालांकि, यदि युवा प्रतिभाएं लड़खड़ाती हैं, तो चयनकर्ता या बीसीसीआई रोहित से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर सकते हैं।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने रोहित को विश्व कप में न केवल एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में बल्कि एक कप्तान के रूप में शामिल करने की वकालत की है। गंभीर ने कहा, 'उन्हें (रोहित और कोहली) दोनों को चुने जाने की जरूरत है, दोनों को चुना जाना चाहिए और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं रोहित शर्मा को टी20 विश्व कप में कप्तान के रूप में देखना चाहता हूं।'

डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए मो. कैफ को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की हार के बाद जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ टीम इंडिया की तारीफों के कसीदे गढ़े तो ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए भी चुनौती दे डाली। डेविड वॉर्नर वर्ल्ड कप के बाद इन दिनों सोशल मीडिया पर पूरी तरह एक्टिव दिख रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वॉर्नर अगले वर्ल्ड कप के लिए फिर चेतावनी दे रहे हैं। उनके कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे थे। लेकिन अब

ऑस्ट्रेलिया के पुष्पा ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर को करारा जवाब दे दिया है। जब मोहम्मद कैफ ने टीम इंडिया की हार के बाद बयान दिया था, 'मैं ये स्वीकार नहीं करता कि बेस्ट टीम वर्ल्ड कप विनर होती है, टीम इंडिया पेपर्स में बेस्ट टीम है।' एक फैन द्वारा कैफ के इस बयान को पोस्ट किया गया, जिसपर डेविड वॉर्नर ने खरा रिप्लाई किया है। उन्होंने सीधे 2027 वर्ल्ड कप की चेतावनी दे डाली है। मोहम्मद कैफ के बयान पर डेविड वॉर्नर ने लिखा, 'मुझे पसंद है एमके (मोहम्मद कैफ), मुद्दा यह है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कागज पर क्या है? अंत में आपको तब प्रदर्शन करना होगा जब इसकी जरूरत हो, इसलिए इसे फाइनल कहते हैं। यही वह दिन है जो मायने रखता है और यह किसी भी दिशा में जा सकता है, यह खेल है। 2027 फिर आते हैं।' बता दें ?कि वर्ल्ड कप से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि डेविड वॉर्नर का यह आखिरी वर्ल्ड कप होगा। वे 37 साल के हो चुके हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने खेल वेबसाइट पर जो रिप्लाई किया, उससे कहा जा सकता है कि वे अगले वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा होंगे। वॉर्नर ने उसपर लिखा, 'किसने कहा मेरा काम खत्म हो गया है।'

वर्ल्डकप ट्राफी के अपमान पर भड़की उर्वशी रौतेला, मिशेल मार्श को दे डाली नसीहत

मुंबई । आईसीसी वर्ल्डकप फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, जिससे भारतवासियों का दिल टूट गया था और सबसे ज्यादा तब लोगों को बुरा लगा, जब ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ी मिशेल मार्श वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर पैर रखे नजर आए। वहीं, मिशेल द्वारा ट्रॉफी के इस तरह अपमान पर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का भी खूब खौल उठा। उर्वशी ने ऑस्ट्रेलियन टीम को नसीहत दे डाली है। दरअसल, वर्ल्ड कप मैच जीतने के बाद, पैट कमिंस ने अपने अकाउंट पर फोटो शेयर की थी, जिसमें मार्श अपने दोनों पैर ट्रॉफी के ऊपर रखे नजर आए थे। वहीं, अब उर्वशी ने इस पर अपनी भड़ास निकालते हुए अपनी वहां तस्वीरें शेयर की, जब उन्होंने पेरिस में आइफिल टावर के नीचे इस ट्रॉफी की पहली झलक दिखाई थी। साथ ही मिशेल मार्श द्वारा ट्रॉफी का अपमान करने का फोटो शेयर कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को नसीहत देकर लिखा है, मार्श, भाई जरा वर्ल्ड कप ट्रॉफी के प्रति सम्मान रखिए, केवल कूल दिखने के लिए उन्होंने अपना पैर इस ट्रॉफी पर रखा है। उर्वशी के इस पोस्ट पर यूजर्स के खूब रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कई उनकी इस नसीहत का सपोर्ट कर रहे हैं तब कई उन्हें ही ट्रोल कर रहे हैं। बता दें, उर्वशी रौतेला ने ही पहली बार फ्रांस के पेरिस में आइफिल टावर के नीचे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी की पहली झलक दुनिया को दिखाई थी। ऐसा करने वाली वह पहली अभिनेत्री बनीं।

मिचेल मॉर्श के व्यवहार से आहत हूं : शमी

नई दिल्ली। वर्ल्डकप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की टीम इंडिया पर छह विकेट की खिताबी जीत के बाद हरफनमौला मिचेल मॉर्श का वर्ल्डकप ट्रॉफी को अपने पैर के नीचे दबाए हुए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मॉर्श की हर कोई निंदा कर रहा हैं। वर्ल्डकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने

भी मिचेल मॉर्श के इस व्यवहार की आलोचना की है। उन्होंने कहा, मैं आहत हूं। जिस ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सारी टीमें और उनके प्लेयर इतनी मेहनत मशक्कत करते हैं, जिसे आप अपने सिर पर उठाना चाहते हैं, पैर रखकर किसी को उसका इस तरह अपमान करते हुए देखकर मुझे अफसोस हुआ है। शमी ने कहा कि वर्ल्डकप ट्रॉफी के लिए सम्मान नहीं जताने के मिचेल के व्यवहार से वे आहत हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शमी ने सबसे अधिक 24 विकेट लिए, उन्होंने सात मैचों में 10.70 के औसत, 5.26 की इकोनॉमी और 12.20 के स्ट्राइक रेट से यह विकेट लिए जिसमें तीन बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट शामिल रहे। शमी ने कहा आमतौर पर बॉलर मैच से पहले मैदान में जाकर पिच का निरीक्षण करते हैं लेकिन मैं कभी भी विकेट के पास नहीं जाता क्योंकि जब आप इस पर बॉलिंग करते हैं तभी पता चलता है कि यह यह किस तरह का व्यवहार कर रही है। इसके बाद इसका दबाव क्यों लेना? बेहतर यही है कि आप इस ज्यादा से ज्यादा सिंपररखें और अपने आपको रिलेक्स रखें तभी आप बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

सात्विक और चिराग की जोड़ी चीन मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष जोड़ी ने चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय युगल जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16 21-14 से हराया।

इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 जीतने वाले सात्विक और चिराग के सामने अंतिम चार में चीन की जोड़ी की चुनौती होगी। चीन की दो जोड़ियों के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हे जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और ओयू जुवान यी से भिड़ेगी। विश्व रैंकिंग की पूर्व शीर्ष भारतीय जोड़ी ने

अपने खेल में शानदार समन्वय दिखाया। दोनों लगातार अपनी जगह को बदलते रहे और बीच-बीच में करारे प्रहार करते हुए उन्होंने इंडोनेशिया की जोड़ी को दबाव में डाल दिया। मैच की शुरुआत में दोनों जोड़ियों के बार करीबी मुकाबला था।

पहले ब्रेक के बाद स्कोर 14-14 की बराबरी पर पहुंचा लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अपनी गति को बढ़ाया। चिराग ने इस दौरान शटल और कोर्ट की सीमारेखा पर शानदार समझ दिखाते हुए स्कोर को 19-16 से अपने पक्ष में कर दिया। उन्होंने दो और करारे प्रहार के साथ पहला गेम भारत के नाम किया। पहले गेम के आखिर में मिली लय को भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में जारी रखने में सफल रही। उन्होंने 5-2 की बढ़त हासिल करने के बाद नेट पर शानदार नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक के समय 11-6 की बढ़त बना ली। ब्रेक के अल्प विश्राम के बाद भी भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के खिलाड़ियों को कोई मौका नहीं दिया और 17-10 के स्कोर के साथ अपना दबदबा कायम रखा।

इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच 48 शॉट की लंबी रैली चली जिसे मार्टिन के कमाल के स्मैश से इंडोनेशिया ने जीता। मार्टिन ने एक और करारा प्रहार किया लेकिन इस बार शटल नेट से टकरा गयी जिससे भारतीय जोड़ी को सात मैच अंक मिले और उन्होंने वीडियो रेफरल की मदद से पहले प्रयास में ही इसे भुनाने में कोई गलती नहीं की।

यौन उत्पीड़न का मामला : ब्राजील के फुटबॉलर के लिए 9 साल की जेल की मांग

मैड्रिड । स्पेन की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि पिछले साल एक महिला के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ी दानी अल्वेस के लिए अभियोजन पक्ष के वकीलों ने 9 साल की जेल की सजा की मांग की है। अल्वेस को 30 दिसंबर को बार्सीलोना के एक नाइट क्लब में महिला के साथ दुराचार करने के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें अगस्त में इस मामले में दोषी ठहराया गया था और अदालत ने कहा था कि उनके खिलाफ मुकदमा शुरू करने के लिए पर्याप्त सबूत है। सुनवाई की तारीख अभी तक निर्धारित नहीं की गई है। अल्वेस ने हालांकि किसी भी गलत काम से इनकार किया है, उन्होंने दावा किया है कि आरोप लगाने वाली महिला के साथ उन्होंने सहमति से यौन संबंध बनाए थे। अभियोजक चाहते हैं कि अल्वेस पीड़िता को हर्जाने के तौर पर 150,000 यूरो (1.36 करोड़ रुपये) का भुगतान करे और उससे 10 वर्षों के लिए किसी भी तरह का संपर्क रखने पर प्रतिबंध लगाया जाए। वे यह भी चाहते हैं कि जेल की सजा काटने के बाद एक दशक तक अल्वेस की निगरानी की जाए। ब्राजील का यह 40 साल का खिलाड़ी जनवरी से 'प्री-ट्रायल (मुकदमा शुरू होने से पहले)' जेल में है। उन्हें अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद गिरफ्तार किया गया था। अल्वेस की ओर से जमानत के सभी अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया गया है क्योंकि अदालत ने माना वह देश छोड़ कर भाग सकते हैं। इस खिलाड़ी ने अदालत के फैसले का इंतजार करते हुए अपने पासपोर्ट जमा करने और 'ट्रैकिंग डिवाइस' पहनने की पेशकश की थी। अल्वेस ने 42 फुटबॉल खिताब जीते, जिनमें बार्सीलोना के साथ तीन चैंपियंस लीग और ब्राजील के साथ दो कोपा अमेरिका खिताब भी शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल कतर में अपना तीसरा विश्व कप खेला था। उनके वकीलों ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास, डेविस कप टेनिस जीतने वाले सबसे सफल सर्बियाई खिलाड़ी बने

तूरिन (इटली)। नोवाक जोकोविच गुरुवार को लगातार 21वीं एकल जीत के साथ डेविस कप टेनिस इतिहास के सबसे सफल सर्बियाई खिलाड़ी बने जिससे उनकी टीम ने तीन साल में दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने कैमरन नोरी को 6-4, 6-4 से हराकर सर्बिया को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 2-0 की जीत दिलाई। वहीं अब सर्बिया का मुकाबला इस शीर्ष पुरुष टीम प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में सोमवार को इटली से होगा। वहीं, जीत के बाद जोकोविच ने कहा, ''देश के लिए खेलना हमेशा सबसे ज्यादा दबाव और प्रेरणा भरा होता है। लंबे सत्र के बाद हम पैरों में थकान महसूस कर सकते हैं। अब हमें इटली ने खेलना है। वे काफी मजबूत टीम हैं। हम कड़ी टक्कर देंगे।'' इसके साथ ही जोकोविच की यह डेविस कप में रिकॉर्ड 44वीं जीत थी जिससे वह नेनाद जिमोनजिच से एक जीत आगे निकल गए हैं। जोकोविच देश के लिए 10 एकल मुकाबले जीत चुके हैं। दूसरी तरफ इटली ने क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे सत्र में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले मैच में नीदरलैंड के बोटिच वान डि जेंड्सशुल्प ने अंतिम टाईब्रेकर में तीन मैच प्वाइंट बचाने के बाद मातियो अर्नाल्डी को 6-7 (6) 6-3 7-6 (7) से हराकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

रमीज राजा का बेतुका दावा....क्रिस्टियानो रोनाल्डो का डाइट प्लान नासा तैयार करता

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व प्रमुख रमिज राजा क्रिस्टियानो रोनाल्डो के डाइट प्लान पर अपनी टिप्पणी को लेकर फिर सुर्खियों में हैं। एक इंटरव्यू में पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया कि रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार रोनाल्डो का डाइट प्लान नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है। राजा ने कहा, रोनाल्डो का जो डाइट प्लान है, वहां नासा के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया जाता है। रोनाल्डो को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों में से एक माना जाता है और उन्होंने कुछ रिकॉर्ड बनाए हैं जिन्हें तोड़ना मुश्किल है। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो हाल ही में जनवरी 2023 में सऊदी क्लब अल नासर में शामिल हुए जिसके बाद उन्होंने अपनी नई टीम के लिए 42 मैच खेलकर और 36 गोल किए। सऊदी प्रो लीग के मौजूदा सीजन में 38 वर्षीय खिलाड़ी ने रियाद स्थित क्लब के लिए 12 मैचों में भाग लिया और 13 गोल किए। रोनाल्डो ने 2023-24 सीजन में एएल नासर के लिए सात सहायता भी की। इससे पहले पुर्तगाली सुपरस्टार जुवेंटस छोड़ने के बाद 2021 में अपने बचपन के क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में लौट आए थे हालांकि, पियर्स मॉर्गन के साथ एक विवादास्पद साक्षात्कार में यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हाग को लताड़ लगाने के बाद इंग्लिश क्लब में उनका कार्यकाल बहुत अच्छा नहीं रहा। रोनाल्डो के यह दावा करने के बाद कि टेन हाग पुर्तगाली खिलाड़ी का सम्मान नहीं करते, यूनाइटेड ने 38 वर्षीय खिलाड़ी का अनुबंध समाप्त कर दिया।

डेविस कप : सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद ने पाकिस्तान जाने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो शीर्ष एकल खिलाड़ियों सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) को बता दिया है कि वह आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे, जिससे नाराज राष्ट्रीय संघ ने खिलाड़ियों के इस रवैये पर अपनी अगली कार्यकारिणी की बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है।

नागल भारत के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। उनकी विश्व रैंकिंग 141 है जबकि मुकुंद 477 विश्व रैंकिंग के साथ भारतीय खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने सूचित कर दिया है कि वे फरवरी में होने वाले विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने हालांकि इसका कोई ठोस कारण नहीं बताया है।

नागल इसलिए नहीं खेलना चाहते हैं क्योंकि यह मुकाबला ग्रास कोर्ट पर होगा। इस तरह के कोर्ट पर वह अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। मुकुंद ने निजी कारणों से इस मुकाबले से हटने का फैसला किया है। एआईटीए के सूत्रों ने कहा, 'नागल ने काफी पहले टीम प्रबंधन को बता दिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन्हें ग्रास कोर्ट पर खेलना पसंद नहीं है।'

वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय चुनौती की अगुवाई रामकुमार रामनाथन करेंगे जिनकी 'सर्व और वॉली' की शैली इस तरह के कोर्ट के अनुकूल है। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली टीम वर्ष 2024 में विश्व ग्रुप एक में बनी रहेगी। भारत के पास दूसरा विकल्प दिग्विजय प्रताप सिंह है जिन्होंने इस साल सितंबर में मोरक्को के खिलाफ डेविस कप में पदार्पण किया था।

रोहन बोपन्ना पहले ही संन्यास ले चुके हैं और एकल में अपने शीर्ष खिलाड़ी नागल की अनुपस्थिति में भारत प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगा, जबकि पाकिस्तान का दारोमदार भी दो उम्र दराज खिलाड़ियों अकील खान और ऐसाम उल हक कुरैशी पर टिका है। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि राष्ट्र की तरफ से खेलने के लिए उन्हें एक बार भी सोचना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह गलत है। जब देश की तरफ से खेलने की बात आती है तो आप पीछे क्यों हट जाते हैं। मैंने यह मामला कार्यकारी समिति को सौंप दिया है।'

धूपर ने कहा, 'मेरा सिद्धांत है कि जब भारत का प्रतिनिधित्व करने की बात आती है तो खिलाड़ियों के पास कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। लेकिन फैसला मेरे हाथ में नहीं है। इस पर फैसला कार्यकारिणी करेगी। अगर खिलाड़ी अस्वस्थ या चोटिल है तो बात समझी जा सकती है लेकिन यह पहला अवसर नहीं है जबकि मुकुंद ने देश की तरफ से खेलने से इनकार किया है। वह पहले भी दो बार ऐसे कर चुका है।'

इससे पहले 2019 में भी भारत को पाकिस्तान में खेलना था लेकिन सुरक्षा कारणों से एशिया ओसियाना ग्रुप एक का यह मुकाबला कजाकिस्तान में खेला गया था। भारत ने इस बार भी तटस्थ स्थल पर मैच करवाने के लिए प्रयास किए थे लेकिन डेविस

कप समिति ने एआईटीए की अपील नामंजूर कर दी थी। धूपर ने कहा, 'डेविस कप समिति ने हमारा प्रस्ताव नामंजूर कर दिया है और हमने इस फैसले को खेल पंचाट में चुनौती दी है। अगर हमें पाकिस्तान जाना पड़ेगा तो फिर हमारे पास कोई विकल्प नहीं होगा और इस मुकाबले के लिए हमें अच्छी तैयारी करनी होगी।

पाकिस्तान भी भारतीय टीम की मेजबानी करने का इच्छुक है तथा पाकिस्तान टेनिस महासंघ पहले ही कह चुका है कि अगर मैच स्थल बदला जाता है तो वह इस मुकाबले से हट जाएगा। भारत अगर इस दौरे पर जाता है तो यह पिछले 59 वर्षों में डेविस कप टीम का पहला पाकिस्तान दौरा होगा। भारतीय डेविस कप टीम ने आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था और उस मुकाबले में 4-0 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी ने तीन बार भारत का दौरा किया है। भारत अभी तक डेविस कप में पाकिस्तान से नहीं हारा है।

17 दिन तक नाबालिग हुई डिजिटल अरेस्ट, खाते से निकलवा लिए 2.5 लाख

– ठगों द्वारा लोगों से पैसे निकलवाने का नया तरीका है डिजिटल अरेस्ट

नई दिल्ली । हरियाणा के फरीदाबाद में एक 17 वर्षीय लड़की को लगभग को 17 दिन के लिए उसके घर में डिजिटली अरेस्ट कर लिया गया। इस बारे में वह अपने परिवार के सदस्यों तक को नहीं बता पाई। इस दौरान उसके अकाउंट से 2.5 लाख रुपये भी निकलवा लिए गए। बता दें कि यह ठगों द्वारा लोगों से पैसे निकलवाने का नया इजाद तरीका है। पीड़िता को फोन करके बताया गया कि कंबोडिया जा रहे एक पार्सल से पीड़िता का आधार नंबर लिंक है। इस पार्सल में कई फर्जी पासपोर्ट और अन्य कार्ड हैं। पीड़िता को बताया जाता है कि वह मानव तस्करी के अवैध कारोबार में संलिप्त है। ठगों द्वारा फोन लखनऊ कस्टम अधिकारी बनकर किया जाता है। उससे कहा जाता है कि अगर वह पार्सल उसका नहीं है तो लखनऊ के संबंधित थाने में जाकर एफआईआर दर्ज कराए। पीड़िता को इसके बाद स्काइप कॉल करने के लिए कहा जाता है। घबराई हुई नाबालिग लड़की ऐसा ही करती है और फिर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो जाती है। स्काईप कॉल पर पीड़िता को फर्जी थाना और पुलिस अधिकारी दिखाए जाते हैं। स्काईप पर ही उसे फर्जी कस्टम और सीबीआई अधिकारी भी दिखाए जाते हैं। इसके बाद लड़की को कहा जाता है कि अब ठगों के साथ लगातार संपर्क में बनी रहे। वह फोन पर या स्काइप उनसे जुड़ी रहेगी। साथ ही इस बात की जानकारी भी घर के किसी सदस्य व दोस्तों को नहीं दे सकती। लड़की ने ऐसा ही किया। पीड़िता उच्च शिक्षा लेने के लिए विदेश जाने की तैयारी कर रही थी तो घर वालों को लगा कि वह पढ़ाई से संबंधित किसी काम में व्यस्त है। करीब 17 दिन तक यह खेल चलता रहा। पीड़िता का दावा है कि इतने दिन उसे घर से बाहर नहीं निकलने दिया गया और ना ही फोन से डिस्कनेक्ट होने दिया गया। इस बीच सेटलमेंट के नाम पर अधिकारी बने ठगों ने उससे पैसे मांगना शुरू कर दिया था। उससे पहले 15 लाख रुपये की मांग की गई। जब पीड़िता ने कहा कि उसके पास इतने पैसे नहीं हैं तो उसे कहा गया कि वह अपने घर के लोगों व रिश्तेदारों से पैसे मांगकर उन्हें दे। हालांकि, पीड़िता ने ऐसा नहीं किया और उसने कहा कि उसके अकाउंट में पढ़ाई के लिए जमा 2.5 लाख रुपये रखे हैं। यही पैसे उसने ठगों को दे दिए। इसके बाद उन्होंने फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। जब पीड़िता ने यह बात घर वालों को बताई तो उन्हें समझ आया कि वह डिजिटल फॉड का शिकार हो गई है।

किसान प्रदर्शन से 6 गाड़ियां रद्द, 33 का मार्ग परिवर्तित

–गन्ने की एमएसपी वृद्धि सहित लंबित मांगों के निराकरण को लेकर चौथे दिन भी जारी रहा किसान प्रदर्शन

चंडीगढ़ । गन्ने की एम.एस.पी. बढ़ाने सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन शुक्रवार चौथे दिन भी जारी है। इससे नैशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ। धरने के कारण तीसरे दिन भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने अलग रास्ते निकाल कर ट्रैफिक को डायवर्ट किया हुआ था लेकिन इसके बावजूद बहुत दूर तक लोग जाम में पूरा दिन फंसे रहे। मरीज को लेकर जा रही एक एम्बुलैंस भी 1 घंटे से अधिक समय तक जाम में अपनी जगह से इधर-उधर नहीं हो सकी। आंदोलन को देखते हुए रेल विभाग ने 24 नवम्बर को भी कई गाड़ियां रद्द रखने की सूचना जारी की है जिसमें चंडीगढ़-अमृतसर, अमृतसर-हिसार, लुधियाना-अंबाला कैंट सहित कुल 6 गाड़ियों को रद्द रखा जाएगा। 18 रेलगाड़ियों को शार्ट टर्मीनेट कर बीच रास्ते वापस लौटाया जाएगा और 33 रेलगाड़ियों को रूट बदल कर चलाया जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर को 12 बजे किसान रेल ट्रैक पर बैठ गए थे, जिसके बाद कोई भी ट्रेन वहां से नहीं निकल सकी। कटिहार एक्सप्रैस ट्रेन पीछे से आकर चहेड़ू के पास खड़ी रही और उसमें सवार यात्रियों को बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ईडी ने अभिनेता प्रकाश राज को भेजा समन

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता प्रकाश राज पोंजी और धोखाधड़ी के मामले में ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की रडार पर आ गए हैं। करीब सौ करोड़ के इस कथित घोटाले को लेकर समन भेजा है। अभिनेता को ईडी ने तिरुचिरापल्ली स्थित प्रणव ज्वेलरी ग्रुप के खिलाफ कथित 100 करोड़ रुपये के पोंजी और धोखाधड़ी मामले में समन भेजा है। सवाल जवाब के लिए ईडी के दफ्तर पहुंचना होगा। पूछताछ के पीछे एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि प्रकाश राज इस कंपनी के ब्रांड एंबेसडर रहे हैं इसलिए पोंजी घोटाले में पूछताछ की जाएगी। उन्हें अगले हफ्ते चेन्नई में ईडी के सामने पेश होना होगा। फिल्म अभिनेता प्रकाश राज पहली बार कानूनी पचड़े में नहीं फंसे है। इससे पहले वे चंद्रयान 3 मिशन पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया था। जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। एक्टर ने एक्स पर एक मजाकिया पोस्ट शेयर किया था, जिसके बाद हिंदू संगठनों ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी।उन्होंने 'चंद्रयान 3' पर एक कार्टून शेयर किया था। जिसमें कार्टून लुंगी पहने हुए एक मग से दूसरे मग में चाय डालता दिख रहा था। इसे

तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, 'चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर से चांद की आने वाली पहली तस्वीर'। दरअसल वह कार्टून पूर्व इसरो के प्रमुख के सिवान का था। इसके बाद प्रकाश राज को देशद्रोही भी कहा गया था। प्रकाश राज वो एक्टर हैं जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते रहते हैं। वह सोशल मीडिया या अपने इंटरव्यू में बेबाकी से अपनी राय रखते हैं जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना भी करना पड़ता है। वह हर मुद्दे पर अपनी राय रखते हैं। आपको बता दें कि 20 नवंबर को ईडी ने तिरुचिरापल्ली स्थित प्रणव ज्वैलर्स पर छापेमारी की थी। ईडी ने इस कार्रवाई में प्रणव ज्वेलर्स के यहां कुछ कागजात मिले जिसमें करीब 23 लाख 70 हजार रुपये का संदिग्ध लेनदेन पाया है। इसके साथ ही ईडी ने 11 किलो 60 ग्राम सोने के गहने जब्त किए हैं। प्रकाश राज, प्रणव ज्वेलर्स का एंड्रोसेमेंट करते हैं इसलिए अब जांच में उन्हें भी नोटिस भेजा गया है।

10 लाख डॉलर नहीं दिये जाने पर मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई । बिटकॉइन के रूप में 10 लाख डॉलर की धमकी पर मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने संबंधी ईमेल की मुंबई की सहार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। सूत्रों के अनुसार इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) को गुरुवार को मिले एक धमकी भरे ई मेल में लिखा है कि बिटकॉइन के रूप में 10 लाख डॉलर दो, वरना अगले 48 घंटे में टर्मिनल 2 को बम से उड़ा दिया जाएगा। ईमेल के जरिए संदेश भेजने वाले ने धमाका टालने के लिए 48 घंटे के अंदर 10 लाख डॉलर देने की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ धारा 385 और 505(1)(बी) के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मेल के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। आगे की जांच की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कायदाकस्टोल नाम से गुरुवार सुबह करीब 11 बजे यह ईमेल मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के फीडबैक इनबॉक्स में आया है। धमकी भरे मेल में आरोपी ने लिखा है कि यह आपके एयरपोर्ट के लिए आखिरी चेतावनी है। यदि 10 लाख डॉलर नहीं दिए गए तो हम 48 घंटे के अंदर एयरपोर्ट का टर्मिनल 2 को बम से उड़ा देंगे। इसके लिए हमें बिटकॉइन में एक मिलियन डॉलर भेजा जाये। 24 घंटे बाद एक और अलर्ट दिया जाएगा। यह धमकी भरा ईमेल जिस आईपी ऐड्रेस का दुरुपयोग कर भेजा गया है, उसका पता लगा लिया गया है। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले आरोपी की पहचान में जुट गई है।

शिरडी के साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने दस दिनों में 17 करोड़ दान दिया

शिरडी। दिवाली की छुट्टियों के दौरान, देश भर से लाखों भक्त साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी आये थे। पिछले दस दिनों में साईं के चरणों में भक्तों ने 17 करोड़ 55 लाख 56 हजार रुपये तक चढ़ाए हैं. साईबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. शिव शंकर ने इस बात की पुष्टि की. दरअसल दिवाली की छुट्टियों के मद्देनजर शिरडी में साईं भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। दिवाली और भाऊबीज त्योहार मनाए जाने के बाद भक्त साईं बाबा के दर्शन को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए पिछले कुछ दिनों से शिरडी की सड़कों समेत साईं मंदिर इलाके में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है. देशभर से भक्त साईं के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं. यूरोपीय देशों जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, रूस, चेक गणराज्य और डेनमार्क से 37 महिलाओं और 15 पुरुषों सहित 52 विदेशी भक्तों ने हाल ही में साईं मंदिर में दर्शन किए।

मोदी सरकार से दो बड़ी मांगें कर दिल्ली पहुंच गए नीतीश कुमार, सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अचानक दिल्ली प्रवास को लेकर सियासी गलियारों में विभिन्न प्रकार के कयास लगाये जा रहे हैं। नीतीश सरकार ने हाल में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने बिहार के लिए दो बड़ी मांगें की हैं। ऐसे में सीएम नीतीश का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी दिल्ली में ही हैं। इण्डिया गठबंधन पर आगे की चर्चा होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। नीतीश और लालू की दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मुलाकात की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि जेडीयू ने उनके इस दौरे की निजी वजह बताई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार शाम पटना से विशेष विमान के जरिए दिल्ली रवाना हो गए। उनकी यह यात्रा निजी बताई गई है। वे शनिवार को वापस पटना लौट जाएंगे। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया को बताया है कि नीतीश रूटीन आई चेकअप के लिए दिल्ली गए हैं। उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक मकसद नहीं है।

बिहार सरकार ने हाल ही में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने दो बड़ी मांगें रखी हैं। जाति गणना के बाद राज्य में बढ़ाए गए आरक्षण के दायरे को नीतीश सरकार ने संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है। ताकि कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में नीतीश कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की अपनी पुरानी मांग भी तेज कर दी है। इसका प्रस्ताव भी दो दिन पहले कैबिनेट से पारित किया गया।

सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बीच इण्डिया गठबंधन की आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम नीतीश ने पिछले दिनों कांग्रेस द्वारा गठबंधन पर ध्यान नहीं देने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त है, इसलिए आगे बात नहीं हो पा रही है। दिल्ली दौरे पर नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी नेताओं से मुलाकात की चर्चा भी हो रही है। वहीं कांग्रेस के आला नेता अभी राजस्थान चुनाव में व्यस्त हैं।उधर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। वे अपनी बेटी एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती के साथ बुधवार को पटना से दिल्ली गए। बताया जा रहा है कि लालू सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए हैं।

विस निर्वाचन की घोषणा के बाद अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये जब्त

–साल 2018 के दौरान 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना अधिक

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग की 5 राज्यों में विधानसभा कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही लागू आदर्श आचार संहिता के तहत राज्य और केंद्र की एजेंसियों के साथ चुनाव आयोग की कार्यवाही में अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया गया है, जो साल 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना ज्यादा है। चुनाव आयोग ने बताया है कि 5 राज्यों में चुनाव के ऐलान के बाद से तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होना है। इसी बीच चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को पुलिस ने रंगारेड्डी के गच्चीबाउली से एक कार से पांच करोड़ रुपये कैश बरामद किया है। जब कार चालकों से इस कैश के बारे में पूछा गया, तो वे इस कैश का कोई हिसाब नहीं दे पाए। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, वाहन चेकिंग के दौरान एक कार में मिले दो सूटकेस रुपये जब्त कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। कैश को आयकर विभाग को सौंप दिया गया। इससे पहले चुनाव आयोग ने बताया था कि 5 राज्यों में चुनाव के ऐलान के बाद से अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया गया है। यह साल 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना ज्यादा है।। चुनाव आयोग के मुताबिक, चुनाव ऐलान के बाद एमपी, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान से 1760 करोड़ रुपये से ज्यादा की जब्ती की गई है। जबकि साल 2018 में इन्हीं राज्यों से 239.15 करोड़ रुपये जब्त हुए थे। इससे पहले गुजरात, हिमाचल, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में चुनाव आयोग ने 1400 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया था। यह पिछले चुनाव में जब्त किए गए कैश से 11 गुना था।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आप का डोर-टू-डोर कैंपेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर निर्णय को लेकर आम आदमी पार्टी ने डोर-टू-डोर कैंपेन सहित नुक्कड़ सभाओं का आयोजन करने जा रही है।आम आदमी पार्टी (आप) शुक्रवार से दिल्ली में इस पर रायशुमारी करने जा रही है कि केजरीवाल को इस्तीफा देना चाहिए या फिर जेल से सरकार चलानी चाहिए? पिछले दिनों खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा था कि वह इस्तीफे को जूते की नोक पर रखते हैं, लेकिन फैसला दिल्ली की जनता से पूछने के बाद लिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने रायशुमारी के लिए इस बार कोई फोन नंबर या ईमेल आईडी जारी नहीं की है, बल्कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को घर-घर भेजने का फैसला किया है। नागरिकों को एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर सवाल पूछते हुए दो विकल्प दिए जाएंगे। फॉर्म भरकर कार्यकर्ताओं को वापस करना है। पूरी दिल्ली से फॉर्म को एकत्रित करने के बाद देखा जाएगा कि जनता की क्या राय है और उसके मुताबिक फैसला किया जाएगा।

दरअसल, दिल्ली के कथित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता जेल जा चुके हैं। विजय नायर के अलावा पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को भी समन किया था। हालांकि वह पेश नहीं हुए थे। आम आदमी पार्टी को आशंका है कि ईडी केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर सकती है। ऐसे में पार्टी दिल्ली की जनता से पूछना चाहती है कि यदि आशंका सच होती है तो केजरीवाल को मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए या फिर जेल से ही सरकार चलानी चाहिए।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब से गुजरात तक मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे के चुनाव और अन्य कुछ मुद्दों पर पहले भी रायशुमारी करा चुकी है। हालांकि, पहली बार पार्टी ने इसके लिए ऑफलाइन मोड का चुनाव किया है। खुद अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों इसकी वजह का खुलासा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को रायशुमारी के लिए घर-घर जाने का निर्देश देते हुए कहा कि वे इसे ही लोकसभा चुनाव के लिए कैंपेन का आगाज समझें। आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि दिल्ली की अधिकतर जनता अरविंद केजरीवाल के कामकाज से खुश है और लोग उन्हें जेल में रहकर भी कामकाज संभालने को कहेंगे। ऐसे में यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो भी वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पार्टी के पास विपक्ष खासकर भाजपा की ओर से इस्तीफे की मांग उठाने पर ठोस जवाब होगा। दूसरी तरफ पार्टी घर-घर जाकर जनता से संपर्क साधकर लोकसभा चुनाव की तैयारी भी करने जा रही है। घर-घर जाकर यह बताने की कोशिश की जाएगी कि पार्टी के नेताओं को झूठे केसों में फंसाया गया है।

मराठा के बाद ओबीसी की गोलबंदी में घिरी एकनाथ शिंदे सरकार

–अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे छगन भुजबल ने अपनाया बागी रुख

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन पश्चात अब अन्य पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी एकनाथ शिंदे सरकार की चिंता बढ़ा रही है।उधर ओबीसी बिरादरियों को गोलबंद करने में एकनाथ शिंदे सरकार के ही मंत्री छगन भुजबल जुटे हुए हैं। अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे भुजबल ने अब बागी तेवर भी अपना लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मराठा आरक्षण के खिलाफ मेरे स्टैंड के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता है तो वे मंत्री और विधायकी तक के पद त्यागने को तैयार हैं।

दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। उन्होंने जालना जिले में हाल ही में ओबीसी वर्ग की एक बड़ी रैली की थी। उनकी इस मुहिम में कांग्रेस के भी कई नेता साथ हैं।

छगन भुजबल ने कहा, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि मेरे स्टैंड की वजह से कहा जाता है तो फिर विधायकी भी छोड़ दूंगा। मैं अपनी पार्टी के आदेश का पालन करूंगा, जिसमें अजित पवार सुप्रीम हैं। इसके अलावा कैबिनेट में सीएम मेरे बॉस हैं, जबकि भाजपा गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है। यदि वे मुझसे इस्तीफा देने को कहते हैं तो दे दूंगा।

मराठा आंदोलन मुद्दे पर सरकार के झुकने के प्रश्न पर भुजबल ने कहा कि सरकार और इस मामले की सुनवाई करने वाले जजों को इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण रखना चाहिए। मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबीसी समाज से अन्याय न हो सके। गौरतलब है कि मराठा आंदोलनकारी भी लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। मनोज जारांगे पाटिल ने तो पिछले महीने आंदोलन ही इस शर्त पर खत्म किया था कि यदि 2 जनवरी तक मराठा कोटे पर फैसला नहीं हो सका तो फिर सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा।

ठण्ड में वृद्धि, बारिश से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और आसपास के इलाकों में ठंड में लगातार वृद्धि हो रही है। गुरुवार को इस मौसम में पहली बार न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्यियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है, जबकि बुधवार को यह 10.6 डिग्री दर्ज किया गया था जो इस सीजन का अब तक का न्यूनतम तापमान रहा। मौसम केन्द्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने से न्यूनतम तापमान में कुछ वृद्धि हो सकती है जबकि हवा की दिशा पूर्वी से दक्षिणी होगी और गति काफी कम होगी। बादल छाए रहने की वजह से तापमान बढ़ेगा अगले सप्ताह बारिश की संभावना व्यक्त की गई है जिससे तापमान और नीचे गिरने की संभावना है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बादलों का डेरा हो जाने से शुक्रवार शाम से तापमान में कुछ वृद्धि हो सकती है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि एक दिन पहले 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में इजाफे का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 10 और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सप्ताह दिल्ली में बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान में 27 नवंबर के आसपास गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर को इस बारिश की वजह से प्रदूषण से राहत मिल सकती है।

मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू नहीं किया, आज जातिगत आरक्षण की बात कर रहे कांग्रेसी : मायावती

–नाम लिए बिना किया राहुल गांधी पर तंज

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली में एक चुनावी रैली को संबोधित कर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया।

बहनजी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष कर कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) की तरह ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी और ओबीसी को अलग से आरक्षण नहीं दिए जाने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की भी आलोचना की।

मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया। उन्होंने कहा, एससी-एसटी, ओबीसी के वोट पाने के लिए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब अपनी चुनावी सभाओं में प्रचार कर रहे हैं कि जाति आधारित जनगणना होना चाहिए। मायावती ने कहा, ''...ये लोग (कांग्रेस) जाति जनगणना (अब) के बारे में बात कर रहे हैं। जब आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में थी, तब सबसे पिछड़े वर्ग के लोगों ने एससी-एसटी की तर्ज पर खुद को आरक्षण देने मांग की थी।

ओबीसी के लिए आरक्षण की सिफारिश करने वाली काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर मायावती ने कहा कि इन्हें कांग्रेस ने लागू ही नहीं किया। बसपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया था और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाया था। उन्होंने कहा कि लेकिन, सबसे पुरानी पार्टी ने रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओबीसी समुदाय के लोगों को पता होना चाहिए कि मंडल आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस के प्रयासों से नहीं, बल्कि बसपा के प्रयासों से तत्कालीन वीपी सिंह सरकार ने लागू की थी। मायावती ने दावा किया कि केंद्र और अधिकतर राज्य सरकारें कमजोर वर्गों को शोषण से राहत देने के लिए बने कानूनों को समुचित तरीके से लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हालत भी संतोषजनक नहीं लगती तथा उच्च वर्गों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की दशा 'शोचनीय है।

चीन में फैले रहस्यमय निमोनिया ने भारत की उड़ाई नींद! सतर्क हुआ स्वास्थ्य मंत्रालय, जानें बच्चों में फैल रही बीमारी की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में इस समय एक रहस्यमय निमोनिया फैला हुआ है जो सबसे ज्यादा बच्चों को टारगेट कर रहा है। ऐसे में कोरोना वायरस से होने वाले नुकसान से अभी दुनिया उबरी भी नहीं थी कि चीन में एक नये वायरस का जन्म हो गया है। अब हर देश इस चीज को लेकर काफी ज्यादा सतर्क है। भारत और चीन पड़ोसी देश है ऐसे में चीन में फैली इस बीमारी को लेकर भारत भी सतर्क है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह उत्तरी चीन में एच9एन2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के मामलों और बच्चों में सांस की बीमारी के फैलने की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

चीन से रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा मामले के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी के समूहों से भारत को कम जोखिम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश मौजूदा स्थिति से उत्पन्न होने वाली किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए तैयार है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा 'भारत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए तैयार है। भारत ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के लिए एक समग्र और एकीकृत रोडमैप अपनाने के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय मजबूती आई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने अक्टूबर 2023 में चीन में एच9एन2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के एक मानव मामले की पृष्ठभूमि में देश में एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के खिलाफ तैयारी के उपायों पर चर्चा करने के लिए हाल ही में एक बैठक की, जिसकी रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ को दी गई थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि 'विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा समग्र जोखिम मूल्यांकन मानव से मानव में फैलने की कम संभावना और अब तक डब्ल्यूएचओ को रिपोर्ट किए गए एच9एन2 के मानव मामलों में कम मृत्यु दर का संकेत देता है।' मंत्रालय ने मानव, पशुपालन और वन्य जीवन क्षेत्रों के बीच निगरानी को मजबूत करने और समन्वय में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चीन को कोविड-19 के बाद एक और संभावित स्वास्थ्य आपातकाल का सामना करना पड़ रहा है - एक रहस्यमय निमोनिया का प्रकोप स्कूलों में फैल गया है और इसके परिणामस्वरूप अस्पताल बीमार बच्चों से भर गए हैं। इससे वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों में चिंता पैदा हो गई है।

इस प्रकोप का केंद्र बीजिंग और लियाओनिंग प्रांत हैं, जहां बाल चिकित्सा

अस्पतालों को भारी संख्या में बीमार बच्चों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता के कारण कुछ स्कूलों में कक्षाएं निलंबित कर दी गई हैं, क्योंकि छात्र और शिक्षक दोनों बीमार पड़ गए हैं, यह स्थिति कोविड-19 के शुरुआती दिनों की याद दिलाती है।

बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों ने कम से कम 4 आतंकियों को ढेर किया

करांची । पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों ने एक अभियान में 4र आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवाद निरोधक पुलिस ने यह जानकारी दी। आतंकवाद निरोधक विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह घटना प्रांत के केच जिले में हुई। सीटीडी ने कहा कि उसे जिले में पसनी रोड के पास आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली और इसके बाद उसने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया और इस दौरान आतंकवादियों को ढेर कर दिया।

काठमांडू में फिर लगे 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू में गुरूवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 थी। गौरतलब है कि नेपाल में पहले भी भूकंन आ चुका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप के झटके देर रात एक बजकर 19 मिनट पर महसूस किए गए जिसका केंद्र मकवानपुर जिले के चितलांग इलाके में था। भूकंप के झटके राजधानी काठमांडू के अलावा नुवकोट, धाडिंग, भक्तपुर, ललितपुर और मकवानपुर जिलों में भी महसूस किए गए हैं।

रूस के क्लस्टर हथियारों के हमले में 3 लोगों की मौत, 5 लोग घायल : यूक्रेन के गृह मंत्री

खेरसान । गरूवार को यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसॉन के एक उपनगर में रूस द्वारा क्लस्टर हथियारों का उपयोग करके किए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। एक यूक्रेनी अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अब एक दिन में युद्ध में जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या 6 हो गई है। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि खेरसॉन के चर्नोबायिवका उपनगर में दोपहर में हुई भारी गोलाबारी में 5 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि दिन में हुए हमले में 60 से अधिक आवासीय और बुनियादी ढांचे की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से युद्ध में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया। आलोचकों का कहना है कि यह हथियार जमीन पर छर्रे फैलाते हैं और लड़ाकों की तुलना में कहीं अधिक नागरिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और मारते हैं। इससे पहले दिन में हुए हमलों में अलग-अलग क्षेत्रों में 3 लोगों की जान रूसी हमलों में गई थी। इस बीच रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि टीवी पत्रकार बोरिस मकसूदोव की दक्षिणी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया क्षेत्र में काम करने के दौरान ड्रोन हमले में घायल होने के बाद मौत हो गई है।

युद्धग्रस्त गाजा में चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी

तेल अवीव। युद्धरत इजराइल और हमास के बीच कतर, अमरीका और मिस्र की मध्यस्थता बाद शुक्रवार से चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी हो गया। इसी के साथ इजराइल में कैद फलस्तीनी और गाजा उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की अदला-बदली का मार्ग प्रशस्त हो गया। सुबह सात बजे से प्रभावी युद्ध विराम कम से कम चार दिन के लिए है! गौरतलब है कि सात अक्टूबर को गाजा में शासन कर रहे हमास समूह ने इजराइल पर अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था। हमास ने इस युद्ध विराम के दौरान कम से कम 50 बंधकों को रिहा करने का वादा किया है। चार दिनों की चरणबद्ध योजना के तहत इजराइल हरेक बंधक को मुक्त करने के बदले में चार फलस्ती ?नियों को रिहा करेगा। हमास द्वारा इजराइल पर सात अक्टूबर को किए गए हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा पर बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी हमले किए, जिसमें कम से कम 13,300 फलस्तीनी मारे गए। यदि यह समझौता सफलता से लागू होता है, तो यह इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में महत्वपूर्ण विराम होगा।

वैज्ञानिकों ने खोजा खुजली का वायरस

-जल्द मिलेगा एक्जिमा और खुजली का स्थाई इलाज

वाशिंगटन । अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के वैज्ञानिक पहली बार इस बात के प्रमाण जुटाने में सफल हुए हैं। जिसमें एक सामान्य जीवाणु तंत्रिका कोशिकाओं को सीधे तौर पर प्रभावित कर,खुजली की कई बीमारियों को जन्म देते थे। त्वचा में स्टेफिलोकोकस आरियस जीवाणु के कारण संतुलन बिगड़ जाता था। जिसके कारण एक्जिमा और त्वचा की अन्य बीमारियां शुरू हो जाती थी। खुजली के कारण त्वचा लाल हो जाती है। इसका परीक्षण करने के बाद शोधकर्ता प्रोफेसर इसाक चिउ के अनुसार खुजली सूक्ष्म जीव के कारण होती है इसके लिए खुजली के पीछे के नए तंत्र की पहचान करने में वह सफल रहे हैं। चूहों पर किया गया इसका परीक्षण सफल रहा है। खुजली के लिए जिम्मेदार एकल जीवाणु एंजाइम की पहचान करने के लिए स्टेफिलोकोकस आरियस के कई संशोधित संस्करण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके बाद एक्जिमा के रोगियों के लिए यह शोध सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ है । त्वचा के कई रोगों का अब आसानी से इलाज हो सकेगा।

22 करोड मरीज एक्जिमा से पीड़ित

दुनिया भर में 2022 के आंकड़ों के अनुसार 22 करोड़ से ज्यादा एक्जिमा के मरीज हैं ।सबसे ज्यादा एक्जिमा से पीड़ित लोगों की संख्या स्वीडन, ब्रिटेन, आइसलैंड, फिनलैंड और डेनमार्क में है। इसके अलावा दुनिया भर में बड़ी संख्या में एक्जिमा और खुजली से परेशान मरीजों की संख्या है। जिन्हें अब राहत पहुंचाना आसान होगा।

इजरायली महिला का 47 दिन के बाद मिला शव

तेल अवीव । सात अक्टूबर को हमास द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए हमले के बाद से लापता 25 वर्षीय इजरायली कानून की छात्रा सनी गैबे को मृत पाया गया है. गैबे उत्तरी शहर योकनेआम की रहने वाली थीं और उनका शव अधिकारियों ने बुधवार को किबुत्ज़ बेरी के पास बरामद किया था। पत्रकारों से योकनेआम के मेयर साइमन अल्फासी ने कहा कि जब हमास ने हमला किया था, तब वह (सनी गैबे) सुपरनोवा संगीत समारोह में थीं। मेयर के अनुसार गैबे ने हमले के तुरंत बाद अपनी मां को फोन किया था और उन्हें बताया था कि वह एक आश्रय स्थल में छिपी हुई हैं और उन्होंने (हमास) उनके पैर में गोली मार दी है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को गैबे के लापता होने के बाद आज सुबह कड़वी खबर मिलने के साथ 47 दिनों की आशा समाप्त हो गई थी। सनी गैबे के भाई एविल का कहना है ?कि हम उनके लौटने की उम्मीद कर रहे थे। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, हम इजरायल के लोगों को धन्यवाद देते हैं, जो हमारे सभी प्रियजनों सहित उनकी वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे थे। हम उम्मीद करते हैं कि सभी बंधक बिना किसी समस्या के घर वापस आ जाएंगे। यह घटनाक्रम हमास और इजरायल के बीच बहुप्रतीक्षित बंधक समझौते के बीच हुआ है, जिसमें लड़ाई को चार दिन के लिए रोकना शामिल है।

मौत की सजा पा चुके नेवी के पूर्व अफसरों की याचिका स्वीकार

दोहा । भारत को खुश करने वाली एक बड़ी खबर आई है। खबर ये है कि कतर में जिन भारतीय नौसेना के 8 पूर्व अफसरों को फांसी की सजा सुनाई गई है, इस मामले में कतर की अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है और जल्द उस पर सुनवाई करेगी। कतर की कोर्ट जल्द ही उनकी अपील पर सुनवाई कर सकती है। बता दें कि नौसेना के इन आठ पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा सुनाई गई है। आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी। बता दें कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है।

उपग्रह इंटरनेट प्रौद्योगिकियों के लिए प्रौद्योगिकी प्रयोग उपग्रह ले जाने वाला एक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में ज़िचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित हुआ।

नेतन्याहू ने दे दिया बड़ा आदेश, मिट जाएगा हमास का नामोनिशान

तेल अवीव । इजरायल अब हमास को केवल गाजा पट्टी से नहीं बल्कि पुरी दुनिया के कोने-कोने से खत्म करने की ठान ली है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की जासूसी एजेंसी मोसाद को दुनिया के किसी भी कोने में छिपे हमास के आतंकियों को खत्म करने का दिशानिर्देश जारी किया है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए इजरायली प्रधान मंत्री ने कहा कि मैंने मोसाद को हमास के प्रमुखों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जहां वे हैं। अधिकांश हमास का शीर्ष नेतृत्व गाजा पट्टी में नहीं बल्कि मुख्य रूप से कतर की राजधानी और लेबनान की राजधानी बेरुत और खाड़ी राज्यों में रहते हैं। पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी आतंकवादियों और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की विदेशों में हुई हत्याओं का आरोप मोसाद पर लगा हुआ है। बीते 7 अक्टूबर को हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर अचानक से हमला कर दिया, जिसका जवाबी कार्रवाई इजरायली सेना ने 8 अक्टूबर से शुरू की और आधिकारिक तौर पर जंग का ऐलान कर दिया। इसके बाद से अब तक गाजा में इजरायली सेना के हमले में 14 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं हमास के कई टॉप कमांडर भी ढेर हो गए हैं। साथ ही सेना ने हमास के हजारों ठिकानों को भी तबाह कर दिया है। इजरायली सेना गाजा पट्टी में एरियल स्ट्राइक के साथ-साथ ग्राउंड अटैक भी तेज कर रखा है। इस बीच मध्यस्थता करने के चलते इजरायल-हमास के बीच चार दिवसीय सीजफायर लागू किया गया है। इस दौरान दोनों तरफ से बंधक रिहा किए जाएंगे।

दुनियाभर के हिंदुओं को जोड़िए, फिर दुनिया से जुड़िए: संघ प्रमुख मोहन भागवत

बैंकॉक (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के साथ प्रयोगों के बाद लड़खड़ा रही दुनिया को प्रसन्नता और संतोष का मार्ग भारत दिखाएगा।

थाइलैंड की राजधानी में तीसरी विश्व हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भागवत ने दुनियाभर के हिंदुओं से अपील की कि वे एक दूसरे से जुड़ें और मिलकर दुनिया से कड़ी जोड़ें। उन्होंने दुनियाभर से आए विचारकों, कार्यकर्ताओं, नेताओं और उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें हर हिंदू तक पहुंचना होगा, संपर्क साधना होगा। सभी हिंदू मिलकर दुनिया में सभी से संपर्क साधेंगे। हिंदू अधिक से अधिक संख्या में जुड़ रहे हैं और दुनिया के साथ जुड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।''

भागवत ने कहा कि दुनिया, खासतौर पर कोविड महामारी के बाद यह मान चुकी है और आम-सहमति से यह बात सोच रही है कि भारत प्रसन्नता और संतोष का मार्ग दिखाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के साथ प्रयोग करते हुए लड़खड़ा रही है और प्रसन्नता की तलाश में

वह हिंदुत्व की ओर देख रही है। संघ प्रमुख ने कहा, ''आज का विश्व लड़खड़ा रहा है। 2,000 साल से उन्होंने खुशी, आनंद और शांति लाने के लिए अनेक प्रयोग किए हैं। उन्होंने भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के प्रयोग किए हैं। उन्होंने अनेक धर्मों से जुड़े प्रयोग किए हैं। उन्हें भौतिक समृद्धि मिल गई है, लेकिन संतोष नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''कोविड महामारी के बाद उन्होंने पुनर्विचार करना शुरू किया। अब ऐसा लगता है कि वे यह सोचने में एकमत हैं कि भारत रास्ता दिखाएगा।''

भागवत ने कहा, ''हमें सभी के पास जाकर संपर्क करना होगा, उनसे जुड़ना होगा और अपनी सेवाओं से उन्हें अपनी ओर लाना होगा। हमारे पास उमंग है। हम निस्वार्थ सेवा के मामले में दुनिया में अग्रणी हैं। यह हमारी परंपराओं और मूल्यों में है। इसलिए लोगों तक पहुंचिए और दिल जीतिए।'' इस तीन दिवसीय सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों को दुनियाभर में हिंदुओं के समक्ष आ रहीं चुनौतियों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलेगा। भागवत ने कहा कि हिंदुओं को 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का प्रसार करने में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा, ''इसके लिए हमें साथ आना होगा, साथ रहना होगा और साथ में काम करना होगा।''

भागवत ने कहा, ''सभी को दुनिया के लिए कुछ योगदान देना होगा। हमने अपनी विशेषता पहचान ली है। हमारे अंदर सभी के प्रति सम्मान है। हमारे पूर्वजों ने इसे पहचाना था लेकिन हम इस कौशल को भूल गए और टुकड़ों में बांट दिए गए और अधीन हो गए। अब हमें एक साथ आना होगा।'' उन्होंने कहा कि आक्रोश, घृणा, घृणा भरे भाषण, द्वेष और अहंकार लोगों को साथ में आने से रोकते हैं और समाज या संगठन को तोड़ देते हैं। वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद ने शंख बजाकर सम्मेलन की शुरुआत की। इसमें 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

हमास के खिलाफ कम से कम दो महीने युद्ध चलने की उम्मीद: इजरायली रक्षा मंत्री

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय मानवीय विराम के बावजूद हमास के साथ देश का युद्ध कम से कम दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

सीएनएन ने गुरुवार को इजरायली सैनिकों का दौरा करते समय गैलेंट के हवाले से कहा, 'यह एक संक्षिप्त विराम होगा। जब यह खत्म होगा, तो लड़ाई जोरदार ढंग से जारी रहेगी और दबाव बनेगा जिससे अधिक बंधकों की वापसी हो सकेगी।' उन्होंने कहा, 'कम से कम दो महीने और लड़ाई की उम्मीद है।' इजरायली सेना ने कहा है कि बंधकों को सौंपने की प्रक्रिया 'जटिल' होगी, चेतावनी दी गई है कि किसी भी समय सौदे में बदलाव हो सकते हैं। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि किसी भी चीज को तब तक अंतिम रूप नहीं दिया जाता जब तक वह वास्तव में घटित न हो जाए। उन्होंने कहा, 'और इस प्रक्रिया के बीच भी, परिवर्तन किसी भी समय हो सकते हैं।' प्रवक्ता ने यह भी पुष्टि की कि इजरायली सेना इस समय गाजा पट्टी में लड़ाई जारी रखे हुए है, यह इंगित करते हुए कि एक बार विराम प्रभावी हो जाने पर, आईडीएफ सैनिक पट्टी के अंदर स्थापित संघर्ष विराम रेखाओं पर तैनात किए जाएंगे। आईडीएफ के एक प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि संघर्ष विराम रेखा प्रभावी रूप से इजरायली सैनिकों को उत्तरी गाजा में रखती है, और लड़ाई में विराम के दौरान वे दक्षिण की ओर नहीं बढ़ेंगे। बंधकों और लापता व्यक्तियों के लिए देश के समन्वयक गैल हिर्श ने एक बयान में कहा, इस बीच, इजरायल ने उन बंधकों के परिवारों को सूचित कर दिया है जिन्हें शुक्रवार को रिहा किया जाना है।

हिर्श ने कहा, 'संपर्क अधिकारियों ने उन सभी परिवारों को सूचित कर दिया है जिनके प्रियजन सूची में शामिल हैं, साथ ही बंधकों के सभी परिवारों को भी सूचित कर दिया है।' इजरायल ने एक्सचेंज में रिहाई के योग्य 300 लोगों के नामों की एक सूची प्रकाशित की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले बंधकों की रिहाई की उम्मीद में एक ही परिवार के सदस्य शामिल होंगे। सीएनएन ने अल-अंसारी के हवाले से कहा, 'उनकी संख्या 13 होगी, सभी महिलाएं और बच्चे, और वे बंधक जो एक ही परिवार से हैं, उन्हें एक ही बैच में रखा जाएगा।'

पाकिस्तान ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध की पुष्टि की

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसने ब्रिक्स - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका ब्लॉक में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच के मीडिया ब्रीफिंग के हवाले से कहा, 'ब्रिक्स द्वारा समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति घोषित खुलेपन को देखने के बाद हमने यह निर्णय लिया है।' उन्होंने कहा कि समूह में शामिल होकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने और समावेशी बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के ब्रिक्स के अधिकांश सदस्यों के साथ-साथ देशों के नए आमंत्रित समूह के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने कहा, ''हमें यह भी उम्मीद है कि ब्रिक्स समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप पाकिस्तान के अनुरोध पर आगे बढ़ेगा।'' अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, ईरान, अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इस समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, और उनकी सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी।

यूक्रेन के पीएम, यूरोपीय संघ के अधिकारी ने सीमा नाकेबंदी पर की चर्चा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्मीहल ने कहा है कि उन्होंने कुछ यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के साथ यूक्रेनी सीमा की नाकेबंदी पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। श्मीहल ने फेसबुक पर लिखा, यूक्रेन ने इस मुद्दे पर यूरोपीय संघ को अपने प्रस्ताव की रूपरेखा दी है और समस्या के समाधान में यूरोपीय आयोग की मदद पर भरोसा कर रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि यूक्रेन अपने निर्यात और आयात के लिए वैकल्पिक लॉजिस्टिक मार्ग भी तेजी से विकसित कर रहा है। पोलैंड के मालवाहक यूक्रेनी सीमा पर कई चौकियों पर 6 नवंबर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाले यूक्रेनी मालवाहकों के लिए परमिट की व्यवस्था की जाय। प्रदर्शनकारियों ने क्रॉसिंग पॉइंट के पास सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है, जिसके चलते लंबी कतारें लग गईं और हजारों ट्रक सीमा पर रुके रहे। गुरुवार को, यूक्रेन ने पोलैंड के विदेश मंत्रालय को एक आधिकारिक नोट भेजा, जिसमें दो यूक्रेनी ट्रक ड्राइवरों की कतार में मौत के बाद सीमा को तत्काल हटाने की मांग की गई। मंगलवार को यूक्रेनी ड्राइवरों के लिए परमिट वापस करने की मांग करने वाले स्लोवाकिया के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, जिससे स्लोवाकिया और यूक्रेन के बीच एक प्रमुख सीमा अवरुद्ध हो गई।

दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु को निशान-ए-पाकिस्तान सम्मान

-डॉ सैयदना सैफुद्दीन यह सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय बने

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मुंबई से संचालित इस्लाम के दाऊदी बोहरा समाज के प्रमुख डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-पाकिस्तान' प्रदान किया जाएगा। इसी के साथ डॉ सैफुद्दीन पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय होंगे।

जानकारी अनुसार पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अपने एक बयान में कहा है कि यह पुरस्कार डॉ सैफुद्दीन की सेवाओं की प्रशस्ति के रूप में दिया जा रहा है। राष्ट्रपति अल्वी

ने बुधवार को राष्ट्रपति अल्वी ने संविधान और सम्मान अधिनियम 1975 के अनुच्छेद 259 (2) के तहत पुरस्कारों की घोषणा की। फिलहाल पुरस्कार समारोह की तारीख घोषित नहीं की गई है।

बताया गया है कि 'निशान-ए-पाकिस्तान' या 'ग्रांड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ पाकिस्तान' राष्ट्रीय हित में सर्वोच्च सम्मान वाली सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है। यह पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। सम्मान समारोह के संबंध में बताया जाता है कि सामान्य रूप से प्रत्येक साल पुरस्कार की घोषणा पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को ही की जाती है और अगले वर्ष पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस 23 मार्च पर सम्मान प्रदान किया जाता है।

डॉ सैफुद्दीन से पहले 'निशान-ए-पाकिस्तान' से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय के तौर पर मोरारजी देसाई का नाम सामने आता है। उन्हें सन 1990 में यह सम्मान दिया गया था। इसके बाद 1998 में अभिनेता दिलीप कुमार को कला और संस्कृति के क्षेत्र में दिया जाने वाला पाकिस्तान का सर्वोच्च पुरस्कार 'निशान-ए-इम्तियाज' प्रदान किया गया था। इसी प्रकार साल 2020 में कश्मीरी अलगाववादी नेता अली गिलानी को 'निशान-ए-पाकिस्तान' से नवाजा गया।

चीन में फिर से फैल रही रहस्मय बीमारी, डब्ल्यूएचओ ने चीन से मांगी रिपोर्ट

-कोरोना के दौरान हो गई थी गलती

जिनेवा (एजेंसी)। कोरोना के बाद चीन में फिर से एक नई रहस्मय बीमारी की खबर आ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने उत्तरी चीन में निमोनिया के प्रकोप के बारे में बीजिंग से अधिक जानकारी मांगी है। बीमारी से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा, डब्ल्यूएचओ ने सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि और बच्चों में निमोनिया के समूहों की रिपोर्ट पर विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक अनुरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर पिछले तीन सालों से दिसंबर महीने में चीन में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों में भारी वृद्धि हुई है, वह भी उस समय जब यहां पर जीरो-कोविड नीति सख्ती से लागू थी। चीन ने जीरो-कोविड नीति को पिछले साल दिसंबर में समाप्त कर दिया था।

डब्ल्यूएचओ ने बताया, चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि सांस संबंधी बीमारियों की घटनाओं में तेजी आई है। इसका प्रमुख कारण रहा है, कोविड-19 को रोकने के उपायों में ढिलाई देना। रिपोर्ट के अनुसार, कोविड की रोकथाम में ढिलाई देने की वजह से न केवल कोविड से संबंधित बीमारियों में इजाफा हुआ बल्कि इन्फ्लूएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया (एक सामान्य जीवाणु संक्रमण जो आम तौर पर छोटे बच्चों को प्रभावित करता है), और श्वसन सिंकाइटियल वायरस जैसी बीमारियों में भी इजाफा हुआ है।

एक ऑनलाइन चिकित्सा समुदाय प्रो-मेड, जिसने 2019 में वुहान में फैल रही एक बीमारी की पहचान की थी। बाद में इस कोविड-19 के रूप में पहचाना गया। इसी समूह ने फिर से उत्तरी चीन से आ रही अज्ञात निमोनिया मीडिया रिपोर्टों की बढ़ती संख्या ध्यान खींचा। मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि बीजिंग, लियाओनिंग और उत्तर के अन्य स्थानों पर चाइल्ड हॉस्पिटल्स बीमार बच्चों से भरे पड़े थे, जबकि कुछ रिपोर्ट में बताया गया कि निमोनिया से बीमार बच्चों के माता-पिता ने अधिकारियों पर महामारी को छुपाने का आरोप लगाया है। प्रोमेड ने बताया कि संबंधित बीमारी के बारे में चीन को निश्चित रूप से जानकारी जरूरी थी, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने वर्तमान स्थिति का अधिक ब्यौरा मांगा है।

मालूम हो कि 2019 के अंत में आए कोविड-19 महामारी को पहले एक अज्ञात निमोनिया के रूप में लेबल दिया गया था। बीमारी का आनुवंशिक कोड को इससे पहली मृत्यु के बाद जनवरी 2020 में सार्वजनिक किया गया था। डब्ल्यूएचओ मार्च 2020 में कोविड वायरस के

तेजी से प्रसार और बीजिंग की निष्क्रियता पर चिंतित हो गया था। परिणामस्वरूप मार्च 2020 में एक महामारी की घोषणा की गई।

अब बेटी सुहाना के साथ स्क्रीन साझा करेंगे शाहरुख खान!

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म डंकी को लेकर खूब चर्चा में चल रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इन सब के अलावा खबर आ रही है कि शाहरुख खान पहली बार बेटी सुहाना खान के साथ एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म में काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान और सुहाना के पहले सहयोग को किंग नाम दिया गया है। चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। शाहरुख अपनी अगली फिल्म में बेटी सुहाना के साथ नजर आने वाले हैं। बड़े पर्दे पर सुहाना की ये डेब्यू फिल्म होगी।हालांकि, बता दें कि सुहाना की फिल्मों में एंट्री ओटीटी पर नेटफ्लिक्स के शो द आर्चीज से होने जा रही है। बताया जा रहा है कि पापा और बेटी की धमाकेदार जोड़ी की यह अगली फिल्म एक्शन पैक्ड थ्रिलर होनेवाली है। अब इस फिल्म का नाम भी सामने आ गया है और इसकी शूटिंग की जानकारी भी सामने आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख और सुहाना की इस फिल्म का नाम किंग होगा। खबर यह भी है कि किंग खान अपनी फिल्म डंकी की रिलीज के बाद इस फिल्म की शूटिंग में लग जाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू होने जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एक तरह की एक्शन थ्रिलर पैक्ड फिल्म होगी, जिसमें बाप-बेटी की जोड़ी बेहद अलग अंदाज में नजर आएगी। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म की तैयारी का काम जोरों पर चल रहा है और जनवरी 2024 से नॉन-स्टॉप शूटिंग शुरू हो सकती है। खबरों के अनुसार, निर्देशक सुजॉय घोष किंग के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं और उन्होंने स्क्रिप्ट को अंतिम रूप भी दे दिया है।

'एनिमल' की रिलीज से पहले बॉबी देओल को बड़ा झटका, नेटफ्लिक्स ने रोकी नई फिल्म की रिलीज

वेब सीरीज 'आश्रम', 'क्लास ऑफ 83' और ओटीटी ओरिजिनल फिल्म 'लव हॉस्टल' से सुर्खियों में लौटे अभिनेता बॉबी देओल की एक और ओटीटी ओरिजिनल फिल्म 'पेंट हाउस' को रिलीज करने से नेटफ्लिक्स ने मना कर दिया है। बॉबी की पिछली फिल्म 'लव हॉस्टल' जी5 पर रिलीज हुई थी। फिल्म 'पेंटहाउस' का निर्देशन अब्बास मस्तान ने किया है और चर्चाओं की मानें तो नेटफ्लिक्स को ये फिल्म वैश्विक स्तर की नहीं लगी, जिसके बाद उसने इसे रिलीज करने से इंकार कर दिया। नेटफ्लिक्स के शेयर बीते साल बहुत तेजी से गिरे थे, जिसके बाद कंपनी ने अपनी मौजूदा योजनाओं की फिर से पड़ताल शुरू की। ओटीटी ने कुछ ऐसी फिल्मों को बनाने की अपनी मंजूरी को वापस लेने फैसला किया जो उनके वैश्विक मानकों को पूरा नहीं करती थीं। इन प्रोजेक्ट में दिवाकर बनर्जी की फिल्म टीज, अनुराग कश्यप की मैक्सिमम सिटी की हिंदी रीमेक और 'बाहुबली' सीरीज की फिल्मों से पहले की कहानी एक वेब सीरीज भी शामिल है। यही नहीं नेटफ्लिक्स ने जिन योजनाओं को मंजूरी भी दी, उनके बजट भी काफी कम कर दिए गए। पहले की सूचनाओं के मुताबिक फिल्म पेंटहाउस एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है इस सीरीज की कहानी छह किरदारों के इर्द गिर्द घूमती है। फिल्म बनकर तैयार हो चुकी है और नेटफ्लिक्स की टीम ने जब ये फिल्म देखी तो उन्हें इसमें ऐसा कुछ नजर नहीं आया जो नेटफ्लिक्स के वैश्विक ग्राहकों को अपनी तरफ खींच सके। फिल्म में बॉबी देओल का सबसे अहम किरदार है। उनकी एक और फिल्म 'एनिमल' अगले महीने रिलीज होने जा रही है। इस बारे में निर्देशक जोड़ी अब्बास मस्तान का कहना है, हमने फिल्म पूरी करके इसके निर्माताओं को सौंप दी है। अब ये उन पर निर्भर करता है कि वे इसे किस ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज करते हैं। हमने भी सुना है कि फिल्म के निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स से इसके अधिकार वापस ले लिए हैं और उनकी जियो सिनेमा से बातचीत चल रही है। फिल्म पेंटहाउस की कहानी में असल ट्विस्ट तब आता है जब एक औरत की अचानक से लाश मिलती है जिसके बाद फिल्म के ये सभी छह किरदार एक दूसरे पर शक करने लगते हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल, अर्जुन रामपाल, शरमन जोशी,मौनी रॉय, वलुश्का डिसूजा और मंजरी फडनीस की मुख्य भूमिकाएं हैं। इस बारे में नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके आधिकारिक वक्तव्यों की अभी प्रतीक्षा है।

कार्तिक आर्यन ने इन निर्देशकों संग काम करने की जताई इच्छा

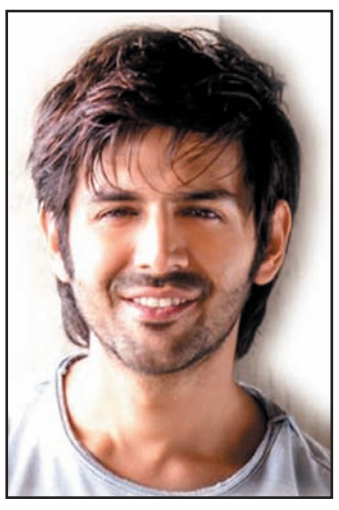

हाल ही में,कार्तिक ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की है और बताया है कि वह आने वाले दिनों में किस निर्देशक संग काम करने की चाहत रखते हैं। इन सब के बीच कार्तिक अपनी आगामी फिल्म को लेकर फैंस संग नए अपडेट साझा करते रहते हैं, जिससे प्रशंसकों का उत्साह भी दोगुना हो जाता है। अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के लिए वह जमकर तैयारियां कर रहे हैं। किरदार में ढलने के लिए एक्टर डाइटिंग कर रहे थे। हाल ही में,कार्तिक ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की है और बताया है कि वह आने वाले दिनों में किस निर्देशक संग काम करने की चाहत रखते हैं। इन सब के बीच कार्तिक अपनी आगामी फिल्म को लेकर फैंस संग नए अपडेट साझा करते रहते हैं, जिससे प्रशंसकों का उत्साह भी दोगुना हो जाता है। अपने ड्रीम प्रोजेक्ट पर विचार करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कभी भी बड़े पैमाने की युद्ध फिल्म नहीं बनाई है। इस प्रकार वह कुछ ऐसा करना चाहेंगे, जहां उन्हें ऐसा किरदार मिले, जैसा कि उन्होंने चंदू चैंपियन में निभाया है। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि मैं ऐसा कुछ अच्छे तरीके से करना चाहता हूं। तो हां एक युद्ध फिल्म अच्छी होगी। उन्होंने कहा कि उनके कई ड्रीम डायरेक्टर हैं। अभिनेता ने कहा, लव सर के साथ मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। इसलिए, मैं लव रंजन सर के साथ दोबारा काम करना पसंद करूंगा। इसलिए, अगर कोई फिल्म होती है तो मैं उनके साथ वापस से काम करना चाहूंगा।

कड़क सिंह का ट्रेलर जारी, बीती जिंदगी के रहस्यों से पर्दा उठाते नजर आए पंकज त्रिपाठी

पकंज त्रिपाठी अपनी आगामी फिल्म कड़क सिंह को लेकर चर्चा में रहे हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का पोस्टर पहले ही रिलीज कर दिया था। दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी डिटेल शेयर की है। यह फिल्म कड़क सिंह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी। जानिए किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी ये फिल्म। अब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है।

कड़क सिंह का ट्रेलर जारी

फिल्म के ट्रेलर में पंकज त्रिपाठी, कड़क सिंह में एके श्रीवास्तव का किरदार निभा रहे हैं, जिसे भूलने की बीमारी है। फिल्म में किरदार की बीमारी उसकी बीती जिंदगी के रहस्यों से पर्दा उठाती है। फिल्म में संजना सांघी ने भी काम किया है। फिल्म शुरू से ही क्राइम थ्रिलर नजर आ रही है। कड़क सिंह में पंकज त्रिपाठी और संजना सांघी ने पिता-बेटी की भूमिका निभाई है। इनके अलावा फिल्म में पार्वती और जया अहसन जैसे स्टार कास्ट भी हैं।

बीती जिंदगी के रहस्यों से पर्दा उठाते नजर आए पंकज त्रिपाठी

फिल्म की कहानी तब सामने आती है, जब कड़क सिंह अस्पताल में भर्ती होता है, जहां उन्हें अपने अतीत के बारे में चार विरोधी कहानियों का सामना करना पड़ता है। यह कहानी उनके वास्तविकता पर सवाल उठाने के लिए मजबूर करती हैं। ट्रेलर यह भी संकेत देता है कि कहानी में कड़क सिंह का शिकार नहीं हो सकता है।

पंकज त्रिपाठी ने कही यह बात

फिल्म के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, कड़क सिंह मेरे द्वारा पहले निभाए गए सभी किरदारों से अलग है। वह एक असामान्य चरित्र है और इस तरह के व्यक्तित्व को चित्रित करना बहुत खुशी की बात थी। मुझे कुछ अविश्वसनीय प्रतिभाओं के साथ काम करने का मौका मिला, जिनमें टोनी दा, पार्वती, जया और संजना जैसी युवा और उत्साही प्रतिभाएं शामिल थीं। पंकज त्रिपाठी की पिछली फिल्मों की बात करें तो वह अक्षय कुमार के साथ ओह माय गॉड 2 में नजर आए थे।

नरगिस फाखरी ने रणबीर और शाहिद कपूर संग अफेयर की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में उनकी जोड़ी रणबीर कपूर के साथ थी, जिसे काफी पसंद किया गया था। लेकिन ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के साथ-साथ उनके ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की भी चर्चा होने लगी थी। कहा जाने लगा था कि नरगिस और रणबीर कपूर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फिर बाद में एक्ट्रेस का नाम शाहिद कपूर के साथ जोड़ा जाने लगा। यह तक कहा गया कि वह शाहिद कपूर के अपार्टमेंट में रहने लगी हैं।

नरगिस फाखरी ने लेटेस्ट इंटरव्यू में रणबीर और शाहिद के साथ लिंक-अप पर खुलकर बात की, और बताया कि सच क्या है। लिंक-अप की चर्चा तब शुरू हुई थी, जब वह एक्टर के साथ फिल्म फटा पोस्टर निकला हीरो के गाने धतिंग नाच में नजर आई थीं। सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में नरगिस फाखरी ने अपना दिल खोलकर रख दिया। उन्होंने बताया कि डेटिंग की खबरों ने उन्हें पागल कर दिया था। नरगिस फाखरी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में लगभग हर किसी के साथ उनका नाम जोड़ा गया। लिंक-अप की जो खबरें आती थीं, उन्हें पढ़कर या सुनकर दिमाग फटने लगता था। नरगिस ने बताया कि उन्होंने अपने बारे में ऐसी खबरें भी पढ़ीं, जिनमें कहा गया कि वह शाहिद के अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गई हैं, और उनकी मां मिलने इंडिया आईं। एक्ट्रेस के मुताबिक, सच यह था कि उनकी मां कभी इंडिया आई ही नहीं हैं। लोग भी नरगिस को उनकी मां को लेकर मैसेज करने लगे थे।

जब नरगिस फाखरी को बताया गया लेस्बियन

नरगिस फाखरी ने फिर उस पल के बारे में बात की, जब उनके बारे में एक आर्टिकल छपा, जिसमें एक्ट्रेस को लेस्बियन बताया गया। नरगिस के मुताबिक, उन्होंने एक व्यंग्य भरी टिप्पणी की थी, लेकिन उसे ही हेडलाइन बना दिया गया। नरगिस के मुताबिक, उसकी वजह से वह मुश्किल में फंस गई थीं। नरगिस ने यह भी बताया कि सेट पर काम करते हुए फिल्म स्टार्स अकसर फ्लर्टी हो जाते हैं। कुछ फ्रेंडली भी रहते हैं। पर कई बार यह फर्क करना मुश्किल हो जाता है कि कौन फ्लर्ट कर रहा है, और कौन फ्रेंडली है।

मुझे लगता है यह मेरे करियर की अच्छी शुरुआत है

कन्नड़ और तमिल फिल्मों की खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को बॉलिवुड में आए अभी तीन साल का समय ही हुआ हुआ है, मगर वे हिंदी फिल्म जगत की पसंदीदा बन चुकी हैं। पुष्पा की श्रीवल्ली के रूप में रातों-रात शोहरत पाने वाली रश्मिका को अमिताभ बच्चन के साथ गुडबाय में भी सराहा गया। दक्षिण में 6 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजी जा चुकीं रश्मिका नैशनल क्रश का खिताब भी मिल चुका है। जल्द ही उन्हें एनिमल और पुष्पा 2 में भी देखा जा सकेगा। उनसे एक बातचीत।

हाल ही में आपकी और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को लेकर काफी चर्चा है, क्या कहना चाहेंगी?

एनिमल के बारे में मैं अभी इतना ही कह सकती हूं की यह एक पारिवारिक ड्रामा है। मुझे नहीं पता कि मैं फिल्म के बारे में कितना बता सकती हूं, लेकिन इतना जरूर कह सकती हूं कि फिल्म आप लोगों को बहुत पसंद आएगी। एनिमल एक ऐसी फिल्म है, जहां बहुत से कॉम्प्लेक्स किरदार एक साथ एक परिवार के तौर पर देखने को मिलेंगे, जो अपने आपमें एक कहानी बनती है। संदीप रेड्डी वंगा जो हमारे निर्देशक हैं वो खुद मास्टर हैं कंटेंट के तो मैं बहुत उत्साहित हूं फिल्म को लेकर।

रणबीर कपूर अदाकार के रूप में कैसे साबित हुए?

मुझे लगता है कि रणबीर कपूर को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। वे खुद को एक अभिनेता के तौर पर बहुत पहले ही साबित कर चुके हैं। मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। रणबीर बहुत ही कमाल के इंसान हैं और उतने ही अच्छे अभिनेता भी हैं। एक चीज जो मुझे उनकी बहुत पसंद है, वो यह है कि उनका जो क्राफ्ट है, वो पूरी इंडस्ट्री को दर्शाता है। वो एक ऐसे एक्टर हैं, जिनको देखना और जिनके साथ काम करना ट्रीट की तरह है।

पुष्पा के बाद पुष्पा 2 को लेकर भी लोगों को बहुत इंतजार है? क्या आप नर्वस हैं? क्योंकि लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ी हुई हैं?

पुष्पा वन के बाद पुष्पा 2 को लेकर भी लोगों को बहुत इंतजार है और ये बात मुझे बहुत ज्यादा उत्तेजित कर रही है। मैं अपनी पूरी टीम के लिए बहुत खुश हूं। हमारी फिल्म ने जिस तरह से रेकॉर्ड बनाए हैं, उसने हम सभी को एक ऐसा किक दिया है कि हम बेहतरीन काम करने को प्रेरित हो गए हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि पुष्पा 2 पागलपन और मनोरंजन के डोज को और ज्यादा बढ़ाएगी। थोड़ी-सी नर्वसनेस तो है, मगर एक्साइटमेंट ज्यादा है। मैं तो दिन -रात सेट पर हूं और वादा कर सकती हूं कि पुष्पा 2 ब्लास्ट करेगी।

साउथ और बॉलिवुड में आप क्या फर्क महसूस करती हैं?

मुझे नहीं लगता कि इसका कोई माकूल जवाब हो सकता है। मैंने अलग-अलग इंडस्ट्री की अलग-अलग टीमों के साथ काम किया है। ये विभिन्न टीमें विभिन्न इंडस्ट्रीज से ताल्लुक रखती हैं, मेरे लिए साउथ और बॉलिवुड नहीं होता। दमदार स्क्रिप्ट्स होती हैं, जिनका मैं चयन करना चाहती हूं और अद्भुत लोगों के साथ काम करने की इच्छा रखती हूं। अच्छा लगता है, जब आप अलग-अलग इंडस्ट्रीज के साथ काम करते हैं और वे आपके काम को सराहते हैं। मगर जब भी आप किसी नई इंडस्ट्री में जाते हैं, नए लोगों से आपका सामना होता है। आपको नए सिरे से काम करना होता है। खुद को साबित करना होता है। मैंने अपने करियर की शुरुआत कन्नड़ इंडस्ट्री से की फिर मैं तेलुगू इंडस्ट्री से जुड़ी। अब मैं बॉलिवुड में भी काम कर रही हूं, तो हर बार उसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, तो मेरे लिए साउथ और बॉलिवुड का फर्क नहीं टीमों का अंतर है।

कैसा लगता है जब आपको पैन इंडिया स्टार कहा जाता है?

सबसे पहले तो मुझे थोड़ी शर्म आ जाती है और बाद मुझे समझ आया कि हम उस दौर में हैं, जहां हम सभी को एक इंडस्ट्री की तरह देखा जाना चाहिए ना कि बॉलीवुड, टॉलिवुड या सैंडवुड। मुझे लगता है यह मेरे करियर की अच्छी शुरुआत है और मैं खुश हूं कि मैं इस भेदभाव को कम करने में एक तरह से हिस्सेदार हूं, तो इससे ज्यादा खुशी मेरे लिए और क्या हो सकती है?

आप सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

सच कहूं, तो उन्हें हैंडल करने के 3-4 अलग-अलग तरीके हैं। पहला आप उन्हें न देखें, दूसरा आप उन्हें इग्नोर कर दें, तीसरा आप उन पर हंस कर आगे बढ़ जाएं और चौथा आप उन पर रोना शुरू कर दें। मगर समझने वाली बात ये है कि उन पर किसी भी तरह का आपका कंट्रोल नहीं है। आपके लिए उनकी प्रतिक्रियाओं पर भी आपका बस नहीं है। उनको जो कहना होगा, वे कहेंगे, तो आपको उन्हें अपने नजरिए से देखना होगा। कई बार उनकी वजह से आप एक बबल में चले जाते हैं और कई बार वे आपको मानसिक रूप से बहुत ज्यादा इफेक्ट कर जाते हैं। जाहिर है, आप इनसे प्रभावित नहीं होना चाहते, क्योंकि आपकी अपनी जिंदगी भी है। आप उनकी बातों को लेकर नहीं बैठे रह सकते।

आपको नैशनल क्रश का खिताब दिया जाता है, आपका क्रश कौन है?

ओह, ये तो बहुत ही स्वीट-सी बात है, मगर मैं अपने क्रश को राज ही रखना चाहूंगी।